शुभम संदेश

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, शुक्रवार 09 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 05 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 122 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

दो दिन तक होंगे कई कार्यक्रम, झारखंड सहित विभिन्न राज्यों के जनजातीय समूह लेंगे हिस्सा, 32 जनजातीय समूह पेश करेंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

हेमंत सरकार तीसरा भव्य आदिवासी महोत्सव आज, शिबू सोरेन होंगे मुख्य अतिथि

विशेष संवाददाता। रांची

हेमंत सोरेन सरकार का तीसरा झारखंड आदिवासी महोत्सव 2024 का आयोजन विश्व आदिवासी दिवस नौ अगस्त पर बिरसा मुंडा स्मृति पार्क में होगा. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य समन्वय समिति के अध्यक्ष व पूर्व सीएम शिबू सोरेन होंगे. कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करेंगे, जबकि कार्यक्रम में आदिवासी कल्याण मंत्री दीपक बिरूआ, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल अंसारी समेत इंडिया गठबंधन के कई नेता एवं मंत्री हिस्सा लेंगे. दो दिनों तक कई कार्यक्रम होंगे. इसमें झारखंड समेत कई राज्यों के जनजातीय समुह के लोग हिस्सा लेंगे और अपनी कला-संस्कृति का प्रस्तुतीकरण करेंगे. कार्यक्रम में आतिशबाजी एवं भव्य लेजर शो का आयोजन किया जाएगा.

निकाली जाएगी विशाल शोभायात्रा, बटेंगे वनपट्टा : नौ अगस्त को कार्यक्रम दिन के 12 बजे से शुरू होगा. 32 आदिवासी जनजातियों के द्वारा करम टोली धुमकुडिया भवन से रीझ-रंग शोभायात्रा निकाली जाएगी जो बिरसा मुंडा स्मृति पार्क तक पहुंचेंगी. इस टीम के द्वारा शिबू सोरेन और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का स्वागत किया जाएगा. मुख्य द्वार पर पारंपरिक लोटा पानी से अतिथियों का स्वागत होगा. इसके बाद अतिथि लगाए गए शिविर, आदिवासी चित्रकार शिविर एवं आदिवासी व्यंजन के शिविर का उदघाटन करेंगे. मुख्य अतिथि द्वारा शहीद वेदी पर पुष्प अर्पण किया जाएगा.

खास बातें

- बिरसा मुंडा स्मृति पार्क में उतरेगी आदिवासी परंपरा
- आदिवासी फैशन-शो के अलावा होंगे कई कार्यक्रम

आज मोनिका मुंडू नागपुरी गायन प्रस्तुत करेंगी

कार्यक्रम में मिजोरम की टीम पारंपरिक आदिवासी नृत्य प्रस्तुत करेगीं. प्रसिद्ध नागपुरी गायिका मोनिका मुंडू आधुनिक नागपुरी गायन प्रस्तुत करेंगी. परिवर्तन संस्था के आदिवासी दिव्यांग बच्चों द्वारा ट्राइबल कल्चर इन फ्रैमगैम स्टाइल्स इन फैशन शो प्रस्तुत करेंगे. आसाम, उड़ीसा, छत्तीसगढ़ से आए दल पारंपरिक आदिवासी नृत्य प्रस्तुत करेंगे. अखड़ा दर्शन के तहत आठ जनजातीय समुह गीत-नृत्य प्रस्तुत करेंगे. पद्मश्री मुकुंद नायक द्वारा नागपुरी गीत एवं नृत्य प्रस्तुत किया जाएगा. भगवान बिरसा मुंडा की ऐतिहासक गाथा नृत्यनाटिका वर्षा लकड़ा एवं उनके समूह द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा. संथाली बैंड आधुनिक संथाली गायन वादन गायिका शेरोम मरांडी द्वारा प्रस्तुत किया जाएसगा. झारखंड झरोखा कार्यक्रम के तहत आदिवासी फैशन शो होगा.

कल दिन भर होगा रंगारंग कार्यक्रम, समापन शाम को

10 अगस्त को सुबह 11 बजे से शाम को तीन बजे तक कई कार्यक्रम होंगे. नागपुरी बैंड के साथ आधुनिक नागपुरी एवं कुडुख गीत की प्रस्तुती होगी. त्रिपुरा, मिजोरम, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश व असम से आए कलाकार आदिवासी नृत्य एवं संगीत प्रस्तुत करेंगे. झारखंड का फिरकाल नृत्य की प्रस्तुति होगी. राजस्थानी पारंपरिक आदिवासी नृत्य होगा. झारखंड रंगारंग महोत्सव के तहत झारखंड के सात क्षेत्रीय एवं जनजातीय गीत नृत्य का कार्यक्रम होगा.

रांची विश्वविद्यालय के कार्यक्रम जोहार संगी -24 में राज्यपाल संतोष गंगवार ने कहा-

पढ़ाई के लिए बना है बेहतर माहौल

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा है कि आज हालात बदल चुके हैं और पढ़ाई के लिए पहले से बेहतर माहौल बना हुआ है. ऐसे में अधिक से अधिक लोग उच्च शिक्षा हासिल करें, यह हमारा प्रयास होना चाहिए. साथ ही, जनजातियों को पढ़ाई के लिए दूसरों को भी प्रेरित करना चाहिए. अपने कार्यों से समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनकर उभरना चाहिए. जिस प्रकार आज जनजातियों की परंपरा और संस्कृति का पूरे विश्व में उदाहरण दिया जाता है, उसी प्रकार शिक्षा और ज्ञान के क्षेत्र में भी उन्हें पिछड़ा न समझा जाए, आदर्श माना जाय. राज्यपाल गुरुवार को विमेंस कॉलेज में रांची यूनिवर्सिटी में विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि कल विश्व आदिवासी दिवस है. मुझे खुशी है कि रांची विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त राष्ट्र संघ के थीम प्रोटेक्टिंग द राइट्स ऑफ इंडीजिनस पिपुल इन वोलेंटरी आइसोलेशन एंड इनिसियल कांटेक्ट पर जोहार संगी 24 का आयोजन किया गया है.

आरयू के कार्यक्रम में ढोलक बजाते राज्यपाल.

सार्वजनिक स्तर पर यह मेरा पहला कार्यक्रम : राज्यपाल ने कहा कि राज्य में सार्वजनिक स्तर पर यह मेरा पहला कार्यक्रम है. इस कार्यक्रम में आप सभी के बीच सम्मिलित होकर अभिभूत हूं. झारखंड वीरों की भूमि है, जहां धरतीआबा बिरसा मुंडा, बीर बुधु भगत, सिदो-कान्हु, चांद-भैरव, फूलो-झान्हो, जतरा उरांव जैसे महान सपूतों ने अपनी मातृभूमि के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया. इन महान सपूतों का जन्म जनजाति समुदाय में हुआ था और उन सभी ने अपने उल्लेखनीय कार्यों से दिखाया कि वीरता और यश के लिए किसी विशिष्ट जाति और कुल की जरूरत नहीं है, बल्कि श्रेष्ठ कर्म की आवश्यकता होती है. इस अवसर पर मैं इन महान सपूतों के प्रति अपनी श्रद्धा-सुमन अर्पित करता हूं, जिन्होंने हमारी मातृभूमि के लिए संघर्ष किया और अपने प्राणों की भी परवाह नहीं की.

देश की जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा जनजातियों का : हमारे देश की जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा जनजातियों का है और अति प्राचीन काल से ही जनजातीय समुदाय भारतीय सभ्यता और संस्कृति के महत्वपूर्ण अंग रहे हैं. उनकी कला, संस्कृति, लोक साहित्य, परंपरा और रीति-रिवाज की ख्याति विश्व स्तर पर है. जनजातीय गीत और नृत्य अत्यंत मनमोहक होते हैं, जो सभी को अपनी ओर आकर्षित करते हैं. मुझे गर्व है कि हमारे जनजाति भाई-बहन प्रकृति प्रेमी होते हैं, जिसकी झलक उनके पर्व-त्योहारों में दिखती है.

जनजातियों की संख्या लगभग 27 प्रतिशत : झारखंड राज्य की 3.28 करोड़ से अधिक की आबादी में, जनजातियों की संख्या लगभग 27 प्रतिशत है। राज्य में 32 प्रकार की अनुसूचित जनजातियां हैं, जिनमें 8 प्रकार के पीवीटीजी भी शामिल हैं. अधिकांश जनजाति लोग गांवों में निवास करते हैं और उनके पास विभिन्न क्षेत्रों में भिन्न-भिन्न प्रकार की विधा होती है. वे कई प्रकार की व्याधियों के उपचार की औषधीय दवा के संदर्भ में जानते हैं.

कई कल्याणकारी योजनाएं की जा रही हैं संचालित : अनुसूचित जनजातियों के विकास के लिए सरकार द्वारा कई कल्याणकारी योजनाएं संचालित हैं. हमारे जनजाति भाई-बहनों को इन योजनाओं के प्रति पूरी तरह से जागरूक होने की आवश्यकता है, ताकि वे इन योजनाओं से पूर्णतः लाभान्वित हो सकें. उन्हें अपनी संस्कृति और भाषा का भी सम्मान करना चाहिए और इसे संरक्षित रखना चाहिए. मुझे यह कहते हुए गौरव हो रहा है जनजाति समाज में दहेज-प्रथा नहीं है, जो एक अनुकरणीय उदाहरण है. जनजातियों को शिक्षा के प्रति और अधिक जागरूक होने की जरूरत है.

राज्यपाल अब झारखंड के होंगे मतदाता

रांची। झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने गुरुवार को राजभवन में राज्यपाल संतोष गंगवार से शिष्टाचार मुलाकात की. इस दौरान रांची विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी उत्कर्ष कुमार भी मौजूद रहे. उत्कर्ष कुमार ने राज्यपाल से फॉर्म 8 भरवाया, ताकि उनका नाम झारखंड की मतदाता सूची में स्थानांतरित हो सके. मतदाता सूची में नाम स्थानांतरण की औपचारिक प्रक्रिया पूरी कर ली गयी है. जल्द राज्यपाल संतोष गंगवार का नाम रांची विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में दर्ज हो जायेगा और वे झारखंड के मतदाता बन जायेंगे.

विनेश को मदद का ढिंढोरा शर्मनाक : डॉ. अजय कुमार

रांची/जमशेदपुर। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट को मात्र 100 ग्राम ज्यादा वजन होने के कारण महिला कुश्ती 50 किग्रा से अयोग्य घोषित कर दिए जाने पर पूर्व सांसद सह कांग्रेस के वरीय नेता डॉ. अजय कुमार ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है. उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रचार पर 38 करोड़ रुपये खर्च किए जाते हैं, जिसकी कहीं कोई चर्चा नहीं होती है. वहीं देश की बेटी विनेश फोगाट जिसने विश्व स्तर पर देश का मान व गौरव बढ़ाया है. सरकार द्वारा उसे दिये गये आर्थिक सहयोग जो मात्र 70.45 लाख है, के संबंध में संसद के पटल पर खेल मंत्री मनसुख मांडवीय द्वारा जिस प्रकार ढिंढोरा पीटा गया वह ना सिर्फ शर्मनाक है बल्कि दुर्भाग्यपूर्ण भी है. उन्होंने कहा कि पेरिस ओलंपिक में भारतीय पहलवान विनेश फोगाट के ज्यादा वजन के कारण अयोग्य करार दिए जाने से जब पूरा देश में शोक में डूबा है, दुखी है. ऐसे समय पर देश के खेल मंत्री मनसुख मांडवीय द्वारा संसद में विनेश फोगाट को सरकार द्वारा अब तक दी गई आर्थिक मदद का बखान करना मोदी सरकार की घटिया मानसिकता को दर्शाता है.

कोर्ट की खबरें

धीरज व सत्यम के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी

रांची। रांची सिविल कोर्ट ने निवर्तमान पार्षद वेद प्रकाश की हत्या के आरोपियों धीरज मिश्रा और सत्यम पाठक के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर दिया है. विधानसभा थाना द्वारा रांची सिविल कोर्ट ने सीजेएम (चीफ ज्यूडीश्यल मजिस्ट्रेट) की कोर्ट में दोनों अभियुक्तों के खिलाफ वारंट जारी करने का आग्रह किया था, जिसे स्वीकार करते हुए कोर्ट ने वारंट जारी कर दिया है. वारंट जारी होने के बाद पुलिस ने वारंट प्राप्त भी कर लिया है. इसके बाद अब आरोपियों की गिरफ़्तारी के लिए दबिश और तेज होगी. बता दें कि पिछले महीने धुर्वा में वेद प्रकाश को शाम में गोली मार दी गई थी. लंबे इलाज के बाद दिल्ली में वेद प्रकाश की तीन अगस्त को मृत्यु हो गई थी.

विनोद-राजकुमार का सरेंडर जमा किये एक लाख के बॉन्ड

रांची। लैंड स्कैम केस के आरोपी व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के सहयोगी आर्किटेक्ट विनोद सिंह और इसी केस के दूसरे आरोपी राज कुमार पाहन ने रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में सरेंडर कर दिया है. साथ ही कोर्ट में एक लाख के बॉन्ड भी जमा किये हैं, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है. इससे पहले दोनों ने अपनी अग्रिम जमानत की अर्जी वापस ले ली थी. ईडी ने हेमंत सोरेन से जुड़े लैंड स्कैम केस में प्रॉसिक्यूशन कम्प्लेन (पीसी) दायर की है. जिसमें विनोद सिंह और राजकुमार पाहन को भी अभियुक्त बनाया गया है. ईडी की पीसी पर कोर्ट ने संज्ञान भी ले लिया है. जिसके बाद राजकुमार और विनोद पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही थी.

सामान्य स्कूलों के उर्दूकरण पर दायर याचिका पर सुनवाई

रांची। झारखंड के सरकारी स्कूलों के उर्दू करण के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर गुरुवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि उर्दू स्कूलों में रविवार की जगह शुक्रवार को छुट्टी दिए जाने का प्रावधान अविभाजित बिहार के समय से चला आ रहा है. जिसपर अदालत ने सरकार से पूछा कि सामान्य स्कूलों का उर्दूकरण कहा- कहा हुआ है और इनपर क्या कार्रवाई हुई है? सरकार ने कोर्ट को बताया कि सरकार ने जामताड़ा में सामान्य स्कूल जिनका नाम उर्दू स्कूल के रूप में बदल दिया गया था, उन स्कूलों पर कार्रवाई हुई है और वर्तमान में ये स्कूल सामन्य स्कूल के रूप में संचालित हो रहे हैं.

चुनाव आयोग से मिली मान्यता

जयराम की पार्टी का नाम झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा हुआ

विशेष संवाददाता। रांची

टाइगर जयराम महतो की पार्टी को इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया से मान्यता मिल गयी है. इसके बाद गैर राजनीतिक संगठन झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति (जेबीकेएसएस) अब झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेकेएलएम) के नाम से जानी जायेगी. जेकेएलएम पार्टी का रजिस्ट्रेशन नंबर 56/042/4/2024 है. पार्टी निबंधन के बाद जयराम महतो ने एक सूचना जारी की है. उन्होंने कहा कि जो भी इस राजनीतिक दल से विधानसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं, वे अपनी दावेदारी विधानसभा सीट के साथ कर सकते हैं. आवेदन फार्म प्रधान कार्यालय धनबाद से प्राप्त किया जा सकता है.

जयराम की पार्टी का नये क्षेत्रीय दल के रूप में हुआ उदय : मालूम हो कि लोकसभा चुनाव में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराने के बाद संगठन ने राजनीतिक दल के रूप में निबंधन कराने की घोषणा की थी, जिसे चुनाव आयोग से मान्यता मिल गयी. इसी के साथ झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा का झारखंड में एक नये क्षेत्रीय दल के रूप में उदय हो गया है. आगामी विधानसभा चुनाव में देखना दिलचस्प होगा कि जयराम महतो और उनका राजनीतिक दल किस करवट बैठता है. पार्टी अकेले चुनाव मैदान में उतरेगी या फिर किसी गठबंधन में शामिल होंगी.

जयराम महतो.

17 चिकित्सा पदाधिकारियों का तबादला,आदेश जारी

डॉ कमलेश बने राज्य यक्ष्मा पदाधिकारी

रांची। राज्य सरकार ने 17 चिकित्सा पदाधिकारियों का तबादला कर दिया है. इसमें निदेशक, उपनिदेशक और सिविल सर्जन रैंक के पदाधिकारी शामिल हैं. डॉ कमलेश कुमार को राज्य यक्ष्मा पदाधिकारी की जिम्मेवारी सौंपी गई है. स्वास्थ्य विभाग ने इसका आदेश जारी कर दिया.

नाम	कहां गए
डॉ वीरेंद्र प्रसाद सिंह	निदेशक परिवार कल्याण
डॉ शशि प्रकाश शर्मा	निदेशक संचारी रोग एवं शोध
डॉ चंद्रप्रकाश चौधरी	निदेशक स्वास्थ्य
डॉ राघवेंद्र नारायण शर्मा	राज्य आरसीएच पदाधिकारी
डॉ आनंद मोहन सोरेन	सिविल सर्जन, जामताड़ा
डॉ नवल कुमार	सिविल सर्जन गुमला
डॉ रामदेव पासवान	सिविल सर्जन सिमडेगा
डॉ दिनेश कुमार	सिविल सर्जन चतरा
डॉ साहिर पॉल	सिविल सर्जन पूर्वी सिंहभूम
डॉ पंकज कुमार	राज्य अंधापन नियंत्रण पदाधिकारी
डॉ सुशांतो कुमार मांझी	सिविल सर्जन पश्चिमी सिंहभूम
डॉ प्रवीण कुमार संथालिया	सिविल सर्जन साहिबगंज
डॉ वीरेंद्र सिंह	राज्य भीबीडी पदाधिकारी
डॉ अनिल कुमार	राज्य कुष्ठ रोग नियंत्रण पदाधिकारी
डॉ राजमोहन खलखो	उपनिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं
डॉ अभय भूषण प्रसाद	सिविल सर्जन बोकारो
डॉ कमलेश कुमार	राज्य यक्ष्मा पदाधिकारी

आदिवासी समाज अपनी पहचान बचाने को कर रहा जद्दोजहद : बाबूलाल

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि बांग्लादेशी घुसपैठियों के जनसंख्या विस्फोट के कारण संथाल परगना में आदिवासी समाज अपनी पहचान बचाने की जद्दोजहद कर रहा है. उन्होंने ट्वीट कर कहा है कि आदिवासियों के अस्तित्व को मिटाने का षड्यंत्र सिर्फ जमीन की लूट और लव जिहाद तक ही सीमित नहीं है, बांग्लादेशी घुसपैठिये संथाल आदिवासियों को नशे की गिरफ्त में फंसाकर उन्हें बर्बाद करने की साजिश रहे हैं.

बांग्लादेशी घुसपैठिये के कारण आदिवासी युवा नशाखोरी की चपेट में : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि राज्य सरकार के संरक्षण में बांग्लादेशी घुसपैठियों द्वारा पूरे संथाल में चल रहा नशाखोरी का खेल युवाओं को बर्बाद कर रहा है. बांग्लादेशी घुसपैठियों के जनसंख्या विस्फोट के कारण संथाल परगना में आदिवासी समाज अपनी पहचान बचाने की जद्दोजहद कर रहा है. आदिवासियों के अस्तित्व को मिटाने का षड्यंत्र सिर्फ जमीन की लूट और लव जिहाद तक ही सीमित नहीं है, बांग्लादेशी घुसपैठिए संथाल आदिवासियों को नशे की गिरफ्त में फंसाकर उन्हें बर्बाद करने की साजिश रहे हैं.

अहम फैसला

झारखंड सरकार ने जारी किया संकल्प पत्र

सूबे के पुलिसकर्मियों को भी मिलेगा डीजी प्रशंसा चिह्न

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड पुलिस के पदाधिकारी और कर्मियों को भी अब उनके असाधारण कार्य के लिए डीजी प्रशंसा चिह्न मिलेगा. झारखंड सरकार ने यह निर्णय लिया है. इसको लेकर गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने संकल्प पत्र भी जारी कर दिया है. जारी संकल्प पत्र में कहा गया है कि स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस और झारखंड के स्थापना दिवस के अवसर पर झारखंड पुलिस के पदाधिकारी और कर्मियों को पदक से अलंकृत किया जाता है. इस पदकों के लिए संख्या निर्धारित है. इसकी वजह से कई योग्य पुलिस पदाधिकारी और कर्मी इस पदक से वंचित रह जाते हैं. कई बार राज्य सरकार स्तर से अनुशंसा होने के बावजूद भी भारत सरकार के स्तर से पदकों का अनुमोदन प्राप्त नहीं होने के कारण संबंधित कर्मी पदक से वंचित रह जाते हैं.

120 पुलिस पदाधिकारी और कर्मी होंगे सम्मानित : गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 120 पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों को इन प्रशंसा चिन्ह से सम्मानित किया जा सकेगा. इनमें प्रशंसा चिन्ह रजत, प्रशंसा चिह्न गोल्ड और प्रशंसा चिह्न हीरक शामिल है

अपनी वर्दी पर प्रशंसा चिह्न प्रदर्शित कर सकेंगे पुलिसकर्मी और पदाधिकारी

वर्तमान में विभिन्न क्षेत्रों में उच्च कोटि का प्रदर्शन करने वाले पुलिसकर्मी और पदाधिकारियों को डीजी द्वारा प्रशस्ति पत्र और प्रशंसा पत्र दिया जाता है. जिसे हर समय प्रदर्शित नहीं किया जा सकता है. अगर उन्हें प्रशंसा चिह्न मिलता है तो पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों का बेहतर उत्साहवर्धन होगा, क्योंकि इसे वो अपनी वर्दी पर प्रदर्शित कर सकेंगे. साथ ही गौरवान्वित महसूस करेंगे. इसलिए राज्य सरकार ने झारखंड पुलिस के भी पदाधिकारियों और कर्मियों को उनके असाधारण कार्य के लिए डीजी प्रशंसा चिह्न प्रदान किये जाने का निर्णय लिया है.

क्लासिफाइड

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	31.4	26.1
जमशेदपुर	32.0	25.2
डालटनगंज	33.5	25.2

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in रांची, शुक्रवार 09 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 05 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~8~~ ● वर्ष : 2, अंक : 122 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

वक्फ संशोधन बिल संसद में पेश: जेपीसी को भेजा जाएगा

ये होंगे बड़े बदलाव

वक्फ कानून की जगह एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तीकरण, दक्षता और विकास अधिनियम के नाम से जाना जायेगा.

वक्फ को जमीन सर्वे का अधिकार था, यह अधिकार अब जिला के डीसी को होगा.

केंद्रीय वक्फ परिषद व राज्य स्तर के वक्फ बोर्ड में दो गैर मुस्लिम प्रतिनिधि होंगे.

बोहरा और आगाखानी समुदायों के लिए अलग वक्फ बोर्ड की स्थापना होगी.

छह महीने के भीतर वक्फ का पंजीकरण सेंट्रल पोर्टल व डाटाबेस पर करना होगा.

वक्फ ट्रिब्यूनल में तीन के बदले दो सदस्य होंगे. ट्रिब्यूनल का आदेश अंतिम नहीं माना जायेगा. 90 दिन के भीतर हाईकोर्ट में चुनौती दी जा सकती है.

कोई भी संपत्ति वक्फ का है या नहीं, इसके फैसले का अधिकार वक्फ बोर्ड को नहीं रहेगा.

अगर किसी व्यक्ति ने 12 साल से अधिक समय से वक्फ की जमीन पर कब्जा कर रखा है, तो वह मालिक बन सकता है.

एजेंसियां। नयी दिल्ली

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजीजू ने गुरुवार को लोकसभा में वक्फ बोर्डों को नियंत्रित करने वाले कानून में संशोधन से संबंधित विधेयक पेश किया और फिर विपक्ष की मांग पर इसे संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) के पास भेजने का प्रस्ताव दिया. इस पर स्पीकर ओम बिरला ने आश्वासन दिया कि कमेटी का गठन जल्द ही कर दिया जाएगा.

इससे पूर्व रिजीजू ने सदन में वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 को पेश किया और विभिन्न दलों की मांग के अनुसार विधेयक को संसद की संयुक्त समिति के पास भेजने का प्रस्ताव किया. विपक्षी सदस्यों ने विधेयक का पुरजोर विरोध किया और कहा कि यह संविधान, संघवाद और अल्पसंख्यकों पर हमला है. विपक्षी सदस्यों द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए किरेन रिजीजू ने कहा कि विधेयक में किसी धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप नहीं किया जा रहा है तथा संविधान के

वक्फ एक नजर में

8.72 लाख संपत्तियां
3.56 लाख जायदादें
9.4 लाख एकड़ जमीन

किसी भी अनुच्छेद का उल्लंघन नहीं किया गया है. उन्होंने कहा, वक्फ संशोधन पहली बार सदन में पेश नहीं किया गया है. आजादी के बाद सबसे पहले 1954 में यह विधेयक लाया गया. इसके बाद कई संशोधन किए गए. रिजीजू ने कहा कि व्यापक स्तर पर विचार-विमर्श के बाद यह संशोधन विधेयक लाया गया है, जिससे मुस्लिम महिलाओं और बच्चों का कल्याण होगा. उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के समय बनी सच्चर समिति और एक संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का उल्लेख किया और कहा कि इनकी सिफारिशों के आधार पर यह विधेयक लाया गया.

विपक्षी दलों ने वक्फ संशोधन विधेयक को लोकसभा में पेश किए जाने का विरोध करते हुए कहा कि यह संविधान और संघवाद पर हमला है तथा अल्पसंख्यकों के खिलाफ है. इस बिल का कांग्रेस, सपा, एनसपी (एसपी), एआईएमआईएम, द्रमुक, टीएमसी, माकपा, आईयूएमएल और आरएसपी ने विरोध किया. हालांकि सरकार को अपने सहयोगियों जदयू, तेदेपा, शिवसेना व लोजपा का समर्थन मिला है. रिजीजू ने दावा किया कि इस बिल के जरिए किसी भी धार्मिक बॉडी की स्वतंत्रता में कोई भी हस्तक्षेप नहीं किया गया है.न ही कोई संविधान का उल्लंघन हो रहा है. - शेष पेज 11 पर

बिहार में मंदिरों, मठों और ट्रस्ट का पंजीकरण अनिवार्य

पटना। बिहार सरकार ने राज्य के सभी जिलों के डीएम को निर्देश दिया है कि उनके जिलों में मंदिरों, मठों और ट्रस्ट का पंजीकरण कराया जाए और उनकी संपत्तियों का विवरण राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड को दिया जाए, ताकि इसे उसकी वेबसाइट पर अपलोड किया जा सके. बीएसबीआरटी बिहार सरकार के विधि विभाग के अंतर्गत आता है. कानून मंत्री नितिन नवीन ने कहा, सभी डीएम को निर्देश दिया गया है कि वे सभी अपंजीकृत मंदिरों, मठों और ट्रस्ट का पंजीकरण कराएं. मैंने इस संबंध में सभी डीएम को पत्र लिखा है. अभी तक केवल 18 जिलों ने ही बीएसबीआरटी को आंकड़ा दिया है. बिहार हिंदू धार्मिक ट्रस्ट अधिनियम, 1950 के अनुसार, बिहार में सभी सार्वजनिक मंदिरों/मठों, ट्रस्ट और धर्मशालाओं को बीएसबीआरटी के तहत पंजीकृत होना चाहिए. राज्य सरकार पंजीकृत मंदिरों/मठों/ट्रस्ट की संपत्तियों की बिक्री व खरीद के अवैध कामों में लिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी.

पश्चिम बंगाल के पूर्व सीएम बुद्धदेव भट्टाचार्य का निधन

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पूर्व सीएम बुद्धदेव भट्टाचार्य का गुरुवार को निधन हो गया. वह 80 वर्ष के थे. माकपा के राज्य सचिव मो. सलीम ने यह जानकारी दी. भट्टाचार्य के परिवार में उनकी पत्नी मीरा और बेटी सुचेतना हैं. उनके निधन पीएम नरेंद्र मोदी और ममता बनर्जी समेत देश के अन्य नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया है. भट्टाचार्य ने गुरुवार सुबह 8.30 बजे अंतिम सांस ली. भट्टाचार्य का पार्थिव शरीर दिन में शवगृह में रखा जाएगा और शुक्रवार को माकपा के राज्य मुख्यालय ले जाया जाएगा, जहां लोग उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे. माकपा मुख्यालय से उनका शव अस्पताल ले जाया जाएगा क्योंकि भट्टाचार्य ने पहले ही यह ऐलान किया था कि मृत्यु के बाद उनका शरीर चिकित्सा रिसर्च के लिए समर्पित कर दिया जाए. खबर सुनते ही माकपा समर्थक भट्टाचार्य के आवास पर आ गए. जबकि विभिन्न दलों के नेता उनके फ्लैट पर पहुंचे. वरिष्ठ माकपा नेता साल 2000 में बंगाल के सीएम बने थे. भट्टाचार्य साल 2011 के विस चुनाव में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी से हार गये और राज्य में माकपा के नेतृत्व वाले वाम मोर्चे के 34 साल का शासन खत्म हो गया था. ममता बनर्जी ने कहा, पूर्व भट्टाचार्य के आकस्मिक निधन से स्तब्ध और दुखी हूं. एक युग का अंत हो गया है.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	65,200
चांदी (किलो)	84,000

ब्रीफ खबरें

मो. यूनुस ने संभाली बांग्लादेश की सत्ता

ढाका। नोबेल विजेता अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ले ली है. यूनुस को राष्ट्रपति शहाबुद्दीन ने राष्ट्रपति भवन में समारोह में पद की शपथ दिलाई. -पेज 12 भी देखें

जिंदगी अब ज्यादा मुश्किल हो गई है

नयी दिल्ली। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को संसद भवन के रिसेप्शन एरिया में जाकर मछुआरों के डेलिगेशन से मुलाकात की. इसे लेकर राहुल ने कहा, हमारा हक बनता है कि हम किसी से भी मिल सकें, लेकिन वे रोक देते हैं. मछुआरों का श्रीलंका का एक मुद्दा है. मैंने किसानों के बारे में कहा, स्पीकर ने हाउस में कहा था कि रोका नहीं जा रहा है, लेकिन फिर रोक रहे हैं. मेरी जिंदगी अब कुछ ज्यादा मुश्किल हो गई है.

रिजर्व बैंक ने रेपो रेट को बरकरार रखा

मुंबई। रिजर्व बैंक ने उम्मीद के मुताबिक चालू वित्त वर्ष की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में लगातार नौवीं बार नीतिगत दर रेपो में कोई बदलाव नहीं किया और इसे 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा. इसके अलावा आरबीआई ने चेक क्लीयरेंस और यूपीआई पेमेंट आदि पर भी दिशा-निर्देश जारी किए. - पेज 11 भी देखें

जापान में तगड़ा भूकंप सुनामी की चेतावनी

तोक्यो। जापान के दक्षिणी तट पर गुरुवार को रिक्टर पैमाने पर 7.1 की गति से भूकंप के तगड़े झटके महसूस किए गए. इसके बाद देश में सुनामी की चेतावनी जारी की गई है.

ईडी अफसर 20 लाख रिश्वत लेते गिरफ्तार

नयी दिल्ली। सीबीआई ने मुंबई के एक जौहरी से 20 लाख रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में ईडी के एक सहायक निदेशक को गिरफ्तार किया है. अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी.

मुख्यमंत्री ने उलियान में शहीद निर्मल महतो को दी श्रद्धांजलि, कहा

फिर सरकार बनी तो सबको देंगे एक-एक लाख रुपये

सुनील पांडेय। जमशेदपुर

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि उनकी सरकार को गठन के समय से ही अस्थिर करने की कोशिश जारी रखी गई. लेकिन कामयाबी नहीं मिली. अंततः सरकार अपना कार्यकाल पूरा करने जा रही है. इन वर्षों में जितना काम आम जनता हित में किया, उतना काम किसी भी सरकार में नहीं हुआ. मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का जिक्र करते हुए हेमंत ने कहा कि महिलाओं को एक वर्ष में 12 हजार रुपए मिलेंगे. पुनः अगर अगली सरकार बनी, तो यहां के हर नागरिक को एक-एक लाख रुपए मिलेंगें.

सीएम गुरुवार को जमशेदपुर के कदमा उलियान में शहीद निर्मल महतो शहादत दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे. कहा कि यहां की पूर्ववर्ती भाजपा सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के साथ अन्याय किया. पुरानी पेंशन योजना की बजाय नई पेंशन योजना लागू की. जिसका पुरजोर विरोध हुआ. लेकिन उनकी सरकार ने 2019 में पुरानी पेंशन योजना को बरकरार रखने का काम किया. कैबिनेट के एक हालिया फैसले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के लेक्चरर, प्रोफेसर, शिक्षक व कर्मचारी लगातार पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की मांग कर रहे थे. उनकी मांगों को कैबिनेट ने मुहर लगाते हुए पुरानी पेंशन योजना से जोड़ने का निर्णय लिया. इस निर्णय से कई हजार लोगों के चेहरों पर मुस्कान लौटी है. जबकि केंद्र सरकार इनकी मुस्कान छीन चुकी थी. पेंशन योजना को बुढ़ापे की लाठी बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार बुजुर्गों की लाठी छीनने का काम कर रही है. जबकि उनकी सरकार हर नागरिक के चेहरे पर मुस्कान लाने का काम कर रही है.

सितंबर से शुरू होगी 5 हजार सिपाहियों की **बहाली**

रोजगार देने में जुटी है सरकार

मुख्यमंत्री ने मंच से घोषणा की कि झारखंड में रोजगार देने की दिशा में सरकार तेजी से कार्य कर रही है. कई विभागों में रिक्त पदों को भरा गया है. वहीं सिपाही बहाली के लिए आवेदन मांगे गए थे. अब तक 15 लाख आवेदन आए हैं. जिनमें 5 हजार सिपाही की बहाली होगी. बहाली प्रक्रिया सितंबर से शुरू होगी. वहीं उच्च शिक्षा के लिए सरकार गुरुजी क्रेडिट कार्ड के माध्यम से युवाओं को 15 लाख रुपए दे रही है. इसके लिए किसी गारंटर की जरूरत नहीं है. सरकार गारंटर बन रही है. चार प्रतिशत की ब्याज पर पैसे मिल रहे हैं. पढ़ाई पूरी होने तक पैसे वापस करने की भी चिंता नहीं करनी है. शहादत दिवस समारोह को पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन, स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, विधायक रामदास सोरेन, मंगल कालिंदी, सविता महतो, संजीव सरदार आदि ने भी संबोधित किया. इससे पहले मुख्यमंत्री ने उलियान स्थित शहीद निर्मल महतो की समाधि पर पुष्प अर्पित कर तथा उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की.

विस चुनाव कराने की दी चुनौती

अपने संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री लगातार केंद्र सरकार और भाजपा पर बरसते रहे. कहा कि केंद्र की सरकार व भाजपा उनकी सरकार को लगातार परेशान करती रही. कई राज्यों में सरकार गिरायी और बनायी. लेकिन उनका मंसूबा झारखंड में सफल नहीं हो पाया. अंततः झूठे मामले में हमें जेल भेजने का काम किया. लेकिन अदालत से न्याय मिला. उन्होंने कहा कि वे भाजपा के हर कुचक्र का जबाव देने के लिए तैयार हैं. हालिया संपन्न लोकसभा चुनाव की चर्चा करते हुए कहा कि अकेले बहुमत का दंभ भरने वाली भाजपा को आज बैशाखी के सहारे सरकार चलानी पड़ रही है. उस पार्टी की षड़यंत्रकारी नीति का जनता ने जवाब दिया. कहा कि वे चुनौती देते हैं कि अगर आज झारखंड में चुनाव हो जाए, तो यहां से भाजपा का सफाया तय है.

जेवलिन थ्रो पाकिस्तान के नदीम ने जीता गोल्ड मेडल

नीरज ने देश को दिलाया सिल्वर

एजेंसी। पेरिस

जेवलिन थ्रो के कड़े मुकाबले में भारत के नीरज चोपड़ा को गुरुवार की आधी रात को सिल्वर मेडल से ही संतोष करना पड़ा. टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता भारतीय एथलीट ने 89.45 मीटर के थ्रो के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि पाकिस्तान के अरशद नदीम (92.97 मीटर थ्रो) ने ओलंपिक रिकॉर्ड को ध्वस्त करते हुए गोल्ड मेडल हासिल किया. वहीं ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स ने 88.54 मीटर थ्रो के साथ ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किया. नीरज चोपड़ा फाइनल में रंग में नजर नहीं आए और उनके छह में चार प्रयास फाउल रहे. फिर भी भारत को नीरज ने सिल्वर के रूप में पांचवां पदक दिलवा दिया.

हॉकी में भारत ने रचा इतिहास

हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली टीम इंडिया ने पेरिस ओलंपिक्स 2024 में ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया है. टीम इंडिया ने स्पेन को 2-1 से हरा दिया. भारत के लिए दोनों ही गोल हरमनप्रीत सिंह ने किए. टीम इंडिया के दिग्गज गोलकीपर पी श्रीजेश के लिए यह मुकाबला बेहद खास रहा. यह उनके करियर का आखिरी मैच था. मैच समाप्त होते ही श्रीजेश मैदान में लेट गए और धरती को चूम लिया. पूरी भारतीय टीम ने मैदान में श्रीजेश को यादगार विदाई दी और उन्हें कंधे पर बिठा कर जीत का जश्न मनाया. भारत को पेरिस में यह चौथा मेडल मिला है. इससे पहले उसे तीन मेडल शूटिंग में मिले हैं. खेल खत्म होने तक टीम इंडिया के पास 2-1 की बढ़त रही.

पीएम मोदी ने टीम से की बात

पीएम मोदी ने कैप्टन हरमनप्रीत सिंह समेत पूरी टीम को बधाई दी. पीएम मोदी ने बातचीत की शुरुआत में हरमनप्रीत से कहा, सरपंच साहब, आपको और पूरी टीम को बहुत बधाई. भारत का नाम रोशन किया है. मैंने टोक्यो में कहा था कि आपने पराजय की शृंखला को तोड़ा है. इसके बाद मोदी ने रिटायरमेंट लेने वाले श्रीजेश से भी बात की और पूछा कि कैसे हो भैया. मोदी ने कहा कि मुझे लगता है कि हॉकी को समझने वाला हर बच्चा इसको याद रखेगा और इसे उदाहरण की तरह माना जाएगा. देश को गर्व हो रहा है आप पर. -पेज 10 भी देखें

हॉकी टीम ने जीता कांस्य

मां, कुश्ती जीत गई, मैं हार गई, माफ करना...

भावुक विनेश फोगाट ने खेल को अलविदा कहा

एजेंसी। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट ने पेरिस ओलंपिक में अयोग्य ठहराये जाने के बाद अपनी मां को संबोधित एक भावुक संदेश में कुश्ती को अलविदा कहने की घोषणा की और कहा कि अब आगे खेलने की ताकत नहीं है. विनेश को बुधवार को महिलाओं के 50 किग्रा वर्ग के फाइनल से पहले 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण अयोग्य ठहराया गया था.

उन्होंने 'एक्स' पर संन्यास की घोषणा की. अपनी मां प्रेमलता को संबोधित करते हुए 29 वर्षीय विनेश ने लिखा, मां, कुश्ती मेरे से जीत गई, मैं हार गई. माफ करना. आपका सपना मेरी हिम्मत सब टूट चुके. इससे ज्यादा ताकत नहीं रही अब. दो बार की विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता ने कहा, अलविदा कुश्ती 2001-2024. मैं आप सभी की हमेशा ऋणी रहूंगी. मुझे माफ कर दीजिए.

घुसपैठ पर हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को लगाई फटकार, कहा

यह देश की सुरक्षा का सवाल है

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

झारखंड हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार द्वारा शपथ पत्र दाखिल नही किए जाने पर कड़ी टिप्पणी की. मौखिक कहा कि देश में घुसपैठ करने वालों के घुस जाने के बाद क्या केंद्र सरकार कार्रवाई करेगी. अभी

बांग्लादेश में उथल-पुथल की स्थिति है, वहां राजनीतिक अस्थिरता है. ऐसे में भारत में बांग्लादेशी घुसपैठियों को रोकने के लिए बॉर्डर में बीएसएफ को कड़ी निगरानी करनी पड़ेगी. कोर्ट ने कहा कि जरूरत पड़ने

▪ टिप्पणी : घुसपैठिए देश में घुस जाएंगे तब आप जागेंगे

पर केंद्रीय गृह सचिव से भी जवाब मांगा जा सकता है और उन्हें कोर्ट में बुलाया जा सकता है, यह देश की सुरक्षा का सवाल है. जो आ रहे हैं उनको रोकिए और जो यहां आकर बसे हैं, उनकी पहचान कर उन्हें वापस भेजने की पहल करें.

एक्टिंग चीफ जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस एके राय की अदालत ने भारत सरकार के इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के डायरेक्टर, बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स के डायरेक्टर जनरल, चीफ इलेक्शन कमीशन ऑफ़ इंडिया और डायरेक्टर जनरल यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया को प्रतिवादी बनाया है, उन्हें नोटिस जारी कर जवाब मांगा है. कोर्ट ने इंटेलिजेंस ब्यूरो से सीलबंद रिपोर्ट मांगी है. सुनवाई के दौरान कोर्ट के आदेश की आलोक में 6 जिलों के उपयुक्त (डीसी) द्वारा जवाब दाखिल नहीं किए जाने पर कोर्ट ने राज्य सरकार पर कड़ी नाराजगी जताई. शेष पेज 11 पर

अंबानी परिवार नंबर 1

बजाज नंबर दो

मुंबई। अंबानी परिवार 25.75 लाख करोड़ के साथ देश का सबसे मूल्यवान पारिवारिक व्यवसाय बना है. गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई. बार्कलेज प्राइवेट क्लाइंट्स हुरुन इंडिया के सबसे मूल्यवान पारिवारिक व्यवसायों की सूची में बजाज परिवार 7.13 लाख करोड़ के साथ दूसरे स्थान पर है. बिरला परिवार 5.39 लाख करोड़ के साथ तीसरे स्थान पर है. सूची में अडाणी परिवार का मूल्य 15.44 लाख करोड़ आंका गया है, लेकिन पहली पीढ़ी का व्यवसायी होने से यह मुख्य सूची में शामिल नहीं है. दूसरी पीढ़ी के परिवारों वाली सूची में अडाणी शीर्ष पर हैं.

पर उपदेश कुशल बहुतेरे

प्रसंगवश

बैजनाथ मिश्र
वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

मशहूर कृषि वैज्ञानिक घाघ ने कहा है- अंबरझार बहे पुरुआई, तब समझो पावस ऋतु आई. सचमुच इस महीने देश भर में ऐसी ऐसी पुरुवाई बही है कि उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम सब जगह से जल प्रलय जैसी खबरें आ रही हैं. चतुर्दिक जीवन-जीवन की पुकार मची है. जीवन का अर्थ जल भी होती है. लेकिन हमारी संसद पिछले हफ्ते जाति का जंगल राग गा रही थी. बजट पर चर्चा जाति के कर्कश आरोप-प्रत्यारोप पर उतर आई. पता नहीं क्या हो गया है हमारे रहनुमाओं को. उनकी चुनाव की खुमारी शायद अभी उतरी ही नहीं है. उन्होंने संसद को चुनावी मंच बना दिया है. कुछ भी हो भाई लोग अपना राजनीतिक मुद्दा घुसेड़ ही देते हैं. एक तरफ के सलाहकारों ने समझा दिया है कि जाति से ही सत्ता मिलेगी. यह जाति सिर्फ हिन्दुओं की होती है. जाति दूसरे मजहबी समाजों में भी होती है, लेकिन उनकी पहचान जाति से नहीं है. इसलिए हिंदू जातियों में जितना टूटेगा अपने लिए फायदेमंद होगा. जाति एक हकीकत है, लेकिन जमात के बगैर केवल जाति फायदेमंद नहीं होती है. सलाहकारों को इससे कोई मतलब नहीं है कि देश, समाज की सेहत के लिए क्या फायदेमंद है और क्या नुकसानदेह. उन्हें तो सिर्फ गड्ढा खोदना है जिसमें सामने वाला डूब जाए. अभी तो एक नया प्रचलन चल पड़ा है. क्रांतिकारी और दूरदर्शी नेता वह हो गया है जो सबकी जाति पूछता है. सैनिकों की, जजों की, अफसरों की, पत्रकारों की, कामगारों की, किसानों की, युवाओं की और कर्मचारियों की. उनकी योग्यता, क्षमता, आचरण की एक मात्र कसौटी जाति बताई जा रही है. अगर वह सवर्ण है तो काबिल औ इंसाफपसंद हो ही नहीं सकता. ऐसी एक भ्रांत धारणा कुछ विशेषाधिकार प्राप्त वंशवादी नेताओं के दिमाग में ठूंस दी गयी है. उनमें से एक महाशय चुनौती भरे लहजे में आए दिन जातीय जनगणना का उद्घोष करते रहते हैं. लेकिन अपने नेतृत्व वाले राज्यों में यह पुनीत कार्य करने का जोखिम नहीं उठाते हैं. कम से कम एक उदाहरण तो पेश कर ही सकते थे. इनके पुरखों ने जातीय गणना को रोक कर रखा. पिछड़ों के आरक्षण की सिफारिशें उन्होंने लागू नहीं की. जब एक राजनीतिक मजबूरीवश लागू भी नहीं हुईं, तो विरोध भी उन्होंने ने ही किया. फिर भी यदि महानुभावों को अब समझ में आ गया है कि पहले जो गलती हो चुकी है, उसे सुधारना देशहित में जरूरी है तो उसका श्रीगणेश स्वयं अपनी पार्टी और स्वयं से जुड़ी संस्थाओं से ही क्यों नहीं करते ? वह बाकायदा एक सूची क्यों नहीं जारी करते कि उनके कितने प्रदेश अध्यक्ष किस जाति के हैं. -शेष पेज 11 पर

आदिवासियों के सभी अधिकारों की सुरक्षा का प्रतीक

अंतरराष्ट्रीय आदिवासी दिवस पर विशेष

प्रभाकर तिर्की
झारखंड आंदोलनकारी और आजसू के संस्थापक सदस्य

अगस्त 9 को हर वर्ष पूरी दुनिया में आदिवासी दिवस का आयोजन किया जाता है. यह आयोजन आदिवासियों की पारंपरिक समाज व्यवस्था पर आधारित सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक अधिकारों की सुरक्षा के प्रतीक के रूप में किया जाता है. आदिवासी दिवस की घोषणा संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा आदिवासी अधिकारों के घोषणा पत्र बनाने के लिए गठित कार्यदल की पहली बैठक 9 अगस्त 1982 के यादगार के रूप की गयी. आदिवासी दिवस का मुख्य आधार है संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा तैयार किया गया आदिवासी अधिकारों का घोषणा पत्र 1993. यह घोषणा पत्र संपूर्ण विश्व के आदिवासी समुदाय की सामाजिक, सांस्कृतिक अस्मिता की सुरक्षा और विशिष्ट व विकसित समाज द्वारा राष्ट्रीय नीतियों के माध्यम से बड़े पैमाने पर आदिवासी जमीन की गैरकानूनी तरीके से लूट, जमीन हथियाने के लिए किये जानेवाले नरसंहारों, उन्हें अपनी सीमाओं के अंदर हाशिये पर ढकेलकर गरीबी व बदहाली का जीवन जाने के लिए मजबूर करने की नीतियों के विरोध में आदिवासी समुदाय को एकजुट करने के लिये प्रेरित करती है. आदिवासियों के साथ भेदभाव व क्रूर तरीके से जुल्म और दमनात्मक कार्रवाइयों से सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय वराष्ट्रीय नियमों द्वारा स्थापित सिद्धांतों के तहत देशज / आदिवासियों को वंचित करने और उन्हें उनके पारंपरिक आर्थिक संसाधनों जल, जंगल, जमीन से बेदखल करने की नीतियों के विरोध में भी आदिवासी समुदायों को एकजुट करने के लिए प्रेरित करती है.

आदिवासी आयोग का गठन सहित कई महत्वपूर्ण प्रावधान पर गौर करना जरूरी :

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा आदिवासी अधिकारों का घोषणा पत्र- 1993 एक दस्तावेज है, जो दुनिया के तमाम आदिवासी समुदाय के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक नीति निर्धारण का मार्ग प्रशस्त करती है. वैसे तो भारत में आजादी के साथ ही संविधान में अनुसूचित जनजातियों के लिए कई महत्वपूर्ण प्रावधान किये गये हैं. परंतु आज के संदर्भ में इन प्रावधानों को अमली जामा पहनाने के लिए किये गये प्रयास संतोषजनक नहीं हैं. भारत के संदर्भ में आदिवासी के लिए अंतरराष्ट्रीय घोषणा पत्र 1993 पर गहन विचार- विमर्श एक महत्वपूर्ण विषय है. विशेष कर भारतीय संविधान के अनुच्छेद 13 (3) क, 29 (च), 243, पंचायतों का उपबंध और अनुसूचित क्षेत्रों में पंचायतों का विस्तार अधिनियम 1996, 244(1) पांचवीं अनुसूची, वनाधिकार अधिनियम 2006, 338 आदिवासियों के लिए आयोग का गठन सहित कई महत्वपूर्ण प्रावधान हैं. -शेष पेज 11 पर

आदिवासियों और मूलवासियों को एकजुट करने वाले अमर शहीद को किया गया याद

निर्मल महतो के शहादत दिवस को क्रांति दिवस के रूप मे मनाएं

संवाददाता। रांची

शहीद निर्मल महतो चौक (पुराना जेल चौक) रांची में टोटेमिक कुड़मी/कुरमी विकास मोर्चा के बैनर तले अमर शहीद निर्मल महतो का 37वां शहादत दिवस मनाया गया. कुड़मी समाज के अगुवा शीतल ओहदार ने कहा झारखंड राज्य आंदोलनकारी निर्मल महतो के बलिदान से अलग हुआ. किंतु हेमंत सरकार द्वारा झामुमो के पूर्व अध्यक्ष रहे निर्मल दादा को शहीद का दर्जा नहीं दिया गया है.जो झारखंडियों के लिए बहुत बड़ा अपमान है.झारखंडी युवाओं को निर्मल दा के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए, उन्होंने अपने हक अधिकार के लिए आदिवासी मूलवासी को एकजुट किया. आज फिर प्रत्येक युवा को निर्मल बनना होगा. और झारखंडी अस्मिता को बचाना होगा, नहीं तो हमारी पहचान की हत्या होती रहेगी. उनकी जीवनी को एनसीईआरटी और जेसीईआरटी के सेलेबस में शामिल किया जाए.

कुड़मी विकास मोर्चा ने अमर शहीद निर्मल महतो को किया नमन.

खास बातें

- वक्ताओं ने कहा- निर्मल महतो को शहीद का दर्जा देना होगा
- एनसीईआरटी के सिलेबस में शामिल किया जाए

उनके जन्म दिवस पर 25 दिसंबर को राजकीय अवकाश घोषित किया जाए.

झामुमो के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय ने कहा निर्मल महतो के विचार और सोच के अनुरूप राज्य के लोगों की जो भावना और अपेक्षा है, उसके अनुरूप हमलोग काम करने का प्रयास कर रहे हैं. उनका संघर्ष राज्य निर्माण के लिए हम सभी को प्रेरणा देता है. सभी जाति वर्ग समुदाय के सर्वांगीण विकास की दिशा मे राज्य सरकार और झारखंड मुक्ति मोर्चा आगे बढ़ रहा है. आज हम सभी लोग वीर शहीदों के संघर्ष से प्रेरणा लेकर आगे चलने का संकल्प लेते हैं. झामुमो रांची जिला अध्यक्ष मुस्ताक आलम ने कहा निर्मल महतो के शहादत दिवस पर हम झामुमो रांची जिला समिति उनको श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन करती है. प्रत्येक वर्ष हम उपस्थित होकर उन्हें नमन करते हैं. उनका संघर्ष हम सभी को निरंतर आगे काम करने की प्रेरणा देता है.

मंईयां योजना की धीमी प्रगति से सीएम नाराज, 10 जिलों के डीसी को टैग करते हुए कहा

आपके जिलों में कार्य संतोषजनक नहीं

- गिरिडीह 61173 के साथ पहले नंबर पर
- सरायकेला 12157 के साथ सबसे निचले पायदान पर
- राज्य में अब तक कुल 692175 आवेदन भरे गए

विशेष संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की प्रगति रिपोर्ट पर गहरी नाराजगी प्रकट की है. उन्होंने अपने एक्स हैंडल से दस डीसी को टैग करके हुए कहा कि इ योजना के आवेदन की संख्या आपके जिले में संतोषजनक नहीं है. जिसे स्वीकार्य नहीं किया जाएगा. उन्होंने डीसी चतरा, गुमला, जामताड़ा, खूंटी, कोडरमा, लोहरदगा, रामगढ़, सरायकेला, सिमडेगा और चाईबासा जिले के डीसी को टैग करते हुए प्रगति रिपोर्ट जारी किया है.

किस जिले में कितने आए आवेदन

जिला	आए आवदेन	खूंटी	10955
बोकारो	48405	कोडरमा	15436
चतरा	21339	लातेहार	30889
देवघर	46153	लोहरदगा	10307
धनबाद	35661	पाकुड	24931
दुमका	28812	पलामू	49166
ईस्ट सिंहभूम	31720	रामगढ़	17961
गढ़वा	51726	रांची	38555
गिरिडीह	61173	साहिबगंज	23665
गोड्डा	35533	सरायकेला-खरसावां	12157
गुमला	15062	सिमडेगा	12277
हजारीबाग	30499	वेस्ट सिंहभूम	21582
जामताड़ा	18011	कुल	692175

राज्य में राशन कार्ड का कोटा हुआ पूरा, फिर भी

नाम जुड़वाने लगातार आ रहे जरूरतमंद लोग

शुभम किशोर। रांची

सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए राशन कार्ड अनिवार्य दस्तावेजों में से एक है. झारखंड में सरकार ने कई योजनाएं शुरू की हैं, जिसका लाभ लेने के लिए लाभुक नया राशन कार्ड बनवाने और कार्ड में परिवार के सदस्यों का नाम जुड़वाने के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगा रहे हैं. जानकारी के अनुसार, राज्य के लगभग सभी जिलों में राशन कार्ड का कोटा भर चुका है.

सभी जिलों में अलग-अलग कोटा दिए गए हैं, जिसके अनुसार कार्ड बनाए जा चुके हैं. कई लाभुकों का कहना है कि उन्होंने तीन साल पहले राशन कार्ड के लिए आवेदन दिया था, लेकिन अब तक कार्ड नहीं बन सका है. रांची जिला आपूर्ति कार्यालय से पता चला कि रांची में राशन कार्ड धारकों की तय संख्या पूरी हो गई है. वहीं अभी हजारों कार्ड बनाने के आवेदन पेंडिंग हैं. जब किसी कार्ड को निरस्त किया जाता है, तब पहले किए गए आवेदन के आधार पर नए राशन कार्ड बनाए जाते हैं. वर्तमान में झारखंड में 2,64,14,061 एनएफएसए (राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम) सदस्य हैं, जिनमें 2,29,73,150 पीएचएच (प्राथमिकता वाले परिवार) कार्ड धारक सदस्य हैं. वहीं 34,40,911 एएवाई (अंत्योदय अन्न योजना) सदस्य हैं.

जिला	पीएचएच	एएवाई	कुल एनएफएसए
बोकारो	1261518	84019	1345537
चतरा	733439	155078	888517
देवघर	1126583	65373	1191956
धनबाद	1756231	114061	1870292
दुमका	939466	180028	1119494
पूर्वी सिंहभूम	1488076	173378	1661454
गढ़वा	1063639	122265	1185904
गिरिडीह	1780262	327776	2108038
गोड्डा	1007477	97991	1105468
गुमला	666190	157234	823424
हजारीबाग	1232642	225678	1458320
जामताड़ा	638183	74999	713182
खूंटी	341132	114706	455838
कोडरमा	464881	69375	534256
लातेहार	618764	63172	681936
लोहरदगा	377193	52209	429402
पाकुड़	725500	53177	778677
पलामू	1658580	167596	1826176
रामगढ़	515393	85801	601194
रांची	1611797	373632	1985429
साहिबगंज	796246	1543388	950634
सरायकेला	757009	125981	882990
सिमडेगा	486007	72932	558939
पश्चिमी सिंहभूम	926942	330062	1257004
कुल	22973150	3440911	26414061

किन योजनाओं में जरूरी है राशन कार्ड: झारखंड में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, आयुष्मान भारत योजना की तर्ज पर झारखंड सरकार ने अबुआ स्वास्थ्य बीमा योजना और अबुआ आवास योजना शुरू की है, जिसका लाभ लेने के लिए लाभुक राशन कार्ड बनवाने के लिए डीएसओ कार्यालय के चक्कर लगा रहे हैं.

अध्यक्ष खरगे से मिले प्रदेश के कांग्रेसी

विधानसभा चुनाव पर की चर्चा

नयी दिल्ली में गुरुवार को खरगे से मुलाकात के दौरान झारखंड के कांग्रेसी.

रांची। झारखंड कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर के साथ प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर एवं सुबोध कांत सहाय ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से गुरुवार को उनके आवास पर मुलाकात की. मीर ने राजनीतिक हालात की जानकारी दी तथा आने वाले विस चुनाव पर में विमर्श कर दिशा-निर्देश लिया. उन्होंने विस चुनाव में सीटों की तैयारी, सांगठनिक पहलुओं के बारे में भी जानकारी खरगे को दी. चुनाव के संदर्भ में कांग्रेस नेताओं प्रबुद्धजनों, प्रखंड एवं पंचायत स्तर के कार्यकर्ताओं की भावनाओं से उन्हें अवगत कराया. इस अवसर पर राजेश ठाकुर ने खरगे को संगठन द्वारा विगत पखवाड़े चलाए गए कार्यक्रमों की जानकारी दी. बताया कि आगामी कार्यक्रम व महागठबंधन सरकार के कार्यों को अभियान के तहत पंचायत स्तर तक पहुंचाएंगे. उन्होंने बताया कि कांग्रेस द्वारा किए गए वादों के अनुरूप किसानों के 200000 कर्ज माफी को कैबिनेट द्वारा पारित कर दिया गया है. जिसका लाभ अविलंब झारखंड के किसानों को मिलेगा. जनता के लिए योजनाएं एवं आर्थिक तथा सामाजिक विकास के मूल पैरामीटर को ध्यान में रखकर घोषणा पत्र तैयार किया जाएगा.

बंगाल की फरक्का-ललमटिया ट्रांसमिशन लाइन को पुनर्स्थापित करेगा जेयूएसएनएल

कौशल आनंद। रांची

बंगाल में स्थित फरक्का-ललमिटया ट्रांसमिशन सिस्टम को झारखंड ऊर्जा संचरण निगम लिमिटेड पुनर्स्थापित करेगा. इस पर निगम कुल 500 करोड़ रूपए का खर्च आएगा. जिसकी राशि किश्तों में दी जाएगी. इसकी सारी तैयारियां निगम ने पूरी कर ली है.

जल्द ही बचे कामों को शुरू किया जाएगा. इसको लेकर निगम ने एक सर्वे कराया जिसमें पाया गया कि इस लाइन के सारे टावर, पार्टस एवं कंडक्टर की चोरी हो गयी है. यह लाइन संचालित होने लायक नहीं बची. इस अधिग्रहीत 220 केवी सिंगल सर्किट लाइन के बचे हुए भाग को पुनर्स्थापित किया जाएगा. बंगाल में स्थित फरक्का-ललमिटया ट्रांसमिशन लाइन को लेकर बंगाल और झारखंड के बीच लंबा विवाद चला. अंततः कोलकाता हाईकोर्ट ने इसके लिए आदेश दिया. जिसके बाद बंगाल, झारखंड और केंद्रीय विद्युत मंत्रालय के सचिव स्तर की त्रिपक्षीय वार्ता में इसे झारखंड को पूरी तरह से सौंप देने और इसका ऑपरेशन-मेटेनेंस करने का निर्णय हुआ. इसके बाद ऊर्जा विकास निगम के निदेशक मंडल की 13 सितंबर 2021 को एक बैठक हुई. जिसमें इसे अधिग्रहीत करने का निर्णय हुआ. इसके बाद 25 अक्टूबर 2021 को फरक्का-ललमटिया को झारखंड ट्रांसमिशन ने अधिग्रहीत कर लिया.

इस लाइन से 55 मेगावाट बिजली मिलती थी, मगर अभी बंद है

फरक्का-ललमटिया ट्रांसमिशन सिस्टम में 220 केवी फरक्का-ललमटिया संचरण लाइन से औसतन 40-55 मेगावाट बिजली झारखंड को मिलती थी. मगर इस ट्रांसमिशन लाइन के क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण 220/132/33 केवी ग्रिड सब-स्टेशन, ललमटिया में फरक्का (एनटीपीसी) से बिजली आपूर्ति पूरी तरह से बंद है. इसके कारण वर्तमान में रूपनाराणपुर-दुमका संचरण लाइन से अतिरिक्त बिजली प्राप्त कर यह कमी पूरी की जा रही है.

संथाल और गिरिडीह का बिजली संकट होगा कम

फरक्का-ललमटिया ट्रांसमिशन सिस्टम ठीक हो जाने के बाद दुमका-रूपनारायणपुर ट्रांसमिशन लाइन पर निर्भरता घटेगी. इससे पूरे संथाल परगना के सभी जिले, क्षेत्रों सहित गिरिडीह जिले में बिजली आपूर्ति नेटवर्क दुरुस्त हो जाएगा और बिजली आपूर्ति में सुधार होगा.

बुद्धदेव भट्टाचार्य के निधन पर माकपा ने किया शोक व्यक्त

मुख्य संवाददाता। रांची

सीपीआई (एम) झारखंड राज्य सचिवमंडल पार्टी के पूर्व पोलिट ब्यूरो सदस्य और पं. बंगाल में वाम मोर्चा सरकार के मुख्यमंत्री रहे बुद्धदेव भट्टाचार्य के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करता है. वे 80 वर्ष के थे, कुछ समय से बीमार चल रहे थे. बुद्धदेब भट्टाचार्य छात्र जीवन में ही वर्ष 1966 में पार्टी में शामिल हो गए थे. राज्य के छात्र-युवा आंदोलन में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका रही. 1968 में पं. बंगाल गणतांत्रिक युवा फेडरेशन के राज्य सचिव चुने गए. वे 1971 में पार्टी की पं. बंगाल राज्य कमिटी के सदस्य और 1982 में पार्टी के राज्य सचिवमंडल सदस्य बनाए गए. इस अवधि में उन्होंने पार्टी द्वारा दी गयी कई महत्वपूर्ण जिम्मेवारियों को संभालने का काम किया. 1985 में पार्टी के 12 वें अखिल भारतीय महाधिवेशन में उन्हें केंद्रीय कमिटी के लिए चुना गया था साल 2000 में वे पोलिट ब्यूरो के सदस्य बनाए गए. जिसके बाद साल 2015 तक इस पद पर रहकर उन्होंने पार्टी की नीतियों को आकार देने का महत्वपूर्ण कार्य किया. ज्योति बसु ने जब पं. बंगाल मुख्यमंत्री का पद त्यागा, तब 2000 में बुद्धदेव भट्टाचार्य को पार्टी ने मुख्यमंत्री बनाया.

मैनहर्ट ने सरयू राय पर सौ करोड़ रुपए की मानहानि का केस किया

रांची। मैनहर्ट कंपनी ने पूर्व मंत्री और जमशेदपुर के विधायक सरयू राय के खिलाफ रांची सिविल कोर्ट में मानहानि का आरोप लगाते हुए याचिका दायर की है. मैनहर्ट ने अपनी याचिका में कहा है कि सरयू राय की वजह से कंपनी विवादित हो रही है, जिस कारण कंपनी को काफी आर्थिक क्षति उठानी पड़ रही है. सरयू राय बिना किसी ठोस आधार के मेसर्स मैनहर्ट सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को विवादित बनाते हुए बार-बार मुद्दा उठाते रहे हैं. इससे कंपनी की छवि खराब हो रही है. कंपनी ने सरयू राय के खिलाफ 100 करोड़ रुपये का मानहानि का दावा करते हुए सिविल कोर्ट रांची में मुकदमा दर्ज कराया है.

सरायकेला डीसी का आदेश बन गया है चर्चा का विषय

रांची। सरायकेला-खरसांवा के डीसी रविशंकर शुक्ला का एक आदेश इन दिनों राजस्व अधिकारियों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है. आदेश की चर्चा इसलिए हो रही है क्योंकि डीसी ऑफिस के राजस्व शाखा से जारी आदेश में कहा गया है कि कोई राजस्व कर्मचारी राजस्व से संबंधित कार्य विभागीय निर्देश और नियमानुसार ही करें. इसके साथ ही डीसी ऑफिस से जारी किए गए आदेश में सख्त निर्देश दिया गया है कि जिले के राजस्व अधिकारी किसी भी परिस्थिति में किसी व्यक्ति के दबाव या मौखिक आदेश पर कार्य न करें. ऐसे में सवाल ये उठता है कि जिले के राजस्व अधिकारीयों को कौन मौखिक आदेश देता था और अचानक ऐसा आदेश क्यों जारी करना पड़ा. इस आदेश की कॉपी जिले के सभी अंचल अधिकारियों, अवर निबंधकों, भूमि सुधार उपसमाहर्ता और जिला भू अर्जन पदाधिकारी को दे दी गई है.

कांग्रेस को अब किसानों की याद कैसे आई: बाउरी

रांची। नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने गुरुवार को कांग्रेस पर तंज कसा. ट्वीट कर कहा कि लूट और झूठ का पर्याय कांग्रेस पार्टी का किसान विरोधी 'चाल, चरित्र और चेहरा' प्रतिबिंबित करता एक और पाप जरूर देखिए. लिखा कि 19 नवंबर 2019 को झारखंड में कांग्रेस ने अपना चुनावी घोषणा पत्र जारी किया था. इस घोषणा पत्र का पहला वादा था- सरकार गठन के तत्काल बाद हम एक विस्तारित ऋण माफी योजना की घोषणा करेंगे, जिसके तहत दो लाख रुपये तक के सभी ऋण माफ कर दिए जाएंगे. 7 अगस्त 2024 को जेएमएम-कांग्रेस की सरकार ने किसानों के दो लाख रुपये कर्ज माफी का प्रस्ताव पारित किया है. आपके एक-एक झूठे वादे और फरेब का हिसाब राज्य के किसान करेंगे. 57 महीने बाद किसानों की याद अचानक कैसे आ गई.

सहा. पुलिसकर्मियों को मैदान खाली करने का आदेश जारी

संवाददता। रांची

खास बातें

- स्वतंत्रता दिवस को लेकर मैदान की घेराबंदी करनी है
- 36 दिनों से आंदोलन कर रहे हैं सहायक पुलिस कर्मी

36 दिनों से आंदोलन कर रहे सहायक पुलिसकर्मियों को जिला प्रशासन ने मोरहाबादी मैदान 24 घंटे में खाली करने का आदेश दिया गया है. स्वतंत्रता दिवस की तैयारी को लेकर मैदान खाली करने आदेश दिया गया है. साथ ही जिला प्रशासन ने मोरहाबादी मैदान में धारा 144 भी लागू कर दिया है. गौरतलब है कि झारखंड के सहायक पुलिसकर्मी अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं. बीते दो जुलाई से सहायक पुलिसकर्मी मोरहाबादी मैदान में डटे हैं.

स्वतंत्रता दिवस को लेकर प्रशासन को मोरहाबादी मैदान की साफ सफाई और घेराबंदी करनी है, इसलिए सहायक पुलिसकर्मियों को मैदान खाली करने का आदेश दिया गया है. दूसरी तरफ सहायक पुलिसकर्मियों द्वारा बैठक कर निर्णय लिया जायेगा कि आगे क्या करना है. आंदोलन समाप्त करना है या फिर आंदोलन स्थल को बदलना है. सहायक पुलिसकर्मियों के अनुसार, उन्हें उम्मीद थी कि कैबिनेट में सरकार द्वारा जो आश्वासन दिया गया था, उसे लिखित में लाया जाएगा, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ.

आजसू ने शहीद निर्मल महतो को किया याद

रांची। झारखंड आंदोलन के अगुआ रहे निर्मल महतो के शहादत दिवस पर आजसू के अध्यक्ष सुदेश महतो ने जेल चौक पर स्थित उनकी प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर नमन किया. मीडिया से बातचीत में सुदेश महतो ने कहा, उनकी कुर्बानी आज झारखंड का यथार्थ है. उनकी चिंता और संघर्ष के परिणामस्वरूप ये प्रदेश है. लेकिन उनकी शहादत का जो संदेश था, उसे राज्य गठन के बाद भी अभी तक पूरा नहीं किया गया है. दादा के शहादत दिवस के मौके पर मैं संकल्प लेता हूं कि उनकी सोच का झारखंड बनाएंगे, जिसमें सभी लोग समान रूप से रह सकें, सभी को समान अवसर मिले और यहां के मूल वासियों को अधिकार मिले. सुदेश महतो ने आगे कहा कि शहीद निर्मल महतो के कातिल तो पकड़े गए हैं, लेकिन इसका षड्यंत्र किसने रचा?

विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं

कृष्णा पहान

मुखिया टाटी पूर्वी

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र और आसपास के ग्रामीण इलाको में रहने वाले लोगों को हार्दिक बधाई

रंजीत गंझु

जिला परिषद पश्चिम क्षेत्र सह आजसू नेता कांके विधानसभा प्रभारी

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र और आसपास के ग्रामीण इलाको में रहने वाले लोगों को हार्दिक बधाई

आनंद मुंडा

संस्थापक आदिवासी समाज पिपरवार क्षेत्र

विश्व आदिवासी दिवस की तमाम झारखंड वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

सोमनाथ मुंडा

कांके प्रखंड प्रमुख

विश्व आदिवासी दिवस की तमाम झारखंड वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

रमेश उरांव

मुख्य संरक्षक, झारखंड प्रदेश आदिवासी सरना पड़हा समाज मुन्ना पतरा चकला, ओरमांझी

विश्व आदिवासी दिवस की तमाम झारखंड वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

बिनोदित तिग्गा

जिला परिषद सदस्य सह भावी विधायक प्रत्याशी मांडर विधानसभा

रबूल अन्सारी

जिला परिषद प्रतिनिधि

विश्व आदिवासी दिवस की तमाम झारखंड वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

परमेश्वर भगत

जिप सदस्य मांडर प्रखंड पश्चिमी क्षेत्र क्षेत्र

विश्व आदिवासी दिवस की तमाम झारखंड वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

बबलू मुंडा

अध्यक्ष केन्द्रीय सरना समिति

जांच-पड़ताल मुख्यमंत्री मंईया सम्मान योजना को ले प्रशासन रेस

लगाए गए शिविरों का डीसी ने किया निरीक्षण

संवाददाता। रांची

झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना को लेकर रांची जिला के विभिन्न पंचायत, वार्ड एवं आंगनबाड़ी में सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक शिविर का आयोजन किया जा रहा है. गुरुवार को रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा ने नामकुम प्रखंड के खिजरी पंचायत भवन, प्रज्ञा केंद्र नामकुम, ललखटंगा, रांची शहरी क्षेत्र के वार्ड संख्या 49, 45, दर्जी मोहल्ला, सेठ सीता राम विद्यालय डोरंडा, बिहार क्लब में आयोजित शिविरों का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने योजना अंतर्गत आवेदन प्राप्त करने और पोर्टल में अपलोड करने की प्रक्रिया का बारीकी से जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. निरीक्षण के दौरान सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा रवि शंकर मिश्रा भी मौजूद थे.

जिला उपायुक्त राहुल सिन्हा लगाए गए शिविर का निरीक्षण करते हुए.

पोर्टल में एंट्री के समय सतर्कता बरतें वीएलई : डीसी ने वीएलई के पास जाकर आवेदन पोर्टल में अपलोड करने की प्रक्रिया की जानकारी ली. उन्होंने बताया कि आज से योजना अंतर्गत आवेदन की प्रक्रिया को और आसान कर दिया गया है, अब ऑफलाइन आवेदन प्राप्त किये जा रहे हैं. योजना के लाभ के लिए अब सिर्फ 4 दस्तावेज की आवश्यकता है. एक पासपोर्ट साईज फोटो, आधार, बैंक पासबुक और राशन कार्ड की छायाप्रति की जरूरत है. राशन कार्ड में नाम नहीं होने पर आवेदिका के पिता, पति का राशन कार्ड मान्य होगा. उन्होंने बताया कि अब वोटर आईडी की जरूरत नहीं है.

बिचौलियों से सावधान रहें

शिविर के निरीक्षण के दौरान डीसी ने उपस्थित लोगों से भी बात की. आवेदकों को उन्होंने बताया कि योजना के तहत आवेदन से लेकर हर प्रक्रिया बिल्कुल निःशुल्क है, बिचौलियों से सावधान रहें, किसी भी स्तर से अवैध राशि की मांग पर 8989970456, 9304808050, 8340698871, 7970704662 नंबरों पर संपर्क करें.

डीसी ने प्राप्त आवेदनों की यथाशीघ्र एंट्री करने का निर्देश दिया गया. साथ ही उन्होंने कहा कि पोर्टल में एंट्री के समय सभी वीएलई सतर्कता बरतें. डीसी ने शिविर में ज्यादा से ज्यादा आवेदन प्राप्त करने के लिए कर्मचारी रखने का निर्देश दिया.

तापमान
30.0° अधिकतम | 24.2° न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, शुक्रवार 09 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 05 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 122 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबरें

पूर्व विधायक पौलुस सुरीन की बेल खारिज

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने पूर्व विधायक पौलुस सुरीन को जमानत देने से इंकार कर दिया है. उनकी जमानत याचिका पर गुरुवार को सुनवाई के बाद अदालत ने याचिका खारिज कर दी है. पौलुस सुरीन को रांची सिविल कोर्ट ने इसी वर्ष नौ अप्रैल को ठेकेदार भूषण सिंह और राम गोविंद सिंह की हत्या के जुर्म में दोषी करार दिया था. इसके बाद से ही वह न्यायिक हिरासत में हैं. सिविल कोर्ट के आदेश को पूर्व विधायक ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी. जमानत याचिका खारिज होने से पौलुस सुरीन को बड़ा झटका लगा है.

ट्रेन की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत

रांची। अरगोड़ा थाना क्षेत्र स्थित रेलवे ट्रैक के पास ट्रेन की चपेट में आकर एक व्यक्ति की मौत हो गयी. घटना गुरुवार की सुबह घटी है. बताया गया है कि रांची-लोहरदगा ट्रेन की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत हुई है. घटना की सूचना मिलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. खबर लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो पायी थी. घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि व्यक्ति रेलवे ट्रैक के पास खड़ा था. इसी दौरान ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गयी. घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गयी थी.

27% ओबीसी कोटा देने का दबाव बनाए केंद्र: दुबे

रांची। भाजपा के सांसद निशिकांत दुबे ने गुरुवार को केंद्र सरकार से अनुरोध किया कि झारखंड में सत्तारूढ़ कांग्रेस और झामुमो पर राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए दबाव बनाया जाए. लोकसभा में शून्यकाल में इस मुद्दे को उठाते हुए झारखंड के गोड्डा से सांसद दुबे ने दावा किया कि देश के विभिन्न राज्यों में ओबीसी को 27% आरक्षण दिया जा रहा है, जबकि झारखंड में इस वर्ग को केवल 14% आरक्षण दिया जा रहा है. उन्होंने कहा कि विपक्षी दल जातिगत जनगणना की मांग कर रहे हैं, लेकिन पिछड़ों के साथ वर्षों से अन्याय होता रहा है. झारखंड में कुछ जातियों को अनुसूचित जाति से ओबीसी की सूची में डाल दिया गया है, जिससे इन जातियों को नुकसान हो रहा है.

झारखंड आदिवासी महोत्सव 2024 के लिए बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान तैयार

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार होंगे मुख्य अतिथि

रांची। शुक्रवार-शनिवार (9 और 10 अगस्त) को विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान में आयोजित कार्यक्रम की तैयारियां अंतिम चरण में हैं. झारखंड आदिवासी महोत्सव 2024 का उद्घाटन मुख्य अतिथि झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार करेंगे. राज्य समन्वय समिति सह राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन विशिष्ट अतिथि होंगे. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे. इस अवसर पर झारखंड के मंत्री, सांसद, विधायक और अन्य गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी.

विश्व आदिवासी दिवस की पूर्व संध्या पर राजधानी रांची में रंग-बिरंगी रोशनी में नहाया बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान व आसपास का क्षेत्र. फोटो : रमीज

तैयार मंच.

आकर्षक मंच बन कर तैयार

समारोह स्थल पर आकर्षक मंच बन कर तैयार हो गया है. मंच के पीछे झारखंड में आदिवासी जीवन के ग्रामीण दर्शन को दर्शाया गया है. झारखंड और अन्य राज्यों से आये चित्रकार, चित्रकला के माध्यम से झारखंड की आदिवासी संस्कृति और सभ्यता को कैनवास पर उकेर रहे हैं. झारखंड आदिवासी महोत्सव 2024 में मिज़ोरम, ओडिशा, उत्तरप्रदेश, असम, महाराष्ट्र, त्रिपुरा, छत्तीसगढ़ आदि अन्य राज्यों से कलाकार अपनी मनमोहक प्रस्तुति देने पहुंच रहे रहे हैं. उद्घाटन सत्र का आग़ाज़ सांस्कृतिक कार्यक्रम से होगा. साथ ही महोत्सव में कला-शिल्प प्रदर्शनी, रीझ-रंग शोभा यात्रा, आदिवासी व्यंजन प्रतियोगिता, आदिवासी पुस्तक मेला, आदिवासी कवि सम्मेलन, वृत्तचित्र स्क्रीनिंग, झारखंड की चित्रकला शैलियां, परिधान फैशन शो, लेज़र शो सहित अन्य आदिवासी खेल गतिविधियां होंगी.

जेबीवीएनएल पर बढ़ता जा रहा कर्ज, नहीं मिल पा रहा मर्ज का इलाज

जेबीवीएनएल पर टीवीएनएल का 5900 करोड़ रुपये बकाया

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) और तेनुघाट विद्युत निगम लिमिटेड (टीवीएनएल) के बीच का रिश्ता भी अजीब है. राज्य गठन के बाद से दोनों के बीच बकाए को लेकर जो खिंचतान चल रही है, उसका अब तक कोई स्थायी हल नहीं निकल पाया है. अब जेबीवीएनएल पर टीवीएनएल का बकाया बढ़ कर लगभग 5900 करोड़ रुपया हो गया है.

टीवीएनएल की दो यूनिट 210-210 मेगावाट की है और 3.54 रुपये प्रति यूनिट की दर से हर महीने 80 करोड़ रुपये की बिजली जेबीवीएनएल को देता है. बकाया राशि के भुगतान को लेकर टीवीएनएल ने बिजली वितरण निगम को रिमांडर भी भेजा है. वहीं टीवीएनएल का खर्च भी साल दर साल बढ़ता ही जा रहा है. ऑपरेशनल और मेनटेनेंस खर्च बढ़ कर 300 करोड़ रुपये के पार हो गया है.

टीवीएनएल के विस्तारीकरण पर भी हो रहा काम : टीवीएनएल के विस्तारीकरण पर भी काम किया जा रहा है. पिछले साल हुई केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय की बैठक में सभी राज्यों के ऊर्जा विभाग और वितरण निगम के अधिकारी उपस्थित हुए थे. इस दौरान भी मंत्रालय की ओर से राज्य में टीवीएनएल विस्तारीकरण को लेकर निर्देश जारी किया गया था. केंद्र सरकार ने जल्द से जल्द टीवीएनएल विस्तारीकरण के लिए योजना बनाने और कोयला आवंटन पर नीति बनाने का निर्देश राज्य सरकार को दिया था. टीवीएनएल का विस्तारीकरण 4300 करोड़ की लागत से किया जाना है. फिलहाल इसकी दो यूनिट से 420 मेगावाट बिजली का उत्पादन किया जाता है.

- टीवीएनल हर महीने जेबीवीएनएल को देता है 80 करोड़ रुपये की बिजली
- टीवीएनएल का ऑपरेशनल व मेनटेनेंस खर्च 300 करोड़ रुपये के पार

साल दर साल बढ़ता गया खर्च

साल	खर्च (करोड़ में)
2022	464.99
2023	519.23
2024	570.58
2025	598.38 (प्रस्तावित)
2026	632.08 (प्रस्तावित)

ऑपरेशन और मेंटेनेंस का खर्च

साल	खर्च (करोड़ में)
2022	269.82
2023	288.45
2024	307.54
2025	326.60 (प्रस्तावित)
2026	347.29 (प्रस्तावित)

वर्किंग कैपिटल के लिए कितनी राशि की जरूरत

साल	राशि (करोड़ में)
2022	322.52
2023	396.98
2024	411.10
2025	421.09
2026	432.93

टीवीएनएल के लेखा निदेशक सौरभ झा पद से हटाए गए

- वित्तीय अनियमितता का आरोप, दो दिनों के अंदर स्पष्टीकरण मांगा गया

रांची। टीवीएनएल के लेखा निदेशक सौरभ झा को पद से हटा दिया गया है. उन पर वित्तीय अनियमितता का गंभीर आरोप है. इस मामले में निगम मुख्यालय ने आदेश जारी कर दिया है. कहा है कि गठित समिति द्वारा प्राप्त जांच प्रतिवेदन के आलोक में सौरभ झा को तत्काल प्रभाव से लेखा-निदेशक (देख-रेख) रांची के पद से कार्यमुक्त करते हुए अगले आदेश तक पदस्थापन की प्रतिक्षा में रखते हुए टीटीपीएस ललपनिया में तत्काल प्रभाव से स्थानांतरित किया जाता है. उन्हें पदस्थापन की प्रतीक्षा अवधि में विद्युत अधीक्षण अभियंता, मानव संसाधन विभाग, टीटीपीएस, ललपनिया में नौ अगस्त तक रिपोर्ट करना है, अन्यथा स्वतः विरमित समझे जाएंगे.

क्या है पूरा मामला : 26 जून 2024 को सौरभ झा ने निगम के 100 करोड़ के एफडी के लिए 10 पैनल बैंकों को उच्च ब्याज दर के लिए पत्र भेजा. सभी बैंकों से ऑफर मिलने के बाद अपने जूनियर अफसरों को जबरन मजबूर कर आठ बैंकों का ही ऑफर खोला. बिना सोचे समझे नियम के विरुद्ध अन्य बैंकों से मिल कर कम ब्याज दर पर एफडी के रूप में जमा कर दिया. सक्षम प्राधिकार से बिना अनुमोदन के एचडीएफसी और इंडसइंड बैंक में 50-50 करोड़ रुपये जमा कर दिए. इससे निगम को 50 लाख रुपये ब्याज राशि के नुकसान का आकलन किया गया है. इस अनियमितता के कारण लेखा निदेशक सौरभ झा से दो दिनों के अंदर स्पष्टीकरण मांगा गया है. कहा गया है कि अगर तय समय में स्पष्टीकरण नहीं मिला, तो आगे नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी.

राज्यहित में प्रतिबद्धता के साथ ले रहे निर्णय : हेमंत

सीएम हेमंत को मिठाई खिलाते आरयू के कॉलेजों के सहायक प्राध्यापक.

विशेष संवाददाता। रांची

- आरयू के विभिन्न कॉलेजों के सहायक प्राध्यापकों ने सीएम का आभार जताया
- कहा- पुरानी पेंशन स्कीम को लागू कर राज्य सरकार ने बुढ़ापे की लाठी दी है

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में रांची विश्वविद्यालय, रांची के विभिन्न महाविद्यालयों के सहायक प्राध्यापकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की. उन्होंने कैबिनेट की बैठक में विश्वविद्यालय एवं अंगीभूत महाविद्यालयों के पदाधिकारियों, शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों के लिए पुरानी पेंशन योजना को स्वीकृति दिए जाने के निर्णय पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया.

सहायक प्राध्यापकों ने कहा कि राज्य सरकार ने पुरानी पेंशन योजना लागू कर हमसभी को बुढ़ापे की लाठी दी है. ओपीएस का लाभ मिलने से हमसभी का भविष्य सुरक्षित हुआ है. प्रतिनिधिमंडल ने विधायक कल्पना सोरेन से भी मुलाकात की. मौके पर सीएम के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार भी मौजूद थे.

मिल-जुल कर झारखंड को अग्रणी राज्य बनाना है : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सहायक प्राध्यापकों से कहा कि उनकी सरकार राज्यहित में निर्णय लेने के लिए प्रतिबद्ध है. विगत साढ़े चार वर्ष में राज्यहित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं. सभी वर्ग-समुदाय को उनका हक-अधिकार देने का काम निरंतर किया जा रहा है. हम सभी लोग मिलजुल कर झारखंड को अग्रणी राज्यों की श्रेणी में शामिल कर सकें, इसी लक्ष्य के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है.

सीएम से मिलने वाले सहायक प्राध्यापकों में डॉ उमेश कुमार, डॉ बहालेन होरो, डॉ खातिर हेंब्रम, डॉ रीता कुमारी, डॉ राजीव रजक, डॉ अवध विहारी महतो, डॉ विनीता एक्का, डॉ कंजीव लोचन, डॉ शाहीन परवीन, डॉ सुमंती तिर्की, डॉ शाहीन रजिया, डॉ अंजू पुष्पा बा, डॉ शिवनंदन राम आदि शामिल थे.

एक्शन डीजीपी अनुराग गुप्ता ने सात सदस्यीय एसआईटी का गठन किया

जमीन माफिया पर होगी कड़ी कार्रवाई

- छह आईपीएस और एक एएसपी टीम में शामिल

सौरभ सिंह। रांची

रांची जिला में खासकर शहरी क्षेत्र में जमीन माफिया द्वारा जमीन के कागजातों का फर्जीवाड़ा कर और बलपूर्वक गलत तरीके से जमीन हड़पी जा रही है. ऐसे मामलों की जांच को लेकर डीजीपी अनुराग गुप्ता ने सात सदस्यीय एसआईटी का गठन किया है. टीम में सीआईडी के आईजी सुदर्शन प्रसाद मंडल को अध्यक्ष बनाया गया है. इसके अलावा आईपीएस पटेल मयूर कन्हैयालाल, कार्तिक एस, संध्या रानी मेहता, ऋषभ कुमार झा, अनुरंजन किस्पोट्टा और एएसपी दीपक कुमार को सदस्य बनाया गया है.

महत्वपूर्ण आपराधिक मामले की गहन समीक्षा करेगी एसआईटी : डीजीपी नेजारी आदेश में कहा है कि एसआईटी द्वारा रांची जिला में अब तक दर्ज सभी महत्वपूर्ण आपराधिक मामलों की गहन समीक्षा की जाएगी. इनमें ऐसे कांड भी शामिल रहेंगे, जिनमें अंतिम रिपोर्ट समर्पित की गयी है और वैसे कांड भी शामिल होंगे, जिनमें अनुसंधान लंबित है. कांडों की समीक्षा कई बिंदुओं पर की जाएगी.

एसएसपी, एसपी को हिदायत-एसआईटी को सहयोग करें : डीजीपी द्वारा जारी आदेश में रांची एसएसपी से लेकर सभी एसपी, डीएसपी, थाना प्रभारी, टीओपी प्रभारी और विभिन्न कार्यालय में कार्यरत सभी कर्मियों को हिदायत दी गयी है कि वे पूरे प्रकरण में एसआईटी को पूर्ण सहयोग करेंगे. उनके द्वारा जो भी जानकारियां, दस्तावेज और सूचनाएं मांगीं जाती हैं, उसे जल्द से जल्द उपलब्ध कराएंगे. इस काम में किसी भी पुलिस अधिकारी या कर्मचारी द्वारा द्वारा शिथिलता बरते जाने पर उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

अनुराग गुप्ता, डीजीपी झारखंड.

किस-किस बिंदु पर की जाएगी समीक्षा

- क्या अनुसंधान की दिशा सही है और वास्तव में फर्जीवाड़ा करने वाले व्यक्तियों पर कार्रवाई की जा रही है या नहीं?
- क्या निर्दोष व्यक्तियों को तो कांड में फंसाया नहीं जा रहा है?
- यदि लंबे समय से अनुसंधान लंबित रहा है, तो इसका कारण क्या है?
- क्या वरीय अधिकारियों द्वारा समय-समय पर पर्यवेक्षण किया जा रहा या नहीं?
- वरीय अधिकारियों द्वारा अनुसंधानकर्ता को सही दिशा निर्देश दिये जा रहे हैं या नहीं?

जिले के सभी डीएसपी को सख्त हिदायत

रांची जिले के हर थाना में पिछले कुछ वर्षों में जमीन विवाद से संबंधित आईपीसी धारा 144 (बीएनएनएस 163) के तहत जितने भी मामले दर्ज किये गये हैं, उसकी समीक्षा की जाएगी. हालांकि एसआईटी द्वारा तय किया जाएगा कि किस थाना में किस वर्ष धारा 144 के मामले दर्ज हुए थे और उसकी समीक्षा कब की जाएगी. जारी आदेश में कहा गया है कि ऐसे कांडों की संख्या ज्यादा है, इसलिए रांची जिला के संबंधित थाना प्रभारी का दायित्व होगा कि वह पिछले कुछ वर्षों में जमीन विवाद से संबंधित दर्ज सभी मामलों की पूरी सूची अपने-अपने क्षेत्र के डीएसपी को उपलब्ध करायें. क्षेत्र के डीएसपी उन जमीन विवाद की स्वयं गहन जांच करते हुए रिपोर्ट एसआईटी के अध्यक्ष को समर्पित करेंगे. जिले के सभी डीएसपी को सख्त आदेश दिया गया है कि दो सप्ताह के भीतर जांच का काम पूरा हो जाना चाहिए.

जमीन हड़पने वाले माफिया से संबंधित पूरी सूची एसआईटी थाना प्रभारी से प्राप्त करेगी

- सभी थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र के ऐसे सभी जमीन से संबंधित फर्जीवाड़ा करने वाले व्यक्ति या जमीन पर कब्जा जमाने के लिए बल प्रयोग करने वाले व्यक्तियों की पूरी सूची बनाएंगे और दो सप्ताह के अंदर डीएसपी को उपलब्ध कराएंगे.
- **सीआईडी आईजी भी सीआईडी में दर्ज ऐसे सभी मामले, उपलब्ध जानकारियां और दस्तावेज की सूची एसआईटी को उपलब्ध कराएंगे.**
- यदि कोई थाना प्रभारी जमीन से जुड़े अपराधियों की सूचना एसआईटी को जान बूझ कर नहीं देता है, तो एसआईटी उसकी भी जानकारी देगी. डीएसपी का दायित्व होगा कि वे थाना प्रभारी से प्राप्त रिपोर्ट की गहन समीक्षा करेंगे और उसके संबंध में रिपोर्ट एसआईटी को समर्पित करेंगे.

जय आदिवासी... जोरदार जोहार

अपने अधिकारों को जानें और प्राप्त करने के लिए एकजुट होकर आगे बढ़ने का संकल्प लें

विश्व आदिवासी दिवस अपने अधिकारों को स्मरण करने का अवसर है

प्रभाकर तिर्की
संस्थापक अध्यक्ष
आजसू

रतन तिर्की
आजसू आंदोलनकारी, पूर्व सदस्य
जनजातीय परामर्शदातृ परिषद (टीएसी)

सारंडा के जंगल में नक्सलियों के भ्रमणशील होने की सूचना पर दो दिनों से चलाया जा रहा है सर्च अभियान

सारंडा में नक्सलियों के आईईडी बलास्ट में कोबरा के एसआई घायल

- घायल एसआई को एयर एंबुलेंस से रांची भेजा गया
- राज अस्पताल में चल रहा है इलाज, हालत स्थिर

संवाददाता। रांची/किरीबुरु

मेघाहातुबुरू मैदान में एंबुलेंस के साथ तैनात सीआरपीएफ के जवान.

नक्सलियों के खिलाफ सारंडा जंगल में गुरुवार की अलसुबह नक्सलियों द्वारा एक आईईडी विस्फोट किया गया. इसमें कोबरा 209वीं बटालियन के एसआई जितेंद्र दानी घायल हो गये. चाईबासा एसपी आशुतोष शेखर ने बताया कि भाकपा माओवादी के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा के अपने दस्ता सदस्यों के साथ सारंडा व कोल्हान क्षेत्र में भ्रमणशील होने की सूचना मिली थी.

इसके बाद सात अगस्त से ही छोटानागरा एवं जराईकेला थाना के सीमावर्ती जंगल क्षेत्र में संयुक्त सर्च अभियान शुरू किया गया है. अभियान के दौरान गुरुवार की सुबह 7.30 बजे छोटानागरा थाना क्षेत्र अंतर्गत वनग्राम बलिबा के आस-पास जंगल व पहाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा बलों को लक्षित करने के उद्देश्य से नक्सलियों द्वारा पूर्व में लगाये गये आईईडी को विस्फोट किया गया. इसकी चपेट में आने से कोबरा 209वीं बटालियन के एसआई जितेंद्र दानी जख्मी हो गये. झारखंड पुलिस मुख्यालय एवं सीआरपीएफ झारखंड सेक्टर के सहयोग से घायल एसआई को हेलीकॉप्टर से एयरलिफ्ट कर बेहतर इलाज के लिए रांची भेजा गया है. राज अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है. चिकित्सक के अनुसार, सीआरपीएफ के एसआई के बाएं पैर की एड़ी में चोट है. उनकी हालत स्थिर है.

राज अस्पताल में घायल एसआई का हाल जानते राज्यपाल संतोष गंगवार.

राज्यपाल व डीजीपी ने एसआई का हाल जाना

रांची। झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने आईईडी ब्लास्ट में घायल एसआई जितेंद्र दानी से मिलने राज अस्पताल पहुंचे. उन्होंने घायल पदाधिकारी से मिलकर उनका हाल जाना और डॉक्टर को बेहतर इलाज करने का निर्देश दिया. राज्यपाल ने जवान जीतेंद्र दानी के स्वास्थ की जानकारी ली. वहीं, झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार भी गुरुवार को राज अस्पताल पहुंचे. वहां उन्होंने चिकित्सकों से सीआरपीएफ कोबरा बटालियन के घायल एसआई जितेंद्र दानी के स्वास्थ की जानकारी ली. राज्यपाल ने घायल एसआई के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की.

नक्सलियों के पुराने डंप को सुरक्षाबलों ने किया ध्वस्त

रांची/चाईबासा। सुरक्षाबलों ने गुरुवार को नक्सलियों द्वारा छिपा कर रखे गये हथियार व अन्य सामान की खेप को ध्वस्त कर दिया. सुरक्षाबलों ने टोंटो थाना क्षेत्र के सरजोमबुरू वनग्राम जिम्की इकीर और सेक्रेपी के आसपास के जंगलों में यह कार्रवाई की. इस दौरान दैनिक उपयोग में आने वाली सामग्री और पुराने हथियार को बरामद किया गया. गौरतलब है कि बीते साल 10 अक्टूबर 2023 से सुरक्षाबलों द्वारा गोईलकेरा थाना क्षेत्र कुईड़ा, छोटा कुईडा, मारादिरी, मेरालगड़ा, हाथीबुरू, तिलायबेड़ा बोयपाईससांग, कटम्बा, बायहातु, बोरोय, लेमसाडीह के सीमावर्ती क्षेत्र और टोंटो थाना क्षेत्र हुसिपी, राजाबासा, तुम्बाहाका, रेगड़ा, पाटातोरब, गोबुरू, लुईया के सीमावर्ती क्षेत्र में सर्च अभियान चलाया जा रहा है.

सरजोमबुरू के जंगल में नक्सलियों का पुराना डंप सामान व हथियार.

कोल्हान क्षेत्र में कई बड़े नक्सली सक्रिय

भाकपा माओवादी संगठन का शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, अनल, असीम मंडल, चमन, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन अपने दस्ता सदस्यों के साथ कोल्हान क्षेत्र के जंगलों और सुदूरवर्ती गांवों में भ्रमणशील है. इसे लेकर सुरक्षाबल लगातार अभियान चला रहे हैं.

ब्रीफ खबरें

नर्सिंग कॉलेज में विश्व स्तनपान दिवस मना

रातू। प्रखंड के बिजुलिया ग्राम स्थित जैनेन्द्र ग्रुप ऑफ कॉलेज द्वारा संचालित बुद्धा नर्सिंग कॉलेज में विश्व स्तनपान दिवस मनाया गया. विद्यार्थियों ने पोषक क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाया. नुक्कड़ नाटक का मंचन भी किया गया. छात्राओं ने महिलाओं से मिल कर उन्हें स्तनपान के महत्व की जानकारी भी दी. प्राचार्या ज्योति तिर्की ने कहा कि जन्म के एक घंटे के अंदर बच्चे को मां का दूध मिल जाता है तो वह अमृत के समान होता है. संस्थान में बीएससी नर्सिंग, जीएनएम, पारामेडिकल एवं डी फार्मा कोर्स के छात्र-छात्राओं ने विश्व स्तनपान दिवस साप्ताहिक कार्यक्रम में आयोजित नुक्कड़ नाटक, रंगोली आदि कार्यक्रमों में भाग लिया.

रातू सीएससी के प्रभारी ने किया पदभार ग्रहण

रातू। रातू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के नए चिकित्सा प्रभारी के रूप में डॉक्टर सुजीत कश्यप ने गुरुवार को पदभार ग्रहण किया. चिकित्सा प्रभारी डॉ ए ई होरो ने उन्हें प्रभार सौंपा. डॉक्टर कश्यप इससे पूर्व भी सीएससी में चिकित्सा प्रभारी के रूप में सेवा दे चुके हैं. मौके पर रातू सीएचसी के चिकित्सा एवं कर्मचारी गण उपस्थित थे.

आदिवासी दिवस पर निकलेगी बाइक रैली

रातू। विश्व आदिवासी दिवस पर शुक्रवार को रातू में विशाल मोटरसाइकिल रैली निकाली जायेगी. जुलूस की शुरुआत रातू राजमहल स्थित मेला मैदान से निकाल कर मोटरसाइकिल जुलूस टेंडर बगीचा पहुंचेगी. वहां सभा का आयोजन के उपरांत कमडे बिरसा असहाय आदिवास बाल विकास विद्यालय पहुंचेगी. वहां से सैकड़ों की संख्या में बाइक जुलूस सुभाष मुंडा चौक में पहुंचने के उपरांत दिवंगत सुभाष मुंडा के प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे. झखराटांड़ होते हुए होचर पतरा टोली में सरना धर्म गुरु दिवंगत वीरेंद्र भगत की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर जुलूस का समापन होगा.

बुद्धिजीवी मंच व पेंशनर समाज करेगा भिक्षाटन

इटकी। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर का पदस्थापन करने और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने की मांग को लेकर सरकार और प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराने के उद्देश्य से इटकी बुद्धिजीवी मंच और पेंशनर समाज के संयुक्त तत्वाधान में स्थानीय ग्रामीणों द्वारा शुक्रवार को जमा मस्जिद, रविवार को मुख्य सीएनआई चर्च और सोमवार को मुख्य शिवालय के बाहर भिक्षाटन किया जायेगा और प्राप्त राशि को बतौर रिश्वत जिला प्रशासन सहित स्वास्थ्य विभाग (सिविल सर्जन) को भेजा जाएगा. उक्त जानकारी इटकी बुद्धिजीवी मंच के संस्थापक बिनोद कुमार सिन्हा ने दी.

मलय डैम से हथियार के साथ युवक धराया

सतबरवा/पलामू। मुरमा मलय डैम के पास से पुलिस ने गुरुवार को एक युवक को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है. आरोपी की पहचान दुलसुलमा के कैलाशपुरी निवासी विकास कुमार सिंह (20) के रूप में की गयी है. उसके पास से एक कट्टा और एक कारतूस बरामद हुआ है. थाना प्रभारी अंचित कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक युवक को हथियार व कारतूस के साथ गिरफ्तार किया.

वारदात : अपराधियों ने हथियार लहराते हुए कर्मचारियों को धमकाया

दुमका में इंडियन बैंक से दिनदहाड़े 20 लाख लूटे

- बाइक पर सवार होकर बैंक आए थे पांच अपराधी
- हथियार की नोंक पर कैश काउंटर से रकम लूटी

संवाददाता। दुमका

वारदात के बाद बैंक शाखा में जांच करते जरमुंडी एसडीपीओ और सीसीटीवी में कैद लुटेरे.

झारखंड-बिहार के सीमावर्ती दुमका जिले के हंसडीहा थाना क्षेत्र में इंडियन बैंक की शाखा में हथियारबंद अपराधियों ने दिहदहाड़े लूट की वारदात को अंजाम दिया. जानकारी के मुताबिक, गुरुवार की दोपहर करीब 12 बजे पांच अपराधी बाइक पर सवार होकर बैंक पहुंचे. इनमें से तीन नकाबपोश थे, बैंक में घुसते ही अपराधियों ने हथियार लहराते हुए कर्मचारियों को धमकाया और हुए कैश काउंटर में रखे करीब 20 लाख रुपये लूट कर फरार हो गए.

बैंक से बाहर निकलने के बाद अपराधियों ने मुख्य गेट पर ताला भी मार दिया था. घटना के बाद बैंक कर्मियों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी. घटना की सूचना मिलने के बाद जरमुंडी एसडीपीओ संतोष कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे. उन्होंने बैंक के अधिकारियों एवं कर्मियों से घटना के संबंध में पूछताछ की. उन्होंने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है, जल्द ही सभी लुटेरे गिरफ्तार किये जाएंगे. समाचार लिखे जाने तक लूटी गयी रकम के संबंध में बैंक प्रबंधन की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गयी थी. बैंक के अधिकारी लूट की रकम का आकलन करने में जुटे हुए थे.

लूट के बाद देवघर की ओर फरार हुए लुटेरे

वारदात के बाद पुलिस बैंक और आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी के फुटेज खंगाल रही है. बैंक में लगे कैमरे में नकाबपोश अपराधियों की तस्वीर भी कैद हुई है. बताया जा रहा है कि वारदात को अंजाम देने के बाद पांचों लुटेरे देवघर की ओर फरार हो गए. बैंक के अंदर और बाहर लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस लुटेरों की शिनाख्त में जुट गई है. अपराधियों की धर-पकड़ के लिए छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है.

जिस बैंक में लूट की वारदात हुई है, वह हंसडीहा चौक पर स्थित है. ये काफी व्यस्त इलाका है और यहां से चार रास्ते निकलते हैं. इसमें एक रास्ता बिहार के भागलपुर, तो दूसरा रास्ता गोड्डा होते हुए बिहार के पीरपैंती जाता है. वहीं, तीसरा रास्ता देवघर और चौथा रास्ता दुमका होते हुए पश्चिम बंगाल की ओर जाता है.

13 लाख का इनामी नक्सली सीताराम गिरफ्तार

रांची। झारखंड और बिहार पुलिस के चुनौती बना 13 लाख इनामी नक्सली सीताराम रजवार गिरफ्तार हुआ है. सीताराम पर झारखंड पुलिस ने दस लाख और बिहार पुलिस ने तीन लाख रुपए का इनाम घोषित कर रखा है. सीताराम की गिरफ्तारी पलामू जिले से हुई है. सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक इस नक्सली की गिरफ्तारी में पलामू जिले के हुसैनाबाद एसडीपीओ मुकेश कुमार और दंगवार ओपी प्रभारी संजय यादव की भूमिका अहम रही है.सीताराम रजवार बिहार के औरंगाबाद के एनटीपीसी थाना क्षेत्र के सलैया का रहने वाला है. झारखंड पुलिस जल्द ही प्रेस कांफ्रेंस कर पूरे मामले का खुलासा करेगी.

टॉप माओवादी नितेश यादव, संजय गोदराम और सीताराम रजवार पर झारखंड बिहार में 120 से भी अधिक नक्सल हमले करने का आरोप हैं. तीनों नक्सलियों पर झारखंड में पलामू, लातेहार, चतरा जबकि बिहार के गया औरंगाबाद के इलाके में मुकदमा दर्ज. झारखंड

बिहार के पुलिस और सुरक्षा एजेंसी तीनों की तलाश कर रही है. 2013 में पलामू के बिश्रामपुर थाना क्षेत्र के कौड़िया में प्रतिबंधित नक्सली संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति के 15 सदस्यों को माओवादियों ने मौत के घाट उतार दिया था. 2015-16 में बिहार के गया औरंगाबाद सीमापर नक्सल हमले में कोबरा के 10 जवान शहीद हुए. 2016 में पलामू के कालापहाड़ में हुए नक्सल हमले में पुलिस के सात जवान शहीद हुए थे. इन हमलों में नितेश यादव, संजय गोदराम और सीताराम रजवार नामजद आरोपी है.

रिपेयरिंग की दुकान से मोटरसाइकिल की चोरी

रातू। थाना क्षेत्र के तिगरा बुचीडाड़ी निवासी निरंजन महतो की रिपेयरिंग दुकान के बाहर खड़ी गुडू ग्राम निवासी सूरज उरांव की सफेद रंग की बजाज की पल्सर एनएस 200 मोटरसाइकिल जेएच 20 ई 3406 की अज्ञात अपराधियों ने चोरी कर ली. उसने यह गाड़ी 24 जून 2022 में पिस्का के राजीव प्रताप सिंह से खरीदी थी, लेकिन, नामांतरण नहीं कराया था. भुक्तभोगी की ओर से रातू थाने में अज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है. प्राप्त जानकारी के अनुसार सुरज उरांव मजदूर है. वह बुधवार की सुबह ओरमांझी जाने के लिए बाइक से निकला. गाड़ी का टायर पंचर हो जाने के कारण उसने मिस्त्री से टायर बदलने को कहा तथा 9 सौ रुपये देकर काम करने ओरमांझी चला गया. शाम में निरंजन ने उसे फोन पर बताया कि इतने में टायर नहीं मिलेगा.

ट्रेलर ने बाइक को मारी टक्कर, दो लोगों की मौत

रांची/खूंटी। खूंटी-सिमडेगा मुख्य पथ पर मुरहू थानांतर्गत बिचना स्थित अतिथि ढाबा के पास एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने एक बाइक को सामने से जोरदार टक्कर मार दी. इस दुर्घटना में बाइक पर सवार दो युवकों की मौत हो गई. मृतकों की पहचान बिचना मांझी टोली निवासी राजकुमार मांझी (23) और छोटू मांझी (17) के रूप में हुई है. जानकारी के अनुसार बाइक सवार दोनों युवक अंगराबारी की ओर से अपने गांव बिचना लौट रहे थे. इसी दौरान खूंटी की ओर से तोरपा की ओर जा रहे एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक को सामने से टक्कर मार दी. दुर्घटना के बाद गंभीर रूप से घायल दोनों युवकों को इलाज के लिए सदर अस्पताल खूंटी लाया गया, जहां चिकित्सकों ने राजकुमार मांझी को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल छोटू मांझी को प्राथमिक उपचार के बाद रिम्स रेफर कर दिया गया.

न्यूज अपडेट

परंपरागत ग्राम प्रधानों ने सीएम का जताया आभार

ओरमांझी। प्रदेश प्रधान संघ के अध्यक्ष रमेश उरांव के नेतृत्व में ग्राम प्रधानों ने कुछ दिन पहले खिजरी विधायक राजेश कच्छप को मानदेय बढ़ाने को लेकर ज्ञापन सौंपा था. प्रदेश की हेमंत सोरेन ग्राम प्रधानों एवं अन्य की मानदेय राशि को दो गुना बढ़ा दिया है. उरांव ने कहा कि संघ इसके लिए इंडिया गठबंधन की सरकार का आभार व्यक्त करता है. राज्य सरकार ने मानकी, मुंडा, परगनैत जैसे 16 परंपरागत ग्राम प्रधानों की सम्मान राशि दोगुनी कर दी है. कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई है. मानकी और परगनैत को अभी प्रति माह तीन हजार रुपये की सम्मान राशि मिलती है. इसे बढ़ा कर छह हजार रुपये कर दिया गया है.

नहीं रहे खूंटी के वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र प्रसाद

रांची/खूंटी। खूंटी के वरिष्ठ पत्रकार और खूंटी प्रेस क्लब के संस्थापक अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद का गुरुवार को इलाज के दौरान निधन हो गया. 75 वर्षीय पत्रकार राजेंद्र प्रसाद कई दिनों से बीमार थे. राजेंद्र प्रसाद, गायत्री परिवार के अनन्य शिष्य, केंद्रीय रामनवमी महासमिति के कई बार अध्यक्ष और पिछड़ा वर्ग संघर्ष समिति के संरक्षक थे. पत्रकार के निधन पर सांसद कालीचरण मुंडा, खूंटी के विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा, तोरपा के विधायक कोचे मुंडा, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, विधायक प्रतिनिधि काशीनाथ महतो, झामुमो के जिलाध्यक्ष जुबैर अहमद,, खंटी चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष प्रियांक भगत, कांगेस के जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा, भाजपा नेता संतोष जयसवाल आदि ने शोक जताया.

बच्चों का नेत्र और स्वास्थ्य जांच किया गया

सिल्ली/मुरी। सिल्ली प्रखंड अंतर्गत गुरुवार के दिन राजकीय मध्य विद्यालय पोंगड़ा में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिल्ली के चिकित्सा दल द्वारा 210 बच्चों का स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच का किया गया. इसमें 14 बच्चे नेत्र रोग से ग्रस्त पाए गए. नेत्र रोग से ग्रस्त पाए गए बच्चों को सदर अस्पताल रांची में बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया. चिकित्सा दल में डॉक्टर विवेक, आप्थाल्मालॉजिस्ट संदीप कुमार, एएनएम बीना देवी, रेखा आदि मौजूद रहे.

बालू घाट में ट्रैक्टर पलटने से चालक की मौत

बुढ़मू। थाना क्षेत्र के छापर बालू घाट में मंगलवार की रात छह वाहनों में आग लगा दी थी. वाहन मालिक ने जले हुए वाहन को टोह कर लाने के लिए एक ट्रैक्टर की व्यवस्था की. ट्रैक्टर से वाहन को टोह कर लाया जा रहा था. इसी दौरान उसका संतुलन बिगड़ा और वह पलट गया, जिससे ड्राइवर सूरज मुंडा मौक़े पर ही मौत हो गई. इसकी सूचना बुढ़मू थाने को दी गई. थाना प्रभारी रितेश महतो ने शव को कब्जे में कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है. आगजनी के बाद बिना प्रशासन को सूचना दिए वाहन को हटाने के प्रयास ने एक व्यक्ति की जान ले ली है. इस विषय पर थाना प्रभारी बुढ़मू रितेश महतो से बात की गई तो उन्होंने कहा कि जिन्होंने ऐसा किया है उस पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

आदिवासी विश्व दिवस पर होगी मैराथन दौड़

सोनाहातू/राहे। आदिवासी विश्व दिवस के अवसर पर आदिवासी मूलवासी युवा मंच और गूंज परिवार के तत्वावधान में शुक्रवार को हिन्दुस्तान पेट्रोल पंप से दानाडीह तक छात्र-छात्राओं के बीच रन फॉर सोनाहातू का आयोजन किया जायेगा. यह कार्यक्रम सुबह 9 बजे से शुरुआत होगी. रन फॉर में प्रतिभागी प्रथम, द्वितीय और तृतीय एवं अन्य 15 प्रतिभागी विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया जायेगा. विजेताओं को पुरस्कृत 15 अगस्त को किया जायेगा. यह जानकारी आयोजक सुषेण कुमार प्रमाणिक ने दी है. इधर राहे प्रखंड में युवक और युवतियों के लिए मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया है.

60 बच्चों की जांच, 15 बच्चों को मिला उपकरण

सोनाहातू। प्रखंड स्थित बीआरसी कार्यालय सह मिडिल स्कूल परिसर में गुरुवार को समग्र शिक्षा कार्यक्रम के तहत दिव्यांगता जांच सह सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में प्रखंड के सभी सरकारी विद्यालय के बच्चे शामिल हुए, जिसमें 3 से 18 वर्ष के 60 बच्चों की जांच के बाद 15 दिव्यांगों के बीच उपकरण का वितरण किया, जिसमें ट्राई साईकिल, व्हील चेयर, क्रच एल्बो, रोलेटर, मानसिक संवेदक कीट, सीपी चेयर एवं श्रवण यंत्र शामिल है. शिविर में बीपीओ प्रवीण कुमार, रिसर्च शिक्षक सतेंद्र महथा, भूषण कुमार, लव पाठक, भानुमति सायमा आदि उपस्थित थे.

हिंडालको मुरी फुटबॉल प्रीमियर लीग का उद्घाटन

सिल्ली/मुरी। हिंडालको मूरी फुटबॉल मैदान में गुरुवार को हिंडालको मुरी फुटबॉल प्रीमियर लीग का उद्घाटन कंपनी के बिजनेस हेड सौरभ खेड़ेकर ने किया. इस लीग में कुल 11 टीमें हिस्सा ले रही हैं. इससे पूर्व खेडेकर ने सभी खिलाड़ियों का परिचय लिया. इस मौके पर प्लांट हेड रोहित चौरोसिया, एचआर हेड अरुण राय और सैकड़ों दर्शक भी मौजूद थे. खेड़ेकर ने इस लीग के आयोजन को हिंडालको के कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक अवसर बताया. इस लीग का आयोजन कंपनी की खेलकूद और सामुदायिक गतिविधियों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है. सभी टीमों ने अपनी पूरी ताकत के साथ खेल का उम्दा प्रदर्शन किया.

देवघर के लिए रवाना हुआ शिवभक्तों का जत्था

सिल्ली/मुरी। प्रखंड के विभिन्न गांवों से भक्तजन प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी मुरी रेलवे स्टेशन पर इकट्ठा हुए और रेल मार्ग से देवघर के लिए रवाना हुए. सभी भक्तों ने बताया कि वे सबसे पहले सुल्तानगंज जाएंगे और वहां से गंगा नदी स्नान ध्यान कर जल लेकर डाक बम के रूप में बाबा धाम जाकर बाबा भोले को जलाभिषेक करेंगे. जत्थे में लखीराम मांझी (कुटाम), बबलू साव (मुरी), नवीन कुमार महतो (असुरकोड़ा), सचिन महतो, सुनील नायक, मंटू महतो, विष्णु प्रजापति, दीपक महतो, चरकू महतो, कुंजू महतो, दिनेश महतो, प्रदुम महतो, विमल महतो, आकाश साव, रिंकू साव, रवि साव, केशव महतो (राजगोड़ा), कालीचरण महतो (काशीडीह) शामिल रहे.

डॉ. परमेश्वर भगत ने चलाया जनसंपर्क अभियान

मांडर। मांडर प्रखंड अंतर्गत विभिन्न गांवों में भ्रमण कर पूर्व डीडीसी सह समाजसेवी डॉ. परमेश्वर भगत ने बीते दिन ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर स्थानीय समस्याओं को जानने का प्रयास किया. उन्होंने विभिन्न गांवों का दौरा किया और ग्रामीणों से सीधे संवाद किया ताकि उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं को समझा जा सके. डॉ. भगत ने ग्रामीणों से स्वास्थ्य, शिक्षा, जल आपूर्ति, और सड़क निर्माण के मुद्दों पर बातचीत की. उनकी पहल से ग्रामीणों ने अपनी परेशानियों को खुलकर साझा किया और समाधान की उम्मीद जताई. डॉ. भगत ने समस्याओं का विस्तृत सर्वेक्षण किया.

साइबर क्राइम करवाने वाले दो एजेंट को किया गिरफ्तार

- दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में कराते थे साइबर क्राइम
- सीआईडी की साइबर सेल टीम ने की कार्रवाई

संवाददाता। रांची

दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में साइबर क्राइम करवाने वाले दो एजेंट को सीआईडी ने गिरफ्तार किया है. सीआईडी डीजी अनुराग गुप्ता के निर्देश पर सीआईडी की साइबर सेल ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए गिरिडीह का रहनेवाला वसीम खान और कोडरमा निवासी यमुना कुमार राणा को गिरफ्तार किया है. इनके पास से आपत्तिजनक साक्ष्य के साथ मोबाइल नंबर, लेनदेन से संबंधित पासबुक और चेक बुक, एक लैपटॉप समेत कई अन्य सामान बरामद किया गया है. गुरुवार को सीआईडी ने जानकारी देते हुए बताया की साइबर क्राइम थाना में दर्ज कांड संख्या-189/2024 में दोनों की गिरफ्तारी हुई है. सीआईडी ने बताया कि ये दोनों दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में साईबर क्राइम करवाने के पीड़ितों की तस्करी में शामिल था. दोनों की गिरफ्तारी से उस रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है, जो फर्जी नौकरी के ऑफर देकर पीड़ितों को कंबोडिया स्कैम सेंटर में काम करने के लिए मजबूर करता था.

20 कांवरियों का जत्था देवघर के लिए रवाना

चान्हों। बोल बम और हर हर महादेव के जयकारे के साथ गुरुवार को मनोकामना सिद्ध श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर निर्माण समिति बेतलंगी के बैनर तले 20 कांवरियों का जत्था देवघर के लिए रवाना हो गया. कांवारियों के जत्थे में आरा, बेतलंगी और सरईटोली के श्रद्धालु शामिल हैं, जो सुल्तानगंज से जल लेकर देवघर तक कांवर लेकर पैदल यात्रा करेंगे और बासुकीनाथ में जलार्पण करने के बाद वापस लौटेंगे. इससे पहले देवघर जाने वाले सभी मौके पर बिंदेश्वर यादव, राजेंद्र यादव, शिवम यादव, अंकित यादव, प्रताप यादव, चंद्रदेव यादव, नंदू मुंडा, शिबू मुंडा, रमेश उरांव, रवि नायक, राधा कुमारी, संगीता देवी, शोभा देवी, सीता देवी आदि मौजूद थे.

क्लर्क व मनरेगा कर्मचारी की हड़ताल से कामकाज प्रभावित

संवाददाता। खलारी

क्लर्क और मनरेगा कर्मचारी की हड़ताल के कारण खलारी प्रखंड कार्यालय का कार्य पूरी तरह से प्रभावित हो रहा है. इसके कारण प्रखंड के अंतर्गत आने वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.

खलारी प्रखंड कार्यालय पूरे दिन सुनसान पड़ा रहा. अपने अपने कार्य को लेकर प्रखंड कार्यालय पहुंचे लोगों को निराश होकर लौटना पड़ा.

शहीद निर्मल महतो का शहादत दिवस मनाया

डकरा। आजसू ने प्रखंड के राय चौक स्थित वीर शहीद निर्मल महतो के शहादत दिवस पर आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया. माल्यार्पण करने वालों में प्रखंड अध्यक्ष विकास कुमार, रांची जिला उपाध्यक्ष नागेश्वर महतो, खलारी प्रखंड प्रभारी सह जिला परिषद रामजीत गंझू, बुडमु प्रखंड अध्यक्ष सह प्रमुख सत्यनारायण मुंडा, अर्जुन महतो, इम्तियाज अंसारी, अमृत भोक्ता, रामविलास गोप, प्रभात गिरी, राजकुमार गुप्ता, राजा खान, भूषण यादव, सदन महतो एवं अन्य आजसू कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया. इसके बाद शहीद निर्मल महतो को याद किया गया एवं उनके द्वारा झारखंड आंदोलन में किए गए कार्यों के बारे में सभी को बताया गया.

वक्ताओं ने कहा निर्मल के सपनों को साकार करने का प्रयास कर रहे हेमंत सोरेन

झामुमो ने शहीद निर्मल महतो को दी श्रद्धांजलि

संवाददाता। खलारी

झारखंड मुक्ति मोर्चा खलारी प्रखंड समिति के द्वारा पुरानी राय चौक के पास शहीद निर्मल महतो का 37 वां शहादत दिवस मनाया गया. उनकी प्रतिमा पर झारखंड मुक्ति मोर्चा खलारी प्रखंड के सभी पदाधिकारी ने सामूहिक रूप से माला पहनाकर शहीद निर्मल महतो को श्रद्धांजलि दी. वक्ताओं ने कहा कि उनके सपनों को साकार करने में हमारे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पूरा प्रयास कर रहे हैं. वक्ताओं ने कहा कि झारखंड के शहीदों का सपना साकार करने में हमलोगों को विश्वास है बहुत जल्द ही शहीदों का सपना पूरा होगा. श्रद्धांजलि देने वालों में उपस्थित झामुमो खलारी प्रखंड अध्यक्ष अनिल पासवान, झामुमो के महिला मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष रितम कुमारी, उपाध्यक्ष शिवानी देवी, झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन के एरिया के सचिव रंथु उरांव, झामुमो के प्रखंड उपाध्यक्ष सुभाष प्रजापति, संयुक्त सचिव चितरंजन सिंह, संयुक्त सचिव राजकुमार गंझू आदि मौजूद थे.

निर्मल महतो की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते झामुमो नेता.

आजसू ने दी निर्मल महतो को श्रद्धांजलि

सिल्ली/मुरी। सिल्ली स्थित निर्मल महतो की आदमकद प्रतिमा पर आजसू पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की. मौके आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव जयपाल सिंह ने कहा कि शोषणविहीन समाज का निर्माण और राज्यवासियों को समान अवसर दिलाने के लिए जीवनपर्यंत संघर्ष करने वाले निर्मल महतो के मूल्यों की रक्षा करते हुए उनके सपनों का झारखंड बनाना होगा.

ब्रीफ खबरें

रूटा ने सीएम के प्रति व्यक्त किया आभार

रांची। पुराने पेंशन स्कीम (ओपीएस) को झारखंड सरकार के कैबिनेट से स्वीकृति दिए जाने पर सीएम और उनके पूरे टीम को रांची विश्वविद्यालय शिक्षक संघ(रूटा) ने गुरुवार को आभार जाताया है. रांची विश्वविद्यालय शिक्षक संघ(रूटा) का प्रतिनिधिमंडल संघ के अध्यक्ष डॉ. उमेश कुमार के नेतृत्व में झारखंड सरकार के कैबिनेट द्वारा पुराने पेंशन स्कीम(ओपीएस) की स्वीकृति दिए जाने पर सीएम के आवास पहुंचा. वहां सीएम एवं उनके सारे टीम को आभार प्रकट किया गया. साथ ही शिक्षकों की ओर से सम्मान स्वरूप पुष्पगुच्छ और शॉल देकर सम्मानित किया गया.

सावन महोत्सव में प्रोणोती बनायी गयीं सावन क्वीन

रांची। सांस्कृतिक संस्था 'मधुमंजरी' का सावन महोत्सव होटल सिटी पैलेस में नृत्य-गीत के साथ संपन्न हुआ. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. ब्यूटी बैनर्जी तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रियंका मित्रा थीं. कार्यक्रम की शुरुआत गार्गी सोम की शिव वंदना नृत्य से हुई. मधुमंजरी की कर्णधार रिंकु बैनर्जी ने बताया कि सावन क्वीज में प्रश्नोत्तर का मेम्बरों ने भरपूर आनंद उठाया. लकी ड्रॉ के माध्यम से प्रोणोती चन्द्रा सावन कुईन, गार्गी सोम सावन सुन्दरी, मंजुश्री सावन मनभावन, चैताली सावन कोकिला, सोनाली सावन मंजरी, अनुपमश्री सावन मनमोहिनी तथा रुना सावन सुहानी बनीं.

पेड़-पौधे हैं जीवन का आधार : अजय सहगल

रांची। डीएवी पब्लिक स्कूल हेहल में डीएवी कॉलेज प्रबंधन समिति,नई दिल्ली के सचिव सह विद्यालय के प्रबंधक अजय सहगल का आगमन हुआ. विद्यालय के प्राचार्य सह-सहायक क्षेत्रीय अधिकारी एसके मिश्रा ने उनका स्वागत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पुष्प गुच्छ देकर किया. प्राचार्य मिश्रा ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से सहगल को स्कूल की गतिविधियों व उपलब्धियों के साथ-साथ विकास की भावी कार्यप्रणाली से भीअवगत कराया. सहगल ने प्राचार्य संग विद्यालय परिसर में पौधरोपण भी किया.उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे, पृथ्वी पर ईश्वर का दूसरा रूप हैं,जो हमें जीवन प्रदान करते हैं अर्थात् पेड़-पौधे हमारे जीवन का आधार हैं. इसलिए हर व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगा कर धरा को हरा-भरा बनाना चाहिए. प्राचार्य मिश्रा ने अजय सहगल को स्वामी दयानंद सरस्वती का सच्चा सिपाही बताया.

बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा की जाये : रायपत

रांची। विश्व हिंदू परिषद के झारखण्ड प्रांत के अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत ने बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग की है. उन्होंने गुरुवार को प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि पड़ोसी बांग्लादेश हिंसा और अराजकता से ग्रसित है. निर्वाचित प्रधानमंत्री के त्यागपत्र देने और देश छोड़ने के बाद अराजक तत्व हावी हो गए हैं और कानून व्यवस्था सर्वथा निष्प्रभावी हो चुकी है. इस अराजक स्थिति में वहां के अतिवादी जिहादी तत्वों ने हिंदू समाज का बड़े पैमाने पर उत्पीड़न शुरू कर दिया है. वहां हिंदुओं के घर, ऑफिस, व्यावसायिक प्रतिष्ठान व महिलाएं, बच्चे और आस्था व विश्वास के केंद्र मन्दिर तक सुरक्षित नहीं हैं. वहां पीड़ित अल्पसंख्यक हिन्दुओं की हालत बद से भी बदतर होती जा रही है.

कलीसिया चुनाव : केंद्रीय परिषद के सदस्यों ने किया मतदान, खड़े थे छह उम्मीदवार

जीईएल चर्च के छठे मॉडरेटर बने मार्सेल केरकेट्टा

संवाददाता। रांची

जीईएल चर्च के केंद्रीय परिषद के सदस्यों ने गुरुवार को बिशप मार्सेल केरकेट्टा को अपने छठे मॉडरेटर के रूप में चुन लिया है. इस निमित्त गुरुवार को एचआरडीसी सभागार हॉल परिसर में परिषद की बैठक हुई, जिसमें बिशप पद के उम्मीदवार के रूप में छह बिशप शामिल हुए. उन उम्मीदवारों में बिशप सीमांत तिर्की, बिशप लोलस मिंज, बिशप दीपक केरकेट्टा, बिशप एमएस मंजर शामिल थे.

इस दौरान केंद्रीय परिषद सभा के सदस्यों ने मॉडरेटर का चुनाव वोटिंग से किया गया. जिसमें मार्सेल केरकेट्टा को सर्व समिति से मॉडरेटर पद के लिए चुना गया. मार्सेल 2025 तक के लिए मॉडरेटर पद को संभालेंगे. वहीं डिप्टी मॉडरेटर पद के लिए मुरेल बिलुंग को चुना गया. बिशप मार्सेल केरकेट्टा के मॉडरेटर बनने से डिप्टी मॉडरेटर का पद रिक्त हो गया था. उस रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए मध्य डायसिस के बिशप मुरेल बिलुंग को डिप्टी मॉडरेटर के लिए चुना गया.

नये मॉडरेटर मार्सेल केरकेट्टा एवं डिप्टी मॉडरेटर मुरेल बिलुंग.

बिशप मार्सेल केरकेटट्टा का मॉडरेटर पदस्थापन की आराधना नौ अगस्त को ख्रिस्त गिरजा घर में शाम छह बजे संपन्न होगी. मौके पर बिशप सीमांत तिर्की, बिशप लोलस मिंज, बिशप दीपक केरकेट्टा, बिशप मोहन लाल सिंह मंजर, महासचिव ईश्वर दत्त कंडुलना, वित्त सचिव अटल ईराद खेस, समेत सभी डायसिस के सेंट्रल काउंसिल के सदस्य शामिल थे.

1995 से शुरू हुआ था मॉडरेटर पद

जीईएल चर्च में कलिसिया सेवा के लिए मॉडरेटर पद 1995 से शुरू हुआ था. सबसे पहले ख्रीस्त सोबन रॉयन टोपनो (1995-2001),दूसरे रेव्ह बेलस तकड़ा(2001-2004), तीसरे बिशप हेमंत हांसदा(2005-2006), चौथे बिशप निल्सन लकड़ा(2006-2014), पांचवें बिशप जोहन डांग(2015-2023) और छठे बिशप मार्सेल केरकेट्टा (2024).

मॉडरेटर से पहले प्रमुख कहलाते थे

जीईएल चर्च की कलिसिया सेवा के लिए समय-समय पर पद के नाम में बदलाव किया गया. जो कलिसिया के मुख्य अधिकारी प्रेसिंडेट कहलाते थे. उसके बाद प्रमुख अध्यक्ष कहलाने लगे. कलिसिया के पहले प्रेसिडेंट पादरी हनुकदातो लकड़ा थे. जो 1919 में बने थे. पहला प्रमुख अध्यक्ष 1960 में बने, जो पादरी जुएल लकड़ा थे. कलिसिया में 1995 में बिशप पदवी शुरू हुई. इसके बाद से मॉडरेटर पद का नाम दिया जाने लगा, जो वर्तमान में चल रहा है.

श्रीराम जानकी तपोवन मंदिर के नवनिर्माण को लेकर भूमि पूजन आज

राजधानी में होंगे अयोध्या के प्रसिद्ध राम मंदिर के दर्शन

संवाददाता । रांची

राजधानी के प्रसिद्ध और ऐतिहासिक श्रीराम जानकी तपोवन मंदिर के नवनिर्माण का सपना साकार होने को है. राजधानी में जल्द ही अयोध्या के भव्य राम मंदिर का दर्शन संभव हो जायेंगे. श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय शुक्रवार को दिन के साढ़े नौ बजे प्रस्तावित प्रारूप का अनावरण कर भूमि पूजन करेंगे. इसमें सीएम हेमंत सोरेन बतौर मुख्य अतिथि हिस्सा लेंगे. इसके बाद अतिथियों का सम्मान किया जायेगा. संबोधन होगा. फिर दिन के 11 बजे प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न होगा. मंदिर के महंत ओमप्रकाश शरण ने बताया कि इसको लेकर सारी तैयारी पूरी कर ली गयी है.

उन्होंने हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि वर्षों का सपना पूरा होने जा रहा है. साथ ही साथ जल्द निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जायेगा. श्रीराम जन्मभूमि में बने रामलला के भव्य दरबार की तर्ज पर यह मंदिर भी मनभावन होगा. इसका डिजाइन प्रसिद्ध आर्किटेक्चर सीवी सोनपुरा ने किया है.

उल्लेखनीय है श्रीराम जानकी तपोवन मंदिर में अयोध्या की तर्ज पर ही पूजा-अर्चना की जाती है.देवी-देवताओ का पोशाक और श्रृंगार भी उसी शैली पर की जाती है.

दो सौ करोड़ की लागत से बनेगा मंदिर

तपोवन मंदिर के नवनिर्माण और सौंदर्यीकरण में लगभग 200 करोड़ खर्च कर किए जायेंगे. इसमें श्रद्धालुओं के पैसों का भी उपयोग किया जाएगा.महंत ओमप्रकाश शरण ने बताया कि योजना के तहत पार्किंग एरिया, बच्चों के खेलने का पार्क, आउटडोर जिम, सर्विस ब्लॉक, टेंपल प्लाजा, ग्रीन वॉल और किओस्क की भी सुविधा भी बहाल की जायेगी.

64 फीट ऊंचा मंदिर लुभाएगा

नवनिर्मित तपोवन मंदिर की ऊंचा 64 फीट ऊंचा होगा. इसकी भव्यता दूर से ही दिखाई देगी. अयोध्या के श्रीराम मंदिर में तीन शिखर हैं, लेकिन तपोवन मंदिर में विराजित देवी देवताओं की संख्या ज्यादा होने से यहां मंदिर में इससे ज्यादा शिखर होंगे. अयोध्या के कारीगर इस मंदिर का भी निर्माण करेंगे. महंत ओम प्रकाश शरण ने बताया कि निर्माण में राजस्थान के धौलपुर के पत्थरों का इस्तेमाल किया जायेगा.

खास बातें

- श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव करेंगे भूमि पूजन
- सीएम हेमंत सोरेन इसमें बतौर मुख्य अतिथि लेंगे हिस्सा

प्रवेश के साथ ही श्रीराम के होंगे दर्शन

मंदिर में प्रवेश करते ही दर्शनार्थियो को श्रीराम और माता सीता के दर्शन होंगे. साथ ही बाईं तरफ हनुमान जी की प्रतिमा मन मोहेगी. दाईं ओर श्रीजगन्नाथ दर्शन देंगे. चारोंओर अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाएं बरबस ही आकर्षित करेगी.

तीन साल तक चलेगा निर्माण कार्य

मंदिर निर्माण में लगभग तीन साल लगने का अनुमान है. महंत ओमप्रकाश शरण ने बताया कि वैसे तो एक साल में आधा काम पूरा कराने का प्रयास किया जायेगा, लेकिन पूर्ण निर्माण में तीन वर्ष का समय सीमा तय किया गया है. उन्होंने बताया कि भक्तों और दर्शनार्थियों को किसी तरह की परेशानी न हो इसका खास ख्याल रखा जायेगा.

हरमू मैदान में दही-हांडी प्रतियोगिता 26 को, तैयारी जोरों पर

- विजयी की टीम को दिये जायेंगे नगद इनाम 51, 31 और 21 हजार रखा गया है नगद पुरस्कार

रांची । हरमू मैदान 26 अगस्त को गुलजार रहेगा. यहां श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर आयोजन समिति की ओर से इस बार भी दही-हांडी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है. समिति के पदाधिकारी और सदस्य इसकी तैयारियों में जोर-शोर से लगे हैं. समिति के संयोजक इंद्रजीत यादव ने बताया कि दही-हांडी प्रतियोगिता शाम पांच से शुरू होगा, जो रात नौ बजे तक चलेगा. इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को 51000, द्वितीय को 31000 और तृतीय को 21000 हजार नगद पुरस्कार और शील्ड दिया जायेगा. **पुरुषों के लिए 20 फीट और महिलाओं के लिए 18 फीट होगी हांडी की ऊंचाई** : अध्यक्ष बनारस यादव ने बताया कि पुरुषों के लिए दही से भरी हांडी की ऊंचाई 20 फीट और महिलाओं के लिए 18 फीट होगी. दही-हांडी प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आप 7488956408 और 9572 657488 नंबर पर संपर्क कर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं. 16 अगस्त से रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू होगी, जो 20 अगस्त तक चलेगी. कार्यक्रम के सफल आयोजन में समिति के संरक्षक शंभू नाथ यादव ,अरुण कुमार झा, ललन सिंह, उपाध्यक्ष गोरखनाथ यादव, एसएन सिंह, जितेंद्र यादव, श्रवण यादव, महासचिव प्रमोद राय, सचिव रितेश यादव , प्रशांत यादव, गोविंद वाल्मीकि, रवि गोंड, कोषअध्यक्ष शिवकुमार सिंह मुख्य योगदान दे रहे हैं.

आदिवासी दिवस को लेकर विशेष कार्यक्रमों की तैयारी

संवाददाता रांची

नौ अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस शुक्रवार को धूमधाम से मनाया जाएगा. इसको लेकर आदिवासी संगठनो नें पूरी तैयारी कर ली है. रांची के प्रत्येक आदिवासी संगठन के लोग अपने अपने स्तर पर जुलूस निकालेंगे. सभी आदिवासी संगठनों के जुलूस अलबर्ट एक्का चौक पहुंचेंगे, जहां परमवीर चक्र विजेता को पुष्प अर्पित किया जाएगा. इस अवसर पर केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा अलबर्ट एक्का चौक के सामने पंडाल में दस हजार फलदार पौधों का वितरण करेंगे.

आदिवासी युवा संगठन की ओर से बाइक रैली निकाली जाएगी. सुबह नौ बजे हजारों आदिवासी युवा मोरहाबादी की बापू वाटिका के सामने एकत्र होंगे, जो डॉ रामदयाल मुंडा पार्क होते हुए हरमू रोड आएंगे और कार्तिक उरांव प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे.उसके बाद अरगोडा. चौक के सामने शहीद बुधु भगत की प्रतिमा को श्रद्धांजलि देते हुए बिरसा चौक पहुंचेंगे. वहां भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे. केंद्रीय सरना संघर्ष समिति ने विशेष तैयारी की है. प्रदेश अध्यक्ष शिवा कच्छप ने कहा कि इस बार विश्व आदिवासी दिवस पर सरहुल जैसा जुलूस निकाला जाएग. जनजाति सुरक्ष मंच के लोग दोपहर एक बजे धुर्वा सरना स्थल पर आदिवासी शहीदों के नाम पर आदिवासी दिवस को शोक के रूप मे मनायेंगे. इसमे आदिवासी शहीदों के नाम पर 101 दीप जलाये जाएंगे. कांके रोड सरना समिति के अध्यक्ष डबलु मुंडा ने बताया कि कांके सरना स्थल से सुबह दस बजे सरना स्थल पर एकत्र होंगे.

आदिवासी संगठनों ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता। रांची

सीएनटी एक्ट का उल्लंघन कर आदिवासियों के धार्मिक सामाजिक एवं रैयती जमीन के लूट के खिलाफ सीबीआई जांच की मांग को लेकर पूर्व मंत्री देवकुमार धान के नेतृत्व में विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि राज्यपाल से मिलकर उन्हें ज्ञापन सौंपा. ज्ञापन में कहा गया कि आदिवासी खतियान जमीन को सरकारी अधिकारियों एवं कर्मचारी की मिलीभगत से भू माफिया लोगों के द्वारा गैर आदिवासी जमीन बनाकर अवैध रूप से खरीद बिक्री की जा रही है. इसकी जांच कराई जाए. गैर आदिवासियों ने आदिवासी महिला को दूसरी तीसरी पत्नी बनाकर उसके नाम पर फार्म हाउस, आदिवासी जमीन की खरीद बिक्री, मुखिया, प्रमुख, जिला परिषद अध्यक्ष बनाकर तथा महिला के नाम पर लोन लेकर आदिवासियों के जमीन एवं उनको मिलने वाले सभी सुविधाओं का गैर आदिवासी लाभ उठा रहे हैं. इसलिए गैर आदिवासी से विवाह करने वाली महिला को एसटी का जाति प्रमाण पत्र नहीं देने की मांग की गई है.

राज्यपाल से मुलाकात करते आदिवासी संगठनों के प्रतिनिधि.

आदिवासियों के सामाजिक, धार्मिक एवं रैयती जमीन का भारी मात्रा में लूट हो रही है, सरकारी पदाधिकारी एवं कर्मचारी की मिली भगत से रांची शहर के विभिन्न मौजों के खतियान फाड़ दिये गये हैं. सीएनटी एक्ट का उल्लंघन कर आदिवासियों की जमीन को सादा पट्टा के माध्यम से खरीद बिक्री की जा रही है. इसकी जांच कराई जाए. एसएआर. कोर्ट में आदिवासियों के दखल देहानी के 5000 से अधिक मामले लंबित हैं. इन लंबित मामलों पर यथाशीघ्र दखल देहानी दिलायी जाए. और एसएआर कोर्ट द्वारा गलत कंपनसेशन कर गैर आदिवासियों को दी गई जमीन की जांच करायी जाए.मौके पर आदिवासी महासभा के संयोजक देवकुमार धान, जमीन बचाओ समिति, कांके के सचिव परनू उरांव, केंद्रीय सरना समिति रांची के अध्यक्ष फूलचंद तिर्की, राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा रांची के तानसेन गाड़ी, झारखंड आदिवासी संयुक्त मोर्चा के महासचिव बलकू उरांव मौजूद थे.

न्यूज अपडेट

चैंबर भवन में ट्रेड लाइसेंस कैंप का आयोजन

रांची । झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स और रांची नगर निगम के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार से चैंबर भवन में ट्रेड लाइसेंस कैंप का दो दिवसीय आयोजन किया गया. कैंप में लाइसेंस के रिन्यूअल के साथ, नया ट्रेड लाइसेंस बनाने तथा होल्डिंग टैक्स का कार्य भी किया गया. जानकारी देते हुए चैंबर के सह सचिव अमित शर्मा ने कहा कि शुक्रवार को भी इस कैंप का आयोजन चैंबर भवन में सुबह 10.30 बजे से 3 बजे तक किया जायेगा. व्यापारी अपनी सुविधानुसार किसी भी समय चैंबर भवन में आकर अपना कार्य सुगमता से करा सकते हैं. कैंप में नये ट्रेड लाइसेंस के लिए रेंट एग्रीमेंट, इलेक्ट्रिसिटी बिल या आधार कार्ड तथा नये आवेदन के लिए रेंट एग्रीमेंट, होल्डिंग टैक्स (कमर्शियल) और आधार कार्ड जरूर लायें. कैंप में चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री, सह सचिव शैलेश अग्रवाल, अमित शर्मा के अलावा सच्चिदानंद सिंह, प्रेम कटारूका एवं अन्य सदस्यों के अलावा नगर निगम के अधिकारी उपस्थित थे.

राखी के लिए डाक विभाग के विशेष लिफाफे

रांची। रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर रांची डाक मंडल के अंतर्गत जनमानस की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए वरिष्ठ डाक अधीक्षक रांची मंडल की ओर से रांची जीपीओ (मुख्य डाकघर) में राखी के विशेष लिफाफों की बिक्री शुरू कर दी गई है. ये लिफाफे केवल दस रुपये की आकर्षक कीमत पर उपलब्ध हैं, जो राखी को सुरक्षित और सही समय पर भेजने के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए हैं. इस अवसर पर रांची जीपीओ (मुख्य डाकघर) और रांची मंडल के विभिन्न डाकघरों में राखी के लिफाफों की पोस्टिंग के लिए विशेष व्यवस्था की गई है. इस व्यवस्था के तहत राखी भेजने वालों को अतिरिक्त सहायता प्रदान की जाएगी, ताकि उनकी राखी समय पर उनके गंतव्य तक पहुंच सके.

मंत्री ने रिसालदार बाबा के मजार पर की चादरपोशी

रांची। राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री इफरान अंसारी डोरंडा रिसालदार शाह बाबा के मजार पर अपनी मां के नाम पर चादरपोशी की. इस मौके पर उन्होंने कहा कि कौम की खिदमत करने का मौका मिला है, किसी भी वर्ग को दिक्कत आने नहीं दूंगा. हमारी मां हमेशा गरीबों की मदद करने के लिए मुझे कहा. आज हमारी मां नहीं है, लेकिन उनकी बातों को हम हमेशा लेकर चलेंगे. उन्होंने कहा कि 24 घंटा हमारे दुश्मन हम पर नज़र रखे हुए हैं, लेकिन हम जनता का काम करने आये हैं. केंद्र सरकार के वक्फ बोर्ड के संशोधन करने के सवाल पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कभी भी हमारे हित का कार्य नहीं कर सकते हैं. इससे पहले दरगाह कमेटी ने मंत्री का पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया.

भाजपा सुखदेव नगर मंडल के अध्यक्ष बने अशोक

रांची । भारतीय जनता पार्टी रांची महानगर के द्वार अशोक कुमार मिश्रा को सुखदेव नगर मंडल दक्षिणी छोर के नवनियुक्त अध्यक्ष बनाया गया है. इस नियुक्ति पर अशोक कुमार मिश्रा ने भाजपा परिवार के प्रति आभार जताया है. विदित होकर अशोक कुमार मिश्रा इससे पूर्व भी रांची महानगर सुखदेव नगर मंडल के उपाध्यक्ष रह चुके हैं. इनके नेतृत्व में कोरोना कल में सेवा की मिसाल पेश की. इसके साथ ही अन्य सांगठनिक और सामाजिक कार्यक्रमों में भी उनकी सक्रियता बहुत अच्छी रही है. अशोक कुमार मिश्रा ने अपनी पुनः नियुक्ति पर भाजपा परिवार के प्रति आभार जताया है. उन्होंने कहा है कि समाज की सेवा के साथ-साथ युवाओं की मुखर आवाज बनकर वे सदैव कार्य करते रहेंगे.भाजपा महानगर रांची के साथ सदैव खड़ी है. सेवा हो, संघर्ष हो या आंदोलन हो, हर मुद्दे पर रांची महानगर के साथ सुखदेव नगर मंडल दक्षिणी छोर की पूरी टीम खड़ी रहेगी और आगामी विधानसभा चुनाव में झारखंड में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने में अहम भूमिका निभायेगी.

फुटबॉल प्रतियोगिता : झारखंड की जीत की हैट्रिक

रांची । 63 वीं राष्ट्रीय सुब्रतो कप अंडर 17 बालिका वर्ग फुटबॉल प्रतियोगिता में गुरूवार को झारखंड की बालिका टीम ने जीत की हैट्रिक लगाते हुए अरुणाचल प्रदेश को 13-0 से पराजित कर क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह बना ली. झारखंड की ओर से चांदनी कुमारी ने सर्वाधिक चार गोल किया. चांदनी के अलावा बबिता ने दो गोल और ललिता, नैना, क्रांति, पूजा संगीता, पुनिता, उर्वशी ने एक एक गोल किया. 63 वीं राष्ट्रीय सुब्रतो कप अंडर 17 बालिका वर्ग फुटबॉल प्रतियोगिता में झारखंड की टीम की यह लगातार तीसरी जीत है. इससे पहले झारखंड की बेटियों ने दिल्ली को 7-0, गुजरात को 3-0 से शिकस्त दी थी. राष्ट्रीय प्रतियोगिता कि मेजबानी दिल्ली कर रहा है.

जियाडा की बैठक में नौ नए प्रोजेक्टों को मिली स्वीकृति

रांची । जियाडा के पीसीसी की बैठक गुरुवार को जियाडा भवन में क्षेत्रीय निदेशक सुधीर कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई. बैठक में कुल 11 नए प्रोजेक्ट के प्रस्तुत किये गये आवेदन पर विचार करते हुए 9 प्रोजेक्ट्स के आवेदन को स्वीकृति दी गई. 2 प्रोजेक्ट के आवेदकों की अनुपस्थिति के कारण उन्हें होल्ड पर रखा गया. स्वीकृत किये गये प्रोजेक्ट्स सहेर, टाटीसिलवे, गेतलसूद, बरही, तुपुदाना इंडस्ट्रियल एरिया में स्थापित किये जायेंगे. बैठक में मौजूद फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष किशोर मंत्री ने कहा कि बैठक में प्रस्तुत किये गये आवेदन महत्वपूर्ण हैं. स्वीकृत प्रोजेक्ट्स में मुख्यतः बेकरी प्रोडक्ट, लॉजिस्टीक सपोर्ट सिस्टम, मैनुफैक्चरिंग ऑफ एनिमल फीड, स्टारेज ऑफ ऑक्सीजन सिलेंडर्स, ब्रेवरी प्रोजेक्ट, सेल ऑफ स्पेयर पाट्र्स ऑफ ऑटोमोबाइल शामिल हैं.

श्रद्धा-भक्ति पहाड़ी मंदिर, सुरेश्वर धाम सहित देवालयों में भारी भीड़ उमड़ने की संभावना

राजधानी में रविवार को मचेगी धार्मिक कार्यक्रमों की धूम

संवाददाता । रांची

राजधानी में इस रविवार को धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यक्रमों की बहार रहेगी. वैसे तो श्रावण मास की चौथी सोमवारी से एक दिन पहले छुट्टी का दिन होने से पहाड़ी मंदिर, सुरेश्वर धाम, चुटिया सहित सभी देवालयों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ेगी, बड़ी संख्या में कांवरिए स्वर्णरेखा नदी से जल उठाने को भी निकलेंगे, लेकिन इससे इतर विभिन्न धार्मिक संगठनों के खास आयोजन की बात कुछ और ही रहेगी.

अग्रसेन भवन में बहेगी भक्ति की धारा : अग्रसेन भवन में सुबह से देर शाम तक भक्ति की अविरल धारा बहेगी. यहां श्रीजीण माता परिवार माता का मंगला पाठ और सावन सिंधारा महोत्सव मनायेगा. अध्यक्ष दिलीप पटवारी ने बताया कि सुबह गणेश पूजन से इसकी शुरुआत होगी. इसके बाद माता का महाभिषेक किया जायेगा. फिर दिन के एक बजे से मंगला पाठ शुरू होगा. कोलकाता के पाठ वाचक बाल किशन शर्मा और विनोद शर्मा के सांनिध्य में 351 महिलाएं राजस्थानी पारंपरिक वेशभूषा में मंगल पाठ करेंगी. पाठ के दौरान माता का जन्मोत्सव, मेहंदी महोत्सव, चूनड़ी महोत्सव और गजरा महोत्सव मनाया जाएगा. माता को 151 फीट की चुनरी भी ओढ़ाई जाएगी.

लुभाएगी बाल कांवर यात्रा : श्रीशिव बारात आयोजन महासमिति की बाल कांवर यात्रा लुभाएगी. नन्हे-मुन्नों को सनातन धर्म और संस्कृति से दो-चार कराने के उद्देश्य से महासमिति इसका भव्य आयोजन कर रही है. इसमें शामिल तीन से 13 साल के बच्चे शिव-पार्वती की जीवंत झांकी संग मनोहारी छटा बिखेरेंगे. सुबह आठ बजे नक्षत्र वन, हटनिया तालाब से जल लेकर बाल कांवरियों संग बढ़ी संख्या में श्रद्धालु पैदल पहाड़ी मंदिर आयेंगे. यहां पहाड़ी बाबा को जलाभिषेक करेंगे. अध्यक्ष राजेश कुमार साहू राजू और बादल ने बताया कि गुरुवार को प्रतिभागी बच्चों के बीच कोलकाता से ड्रेस और देवघर से मंगाए गए कांवर का वितरण किया गया.

गुलजार रहेगा सत्संग भवन : धार्मिक और आध्यात्मिक संगठनों का सत्संग भवन रविवारीय सत्संग से गुलजार रहेगा. सहज योग केंद्र, गांधी चौक, ब्रह्माकुमारी संस्थान, हरमू रोड, गायत्री शक्ति पीठ, सेक्टर टू, संत निरंकारी मिशन सत्संग भवन, अरगोड़ा, एमआरएस श्रीकृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के निर्माणाधीन श्रीकृष्ण प्रणामी मंदिर, पुंदाग सहित शहर के कई मंदिरों में सुबह से दोपहर बाद तक सत्संग-भजन चलेगा. रातू में शिवचर्चा की जायेगी. कई सनातनी घरों और मंदिरों में रुद्राभिषेक होगा.

नाग पंचमी आज, महादेव के साथ पूजे जायेंगे नाग देवता

संवाददाता रांची

श्रावण मास शुक्ल पक्ष की पंचम तिथि शुक्रवार को शुक्रवार को नागपंचमी का त्योहार श्रद्धाभाव से मनाया जायेगा. इसको लेकर शहर के देवालय सज-धज कर तैयार है. भक्तों की भारी भीड़ के मद्देनजर पहाड़ी मंदिर और सुरेश्वर धाम में खास इंतजाम किए गये हैं. अन्य शिवालयों में भी विशेष व्यवस्था की गयी है.

इस दिन देवाधिदेव महादेव संग नाग राज नेम-निष्ठा से पूजे जायेंगे. मान्यता है कि नाग पंचमी के दिन नागों की पूजा करने से भोले बाबा अति शीघ्र प्रसन्न होते हैं. सभी मनोरथ पूर्ण करते हैं. व्यक्ति के जीवन में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है. सर्पदंश का खतरा तो टलता ही है, काल सर्प योग से भी मुक्ति मिलती है. इसी भाव से बड़ी संख्या में श्रद्धालु घरों और मंदिरों में महादेव को जलार्पण कर नाग राज की पूजा-अर्चना करेंगे.

सावन महीने की शुक्ल पक्ष की पंचमी की शुरुआत आठ अगस्त को मध्यरात्रि 12 : 37 मिनट और समापन शुक्रवार की रात को 03:15 मिनट पर होगा. आचार्य अजय मिश्र ने बताया कि उदया तिथि के अनुसार नौ अगस्त को ही नाग पंचमी का त्योहार मनाना शास्त्रसम्मत होगा. उन्होंने बताया कि इस दिन नागदेवता की पूजा दिनभर की जा सकती है, लेकिन सुबह 05 : 47 से 08 : 27 मिनट, दोपहर 12 : 13 से 01:00 बजे, प्रदोष काल में शाम 06 : 33 से रात 08 : 20 मिनट तक पूजन का अति शुभ मुहूर्त है. आचार्य ने बताया कि इस दिन हस्त नक्षत्र के शुभ संयोग के साथ शिव वास योग, साध्य योग और सिद्ध योग का शुभ संयोग बन रहा है. इन शुभ योगों में की गयी पूजा अवश्य फलदायी होती है.

दयनीय हाल में सबर और बिरहोर जनजाति

पूरे भारतवर्ष में सबसे ज्यादा आदिवासी उड़ीसा में है. झारखंड में निवास करने वाली 32 प्रकार की जनजातियों में से आठ पीवीटीजी हैं. झारखंड की कुल जनसंख्या का 26% जनजाति जनसंख्या है, जिनकी अपनी अलग सांस्कृतिक पहचान है . प्रकृति की गोद में बेसन वाली इन जनजातियों का जीवन बहुत ही सरल होता है. यही कारण है कि मानव वैज्ञानिक इन्हें सरल समाज कह कर संबोधित करते हैं. जनजातियों के बीच में ही कुछ ऐसी जनजातियां हैं, जो विकास से कोसों दूर अस्तित्व की रक्षा के लिए दिन-रात संघर्ष कर रही हैं.

भारत में इंडीजीनस दिवस को विश्व आदिवासी दिवस के रूप में मनाया जाता रहा है. प्रत्येक वर्ष 9 अगस्त को इस दिन भारत के विभिन्न हिस्सों में आदिवासी या जनजाति संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन की बात की जाती है. विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से संरक्षण के साथ विकास के लिए भी चिंतन मनन किया जाता है. भारत में कुल जनसंख्या (2011) का आठ प्रतिशत जनजाति जनसंख्या है. इंडियन एंथ्रोपॉलजिकल सर्वे ऑफ़ इंडिया के द्वारा प्रायोजित परियोजना, पीपुल्स ऑफ़ इंडिया के अनुसार भारत में कुल 4635 अंतर्विवाही समूह या जाति हैं, जिसमें अनुसूचित जनजाति भी शामिल है. हो सकता है किसी कारण बस या भूल से इसमें कुछ समूहों को शामिल न किया गया हो, लेकिन संविधान के अनुच्छेद 342 के तहत भारत में 705 समूहों को अनुसूचित जनजाति के रूप में अनुसूची बद्ध किया गया है. इनके लिए संविधान में संरक्षण की बात कही गई है और इन्हें मुख्य धारा में जोड़ने का सतत प्रयास किया जाता रहा है. इन जनजातियों में कुल 75 ऐसी जनजातियां हैं, जो विशेष रूप से कमजोर या कहें वुलनरेबल हैं. इन्हें 2006 से पहले आदिम जनजाति कहा जाता था, जिसे बाद में पार्टिकुलर वुलनरेबल ट्राइब्स पीवीटीजी कहा जाने लगा. पूरे भारतवर्ष में सबसे ज्यादा उड़ीसा में है. झारखंड में निवास करने वाली 32 प्रकार की जनजातियों में से आठ पीवीटीजी हैं. झारखंड की कुल जनसंख्या का 26% जनजाति जनसंख्या है, जिनकी अपनी अलग सांस्कृतिक पहचान है . प्रकृति की गोद में बेसन वाली इन जनजातियों का जीवन बहुत ही सरल होता है. यही कारण है कि मानव वैज्ञानिक इन्हें सरल समाज कह कर संबोधित करते हैं. जनजातियों के बीच में ही कुछ ऐसी जनजातियां हैं, जो विकास से कोसों दूर अस्तित्व की रक्षा के लिए दिन-रात संघर्ष कर रही हैं. इनके बीच 25% से भी कम साक्षरता दर है. इनका जीवन आज भी कंदमूल संग्रह पर निर्भर है. जंगल पर आश्रित जनजातियों के बीच जन्म दर से अधिक मृत्यु दर रहने के कारण इनकी जनसंख्या स्थिर है. झारखंड में निवास करने वाली आठ पीवीटीजी मल पहाड़िया, सौरिया पहाड़िया, कोरबा, असुर, बिरजिया, परहिया, बिरहोर तथा सबर हैं. सबसे अधिक जनसंख्या मल पहाड़िया की है. झारखंड के पीवीटीजी में सबसे दयनीय स्थिति बिरहोर और सबर की है. यहां बिरहोर की जनसंख्या मात्र 10000 है. झारखंड में सबर की जनसंख्या मात्र 9688 है. यहां निवास करने वाली सबर महिलाओं की जनसंख्या 4824 है, जिनमें 3749 महिलाएं साक्षरता से दूर हैं. झारखंड में कुल सबर जनसंख्या का 92% पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला खरसावां में वास करते हैं. जंगल के अलावे इनका मुख्य पेशा भी मजदूरी है. इन्हें डाकिया योजना का लाभ अवश्य मिलता है, जिसके अंतर्गत मुफ्त में इन्हें चावल दिया जाता है, लेकिन प्रश्न यह है कि केवल चावल से इनका जीवन कैसे कटेगा? जंगल से पत्तल लाकर और जलावन के लिए सुखी लड़कियां चुनने के अलावे इनके पास और कोई रोजगार नहीं है. इनके बीच कुपोषण जनित बीमारियां विकराल रूप धारण की हुई है. जागरूकता की कमी के कारण इन्हें योजनाओं का लाभ भी नहीं मिल पाता. जीवन के लिए संघर्ष जारी है. गुणवत्तापूर्ण जीवन की बात तो इनकी समझ से भी परे है. इन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि राज्य और कल्याणकारी राज्य व्यवस्था क्या है? इन्हें अगर पता है तो बस इतना कि इनके पूर्वज जंगल से जीते थे और ये भी जंगल के आश्रय में ही जी रहे हैं. वहीं से फल -फूल मिलता है, पत्ते मिलते हैं, जिसका दोना बनाकर ये नजदीक के हाट -बाजार में बेचते हैं और जो कुछ नगद मिलता है, उसी से दवा और जीने के लिए अन्य आवश्यक चीजें खरीदनी पड़ती हैं. इन्हें यह भी नहीं मालूम कि आजादी के 78 वीं वर्षगांठ का मतलब क्या है? झारखंड में 24 वर्ष के अबुआ दिसुम अबुआ राज में पीढ़ी दर पीढ़ी जल जंगल जमीन की रक्षा करने वाली जनजातियों के लिए अबुआ दिशुम अबुआ राज में क्या-क्या हुआ.

• देश-काल

डॉ. गंगा प्रसाद झा

सबर जनजाति के बीच भले ही गरीबी और कुपोषण जनित बीमारियां हों और उनके पास सुख-सुविधाओं के सामान न हों, लेकिन इनके पास जो है, वह जटिल समाज के पास नहीं है. इनके पास परंपरागत औषधि ज्ञान है. इनके बीच समाज में मिलजुल कर रहने की अद्भुत कला है. सामाजिकता और मानवता पर आधारित सबर समाज को, एक दूसरे को किस तरह से सहयोग दिया जाए, यह कला प्रकृति ने सिखायी है. जंगल से कंदमूल एकत्र करना हो या फिर से गृह निर्माण, सभी कुछ एक दूसरे के सहयोग पर निर्भर करता है. इनके बीच अकूत संपत्ति या फिर एक दूसरे को ठगने की प्रवृत्ति नहीं है. एक दूसरे को सम्मान देकर बराबरी के साथ समाज में कैसे रहा जाता है, कोई इनसे सीखे . प्रकृति पूजक सबर जनजातियों के बीच बुजुर्गों और महिलाओं को विशेष सम्मान दिया जाता है. इस समाज को दहेज की जानकारी नहीं है और न ही वृद्धाश्रम की. किसी भी प्रकार के आपसी विवाद का हल समाज के परंपरागत प्रधान द्वारा सरल तरीके से कर लिया जाता है, जो सर्वमान्य होता है. इस कार्य हेतु बैठक बुलाने में समाज के गोराईत सहयोग देते हैं. अशिक्षा के कारण समाज में अंधविश्वास और स्वास्थ्य समस्याओं से निजात पाने के लिए जादू टोना पर विश्वास करने वाले लोगों की संख्या काफी अधिक है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

विनेश फोगाट की त्रासदी

पहलवान विनेश फोगाट ने पचास किलो वर्ग स्पर्धा के फाइनल में प्रवेश करके करोड़ों भारतीयों का दिल जीत लिया था. देश उनसे सोने के पदक की उम्मीद कर रहा था. लेकिन करोड़ों भारतीयों की उम्मीदों पर उस समय वज्रपात हो गया, जब पेरिस ओलंपिक में महज सौ ग्राम वजन ज्यादा होने के कारण उन्हें अयोग्य करार दे दिया गया. विनेश अब इस ओलंपिक में कोई पदक नहीं जीत सकेंगी. निस्संदेह, जब विनेश इतिहास रचने जा रही थीं, उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया. लेकिन फिर भी आज देश उनके साथ खड़ा है. खेल प्रेमी सरकार से हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं. निश्चय ही यह एक दिल तोड़ने वाली घटना है. कहा जा रहा है कि भारत को ओलंपिक संघ से कड़ा विरोध दर्ज कराना चाहिए. जाहिर है यह फाइनल स्पर्धा थी. भारत सोने के पदक की आस लगा रहा था. इस फैसले को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता. दरअसल, भारतीय दल ने विनेश के वजन को 50 किलो तक लाने के लिए थोड़ा समय मांगा था, लेकिन तय वजन से अधिक भार होने के कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया. असल में, रेसलिंग इवेंट में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को अलग-अलग भार वर्ग में वर्गीकृत किया जाता है. रेसलिंग व बॉक्सिंग जैसे खेलों में यह नियम है. ताकि सभी खिलाड़ियों के लिये निष्पक्ष अवसर तय किये जा सकें. यही वजह है कि खिलाड़ी जिस भार वर्ग का चयन करता है, उसे उसी वर्ग में खेलने की इजाजत मिलती है. इसमें किसी तरह की ढील नहीं मिलती. हर स्पर्धा से पहले चिकित्सा जांच व वजन किया जाता है. साथ ही खिलाड़ी के वजन की प्रक्रिया में असफल होने पर उसे प्रतियोगिता से बाहर कर दिया जाता है. फिर पहली प्रतियोगिता में हारे खिलाड़ी को खेलने का मौका दिया जाता है. विनेश के मामले में भी आईओसी ने ऐसा ही फैसला लिया है, लेकिन भारतीयों के लिए यह फैसला असहनीय है. निस्संदेह, हर भारतीय के लिए यह फैसला कष्टदायक है. वे फाइनल से पहले विनेश को अयोग्य करार दिये जाने की घटना पर विश्वास नहीं कर पा रहे हैं. कतिपय लोग इसे पश्चिमी देशों द्वारा विकासशील देशों के खिलाड़ियों के साथ भेदभाव मानते हैं. उनका मानना है कि भारत सरकार को इस मामले में कड़ा विरोध दर्ज कराना चाहिए. भारतीय ओलंपिक संघ को भी इससे निबटने के लिए हर संभव प्रयास करने चाहिए. देश के तमाम बड़े खिलाड़ी और राजनेता विनेश का हौसला बढ़ाने में लगे हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा है कि विनेश आप भारत का गौरव हैं और हर एक भारतीय की प्रेरणा हैं. आपमें लड़ने की क्षमता है. आप सबल होकर लौटें, सारा देश आपके साथ खड़ा है. निस्संदेह, सारे देश की ऐसी ही सोच है. भले ही पेरिस ओलंपिक में उनके हाथ निराशा लगी हो, लेकिन उनके सामने तमाम स्वर्णिम अवसर विद्यमान हैं. बेशक, फाइनल में खेलने के लिए वह अयोग्य करार दे दी गई हों, लेकिन वे आगे मेहनत से और मेडल लाएगी. विनेश की जीत प्रशंसनीय थी और उन्होंने भरसक प्रतिबद्धता भी दिखायी. उन्होंने पहले के राउंड ही नहीं जीते, बल्कि देश के लोगों का दिल भी जीता. लेकिन यह बात तो जरूर है कि उन्हें उनकी मेहनत का वह फल नहीं मिला, जिसकी वह हकदार थीं. लेकिन एक बात तो तय है कि विनेश और भारतीय खेल दल के कर्ता-धर्ताओं के स्तर पर भी लापरवाही तो हुई है. वजन की निगरानी बेहद सावधानी से होनी चाहिए.

खेल प्रेमी सरकार से हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं. निश्चय ही यह एक दिल तोड़ने वाली घटना है. कहा जा रहा है कि भारत को ओलंपिक संघ से कड़ा विरोध दर्ज कराना चाहिए. जाहिर है यह फाइनल स्पर्धा थी.

सुभाषित

भेदे गणाः विनश्येयुः भिन्नास्तु सुजयाः परैः।
तस्मात् संघातयोगेन प्रयतेरन् गणाः सदा।।

गणराज्य में अगर एकता न हो तो वह नष्ट हो जाता है, क्योंकि एकता न होने पर शत्रु को उसे नष्ट करने मे आसानी होती है. इसलिए गणराज्य में आपसी मतभेदों के बावजूद नागरिकों के बीच हमेशा आंतरिक एकता बनी रहनी चाहिए.

• बोधि-वृक्ष

सुज्ञ

क्षमा शस्त्रं करे यस्य

नीतिकार ने कहा है-क्षमा शस्त्रं करे यस्य दुर्जनः किं तं करिष्यति. अर्थात जिसके हाथ में क्षमा रूपी शस्त्र है, उसका कोई दुर्जन क्या बिगाड़ पाएगा? यह बात सिद्धांततः अत्यंत सरल है, लेकिन व्यावहारिक दृष्टिकोण से देखा जाये तो उतना ही कठिन. बहुत सी ऐसी घटनाएं प्रकाश में आये दिन आती रहती हैं कि किसी दुष्ट व्यक्ति ने दुष्टता कर दी. क्षमाशील व्यक्ति ने उसे क्षमा कर दी. परिणाम वह नहीं हुआ, जिसकी अपेक्षा थी. दुष्ट व्यक्ति ने यह माना कि सामनेवाला कायर है. डरपोक है. यह उससे डरता है, इसलिए वह उसकी दुष्टता का माकूल जवाब नहीं दे सकता. वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आता और फिर दुष्टता कर बैठता है, लेकिन क्षमाशील अपनी क्षमा वृत्ति का त्याग नहीं करता. एक समय ऐसा भी आता है कि दुष्ट व्यक्ति को अपनी गलती का एहसास हो जाता है. किसी की दुष्टता का प्रतिशोध लिया जा सकता है, लेकिन प्रतिशोध लेने का आनंद मात्र एक दिन का होता है, जबकि क्षमा करने का गौरव सदा बना रहता है. सच्ची क्षमा समस्त ग्रंथियों को विदीर्ण करने का सामर्थ्य रखती है. हर परिस्थिति में स्वयं को संयोजित संतुलित रखना भी क्षमा ही है. क्षमा देने व क्षमा प्राप्त करने का सामर्थ्य उसी में है, जो आत्म निरीक्षण कर सकता है. क्षमापना आत्म शुद्धि का प्रवहमान अनुष्ठान है, सौम्यता, विनयसरलता, नम्रता शुद्ध आत्म में स्थापित होती है. अच्छे विचारों को धरातल पर उतारना या स्वभाव में सम्मलित करना बहुत ही दुष्कर होता है, बरसों के जमे जमाये व्यवहार आसानी से नहीं उखड जाते. ज्ञान की बहुत बडी बडी बातें, सत्संग, प्रवचन कहकर अक्सर हम उडा देते हैं. लेकिन फ़िर भी अच्छे विचारों पर किया गया क्षणिक चिन्तन भी व्यर्थ नहीं जाता. सदाचरण को 'अच्छा' मानने की प्रवृत्ति मानसिकता में बनी रहती है. देर से व शनैः शनैः ही सही हृदय की शुभ मानसिकता अंततः क्रियान्वन में उतरती ही है. इसीलिए दया, करूणा, अनुकंपा और क्षमा के भावों को उचित जानना मानना व कहना आवश्यक है. पालन जब होगा तब होगा हृदय में इनका निवास जरूरी है. वय, परिस्थिति एवं अनुभवों के आधार पर धीरे-धीरे ही क्षमाशीलता आ सकती है. हर व्यक्ति की परिस्थिति फरक होती है. पूर्व में स्थापित बुद्धि क्षमा का निर्णय नहीं ले सकती. घटना अथवा दुर्घटना से तदुत्पन्न बुद्धि ही निर्णय लेती है. व्यक्ति ज्यादातर परिस्थियों का गुलाम होता है.और परिस्थितियां मनुष्य को विवश कर देती हैं.

देश-दुनिया में आदिवासियों की दशा और दिशा

• आदिवासी दिवस

तुहिन

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने दिसंबर 1994 में विश्व के मूल निवासियों के लिए 9 अगस्त को अंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित किया. यह तय हुआ कि 1995-2004 के बीच अंतरराष्ट्रीय मूल निवासी दशक के दरम्यान प्रति वर्ष 9 अगस्त अंतरराष्ट्रीय मूल निवासी दिवस के रूप में मनाया जाए. 2004 में महासभा ने 'कार्य और महत्ता के दशक' के रूप में 2005- 2015 के बीच दूसरा अंतरराष्ट्रीय मूल निवासी दशक मनाने की घोषणा की. संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुमान के अनुसार दुनिया के 70 देशों में करीब 370 मिलियन मूल निवासी (आदिवासी) निवास करते हैं और यह विश्व की कुल जनसंख्या के 6 प्रतिशत से कुछ कम है तथा 72 देशों में 5000 अलग-अलग शाखाओं से ताल्लुक रखते हैं. विश्व की प्राचीन सभ्यताओं का निर्माण मूल निवासियों ने किया था. मध्ययुग में यूरोपियन उपनिवेशवाद जब पूरी दुनिया में अपना पैर जमाने लगा तो एशिया, अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और आस्ट्रेलिया के मूल निवासियों पर दुःखों का पहाड़ टूट पड़ा. क्रिस्टोफर कोलंबस द्वारा अमेरिका की खोज के बाद यूरोपियन उपनिवेशवादी ताकतें विशेषकर स्पेन, पुर्तगाल, हालैंड (डच) ब्रिटेश, डेनमार्क, फ्रांस, बेल्जियम आदि अमेरिका महादेश को आबाद करने के नाम पर अफ्रीकी महादेश से जहाज भर-भर कर अफ्रीकी मूल निवासियों को बलपूर्वक अमेरिका ले गए. यूरोपियन उपनिवेशवादी ताकतों ने अफ्रीका में गांव के गांव जलाकर व बर्बर तरीके से जबरदस्ती अफ्रीका (जहां पर कि पृथ्वी की प्रथम मानव सभ्यता का प्रकाश फैला था) के लोगों को उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका में ले जाकर गुलाम बनाया. अफ्रीका के मूल निवासियों के गुलाम व्यापार से यूरोपियन उपनिवेशवाद फलता-फूलता रहा. अमेरिका को जिन लोगों ने अपने खून पसीने से सींचा, आबाद किया, आज भी वे अफ्रीकी-अमरीकी, अमेरिका में दूसरे दर्जे के नागरिक हैं तथा नस्लवादी रंगभेद नीति का सबसे ज्यादा शिकार हैं. भले ही अमेरिका में गुलाम प्रथा का कानूनी रूप से विलोप हो गया हो, लेकिन अब भी वे वहां सबसे ज्यादा गरीब, बदहाल, बेरोजगार, हिंसा के शिकार, मानवाधिकारों से वंचित सबसे ज्यादा तादाद में जेल में बंद हैं. एक तरफ तो उत्तर अमेरिका में अफ्रीका के मूलनिवासियों पर गुलामी थोपकर अमानवीय शोषण किया गया तो दूसरी ओर दक्षिण अमेरिका (लैटिन अमेरिका) में वहां के मूल निवासियों माया, इन्का, एजटेका आदि रेड इंडियन समुदाय का समूल विनाश कर दिया. पेरू में क्रूर स्पेनीय सेनापति पिजारो ने सोने के खजाने की लालच में आदिवासी राजा अताहुआल्पा समेत असंख्य आदिवासियों की निर्मम हत्या की. यह कहा जाता है कि दक्षिण अमेरिका में यूरोपीयन सभ्यता, रेड इंडियन मूल निवासियों के खून और मांस के लोथड़ों की बुनियाद पर पनपा है. दक्षिण अमेरिका में हाइती पर फ्रांस तथा ब्राजील पर पुर्तगाल के आधिपत्य के अलावा समूचा महाद्वीप स्पेनी उपनिवेशवाद के कब्जे में रहा. उसी प्रकार अफ्रीका में ब्रिटेन, जर्मनी, इटली, बेल्जियम व फ्रांस ने उपनिवेश बनाया तो एशिया के विभिन्न देशों को ब्रिटेन, फ्रांस, पुर्तगाल, अमेरिका व हालैंड ने अपना उपनिवेश बना लिया. ऑस्ट्रेलिया में तो कैप्टन कूक द्वारा महाद्वीप की खोज करने के बाद, वहां के मूल निवासियों का खात्मा करके ब्रिटिश उपनिवेशवाद ने ब्रिटेन के तमाम दागी अपराधियों को आस्ट्रेलिया में बसाकर यूरोपियन सभ्यता की नींव डाली. पहले उपनिवेशवाद फिर पूंजीवाद के सर्वोच्च रूप साम्राज्यवाद के खिलाफ उपनिवेश की जनता, विशेष रूप से मूल निवासियों/आदिवासियों का प्रतिरोध संग्राम जारी रहा. द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद साम्राज्यवादियों ने उपनिवेशों में जनता के मुक्ति संघर्ष की तीव्रता तथा अपने संकट की घड़ी को देखते हुए दुनिया को लूटने की नयी रणनीति इख्तियार की. तमाम साम्राज्यवादी ताकतों ने द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद ब्रिटिश साम्राज्यवाद के शक्तिहीन होने के कारण, विश्वयुद्ध में सबसे कम नुकसान उठाने वाली नयी साम्राज्यी ताकत अमेरिका को अपना नेता माना. अतः अमेरिका के नेतृत्व में सभी साम्राज्यवादी ताकतों ने पुराने किस्म के उपनिवेशवाद की जगह, प्रत्यक्ष नियंत्रण की जगह अप्रत्यक्ष नियंत्रण वाली नवउपनिवेशवादी रणनीति को अपनाना शुरू किया. इसके तहत् एशिया, अफ्रीका व दक्षिण अमेरिका में साम्राज्यवादियों ने अपने पुराने उपनिवेशों में दिखावे के लिए 1945 के बाद औपचारिक आजादी की घोषणा की और अपने पिट्ठुओं के हाथ सत्ता सौंप कर (जो कि साम्राज्यवादियों के देशीय दलाल पूंजीपति और सामंती भूस्वामी वर्ग के लोग थे) पर्दे के पीछे से नवउपनिवेशों की राजनीति, अर्थनीति, सामरिक नीति आदि पर नियंत्रण व हस्तक्षेप करने लगे. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

ऑस्ट्रेलिया में तो कैप्टन कूक द्वारा महाद्वीप की खोज करने के बाद, वहां के मूल निवासियों का खात्मा करके ब्रिटिश उपनिवेशवाद ने ब्रिटेन के तमाम दागी अपराधियों को आस्ट्रेलिया में बसाकर यूरोपियन सभ्यता की नींव डाली. पहले उपनिवेशवाद फिर पूंजीवाद के सर्वोच्च रूप साम्राज्यवाद के खिलाफ उपनिवेश की जनता, विशेष रूप से मूल निवासियों/आदिवासियों का प्रतिरोध संग्राम जारी रहा.

वेनुजुएला में चुनावों के बाद की हिंसा के मायने

• देशांतर

कुमार प्रदीप

निकोलस मादुरो को वेनेजुएला का राष्ट्रपति फिर से चुन लिया गया है. उन्हें 51.2 फीसदी वोट मिले, जबकि उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी एडमंडो गोंजालेज 44.2 फीसदी वोट पाकर दूसरे स्थान पर रहे. राष्ट्रपति मादुरो की यह जीत सुनिश्चित करती है कि बोलिवेरियन क्रांति की प्रक्रिया कई चुनौतियों का सामना करते हुए आगे बढ़ेगी. इससे पहले, 1999 में ह्यूगो चावेज़ को एक जन लोकतांत्रिक आंदोलन के चलते राष्ट्रपति चुना गया था, यह तब हुआ था, जब वेनेजुएला नवउदारवादी नीतियों के जाल में फंसकर तबाह हो चुका था. नवउदारवादी परियोजना के दायरे में वेनेजुएला के फंसने के कारण 1999 तक वेनेजुएला की राजनीतिक अर्थव्यवस्था (और इसके तेल संसाधन) घरेलू पूंजीपति वर्ग की जूनियर भागीदारी के साथ अमेरिकी साम्राज्यवाद (जो मेट्रोपॉलिटन कैपिटल पर हावी थी) द्वारा निर्धारित मापदंडों के भीतर काम कर रही थी. जब 1999 में राष्ट्रपति चावेज़ चुने गए तो अमेरिकी साम्राज्यवाद के तहत काम करने वाली मेट्रोपॉलिटन केपिटल (और अमेरिका की घरेलू जूनियर साझेदार थी) ने मान लिया था कि उनके आंदोलन को नवउदारवादी परियोजना में शामिल करके सहयोजित किया जा सकता है. हालांकि तब ऐसा नहीं हुआ तो मेट्रोपॉलिटन कैपिटल और उसके जूनियर साझेदारों ने 2003 में एक सैन्य तख्तापलट की साजिश रची, जिसे एक लोकप्रिय जन-विद्रोह ने पराजित कर दिया, जिसमें सशस्त्र बलों के व्यापक रैंक भी शामिल थे. संघर्ष के इस अनुभव के दौरान, बोलिवेरियन क्रांति राजनीतिक-संगठनात्मक रूप से तीसरे रास्ते की खोज (जो पूंजीवादी व्यवस्था और 20वीं सदी के समाजवादी प्रयोगों दोनों से अलग थी) से 20वीं सदी के समाजवाद की ओर बढ़ी. यह वह दौर भी था, जब बोलिवेरियन क्रांति की प्रक्रिया में वेनेजुएला में वामपंथी और लोकतांत्रिक ताकतों की एकता शामिल थी, जिसे कोलेक्टिवो पर आधारित क्रांतिकारी संगठन द्वारा बल दिया गया था. मेट्रोपॉलिटन कैपिटल के (अमेरिकी साम्राज्यवादी आधिपत्य के तहत काम करने वाली) वेनेजुएला के खिलाफ छेड़े गए आर्थिक युद्ध के कारण प्रति व्यक्ति आय (और प्रवासन) में तेज गिरावट आई, जिसे धीरे-धीरे उलट दिया जा रहा है. बोलिवेरियन क्रांति की प्रक्रिया (जिसके भीतर यह अंतर्निहित है) के साथ कल्याणकारी व्यवस्था के अस्तित्व ने एकतरफा प्रतिबंधों से प्रेरित आर्थिक संकट की गंभीरता को कामकाजी लोगों की भलाई में आनुपातिक गिरावट में प्रसारित होने से रोका है. अमेरिकी साम्राज्यवाद के सीधे इशारे पर काम करने वाली मेट्रोपॉलिटन कैपिटल ने एकतरफा प्रतिबंध लगाए, और अन्य बातों के अलावा, तेल उद्योग से संबंधित मशीनरी और अन्य इनपुट के विदेशी आपूर्तिकर्ताओं को तेल उत्पादन क्षमता की मरम्मत और उन्नयन से रोका. चीन में सेमीकंडक्टर उत्पादन के संबंध में कुछ ऐसा ही प्रयास किया जा रहा है, लेकिन उसमें कम सफलता मिली है, क्योंकि चीन न केवल सेमीकंडक्टर की विश्व मांग का सबसे बड़ा स्रोत है, बल्कि यह दुनिया में हर महत्वपूर्ण नवाचार की आधारभूत अर्थव्यवस्था भी है. 2022 से रूस के संबंध में भी कुछ ऐसा ही प्रयास किया जा रहा है, लेकिन रूस विश्व तेल बाजार के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और इसलिए महानगरीय पूंजी के लिए रूसी तेल निर्यात में कमी करना महानगरीय पूंजी का उद्देश्य नहीं है. इसके बजाय, रूसी तेल निर्यात पर तेल मूल्य सीमा लागू करने का महानगरीय पूंजी का प्रयास पूरी तरह विफल रहा है. विडंबना यह है कि तेल की कीमतों के कारण रूसी तेल निर्यात आय को कम करने में असमर्थता ने मेट्रोपॉलिटन कैपिटल को वेनेजुएला के तेल निर्यात पर अत्यधिक दबाव नहीं डालने के लिए मजबूर किया है. ऐसा इसलिए है क्योंकि वेनेजुएला के तेल निर्यात पर इस तरह के अत्यधिक दबाव से विश्व तेल की कीमतें बढ़ेंगी और इसलिए रूसी तेल निर्यात से आय बढ़ेगी. मेट्रोपॉलिटन कैपिटल को ये झटके समकालीन अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक अर्थव्यवस्था में शक्तियों के बदले हुए रणनीतिक सहसंबंध को दर्शाते हैं. यह भी खेदजनक है कि बोलिवेरियन क्रांति की प्रक्रिया वेनेजुएला की वामपंथी और लोकतांत्रिक ताकतों की एकता को अपेक्षित सीमा तक बनाए रखने में असमर्थ रही है. हालांकि यह काफी मेहनत और समय लेने वाली प्रक्रिया है, लेकिन वामपंथी और लोकतांत्रिक ताकतों के विभिन्न घटकों के बीच निरंतर बहस, चर्चा और सत्ता के बंटवारे की यह प्रक्रिया बोलिवेरियन क्रांति की प्रक्रिया को और अधिक टिकाऊ बनाएगी. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

संघर्ष के इस अनुभव के दौरान, बोलिवेरियन क्रांति राजनीतिक-संगठनात्मक रूप से तीसरे रास्ते की खोज (जो पूंजीवादी व्यवस्था और 20वीं सदी के समाजवादी प्रयोगों दोनों से अलग थी) से 20वीं सदी के समाजवाद की ओर बढ़ी. यह वह दौर भी था, जब बोलिवेरियन क्रांति की प्रक्रिया में वेनेजुएला में वामपंथी और लोकतांत्रिक ताकतों की एकता शामिल थी.

मीडिया में अन्यत्र

उम्मीद से नाउम्मीदी तक: शेख हसीना के बाद बांग्लादेश

भीड़ द्वारा आगजनी और तोड़फोड़ से कुछ ही क्षण पहले ढाका से अपने नाटकीय पलायन के साथ, बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के पास ठहर कर यह सोचने का समय होगा कि वह क्या था, जिसके चलते यह अल्प-प्रत्याशित घटना हुई. एक समय लोकतंत्र के लिए लड़ाइयों में बांग्लादेश के युवाओं की उम्मीद और बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था में जान फूंकने वाली प्रधानमंत्री रहीं शेख हसीना को आखिरकार छात्रों के सबसे बड़े दुश्मन के रूप में देखा गया और बीते दो महीनों में हुए प्रदर्शनों में 300 से ज्यादा मौतों के लिए जिम्मेदार ठहराया गया. वर्ष 2009 में आतंकवादी शिविरों पर अपनी कड़ी कार्रवाई, अपराधियों को भारत को सौंपने और कट्टरवाद के खिलाफ अपने अभियान के लिए वह सराही गयीं, लेकिन जोर-जबर की इसी तरकीब का इस्तेमाल अपने विरोधियों पर करने के लिए हाल में उनकी लानत-मलामत ही ज्यादा हुई. आरक्षण को लेकर जुलाई में शुरू हुआ छात्रों का विरोध अंतिम कील रही हो सकती है, लेकिन चुनाव में धांधली और मीडिया को दबाने के आरोपों और नेताओं, पत्रकारों व एक्टिविस्टों को फर्जी आरोपों में जेल भेजने को लेकर गुस्सा पिछले दशक से ही पनप रहा था. जनवरी में चौथे कार्यकाल के लिए चुनाव जीतने के बाद भी शेख हसीना उसी राह पर चलती रहीं. जिस नोबेल विजेता और ग्रामीण बैंक के संस्थापक मोहम्मद यूनुस के खिलाफ मुकदमे कायम किये गये और जेल भेजा गया, अब उनके अंतरिम सरकार का प्रमुख बनने का अनुमान है. शेख हसीना की कार्रवाइयों और असहमति को कोई भी स्थान देने से उनके इनकार ने उस विरासत को धूमिल कर दी है, जो उन्हें सबसे प्रिय है. यह विरासत उनके पिता, बांग्लादेश के बहुत-अजीज संस्थापक शेख मुजीबुर्रहमान की है, जिनकी मूर्तियां अब मलबे के बीच खड़ी हैं.

इसमें कोई शक नहीं कि भीड़ की इस चरम हिंसा व प्रदर्शनों को राजनीतिक समर्थन था और शायद पाकिस्तान एवं अमेरिका के तत्वों का प्रोत्साहन था. इन दोनों देशों के अवामी लीग सरकार के साथ तनावपूर्ण रिश्ते थे. ज्यादा चिंताजनक बात इस्लामी समूहों की बड़ी भागीदारी है जिससे वह धार्मिक सहिष्णुता और धर्मनिरपेक्षता प्रभावित हो सकती है, जिसे शेख हसीना ने अपने 15 साल के कार्यकाल में लाने की कोशिश की थी. भारत के लिए, इनमें से हरेक नतीजा आत्ममंथन का कारण बनना चाहिए. नयी दिल्ली शेख हसीना को खामियाजे की सलाह दे पाने में विफल रहकर, बांग्लादेशी विपक्षी सदस्यों के खिलाफ उनकी कार्रवाइयों में सहभागी भर नहीं थी. वह विपक्षियों के साथ संवाद बना पाने में भी नाकाम रही और ढाका की सड़कों पर अपनी साख गंवा दी. **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

ठिकाना/ठीक

मुसाफिर हूं यारो, न घर है ठिकाना, मुझे चलते जाना है, बस चलते जाना. यह सन् 1972 में आयी फिल्म परिचय के एक गाने का मुखड़ा है, जिसे किशोर कुमार ने अपने जबर्दस्त अंदाज में गाया है. इस गीत में कवि एवं गीतकार गुलजार ने उस मस्त मुसाफिर की मनोवृत्ति का चित्रण किया है, जिसका कहीं कोइई ठिकाना नहीं है. ठिकाना हिंदी भाषा का संज्ञा पुल्लिंग और बहु प्रचलित शब्द है. शब्दकोशों के अनुसार ठिकाना का मतलब है रहने या ठहरने की जगह वासस्थान, आश्रय या निर्वाह का स्थान, गुजर करने की जगह, स्थिरता, ठहराव, आयोजन, प्रबंध, बंदोबस्त, उपाय, अस्तित्व की दृढ़ता, भरोसा, जागीर, सीमा, हद, अंत, किसी कथन की प्रामाणिकता. सकर्मक क्रिया के रूप में ठिकाना का मतलब है ठहरने या टिकने में प्रवृत्त करना, गुप्त रूप से छिपाकर ले लेना, अपने पास ठहरा लेना, किसी स्त्री को उपपत्नी बनाकर रख लेना. वह इतना झूठ बोलता है, जिसका ठिकाना नहीं. उसकी दौलत का कहीं ठिकाना है. इन दोनों वाक्यों में प्रयोग में आये ठिकाना शब्द का आशय पारावार, हद और अंत के रूप में ही समझा जाता है. इस शब्द से बहुत सारे मुहावरे बने हैं, जो प्रचलन में भी हैं. उदाहरण के लिए किसी के होश ठिकाने नहीं रहते तो किसी की बुद्धि ठिकाने पर नहीं रहती. किसी को खाने का ठिकाना नहीं है. कोई ठिकाना ढूंढता है तो कोई किसी को ठिकाना लगाने के लिए घात लगा कर बैठा है. अगर ऐसा है तो ठीक नहीं है. ठीक मूलतः विशेषण शब्द है, जो कई रूपों में विचरण करता है और गलत को भी ठीक कर देता है. इसका मतलब है उपयुक्त, सही, उचित, मुनासिब, प्रामाणिक, भला, अच्छा, मनोनुकूल, यथार्थ, अभ्रांत, बंधा हुआ, नियत, न कम-न ज्यादा, जो दुरुस्त हो, जिसमें शुद्धता हो. संज्ञा पुल्लिंग के रूप में ठीक का मतलब है निश्चय, प्रबंध, बंदोबस्त, आयोजन, व्यवस्था, योग, जोड़. क्रिया विशेषण के रूप में ठीक का मतलब नियत समय पर, उचित रीति से, प्रमाणिक ढंग से, हूबहू, ठहराव.

धीरे धीरे लोग होते चले गये अमूंछवादी

• तीर-तुक्का

डॉ. एसके पाण्डेय

कुछ भी हुआ हो, धीरे-धीरे लोग अमोक्षवादी के साथ-साथ अमूंछवादी भी हो गये, लेकिन आरम्भ में बड़े-बूढ़ों के लिए यह असहनीय था. बाद में वो भी इसके आदी हो गये. बहुत से लोग जो जवानी में कभी पानी लगा-लगाकर मूंछे एंठते थे, वे भी बुढ़ापे में छिला बैठे. एक बाबाजी अस्सी की उम्र में पहली बार मूंछ छिलाकर निकले. किसी ने पूछा -अरे आप भी छिला दिए. बोले, सुना है मूंछों का भी साइड इफेक्ट होता है. छीलने के बाद पता चला कि मूंछों के रहने से बुढ़ापा भी जल्दी आ जाता है. आज की पीढ़ी सच में बहुत चालाक है. हम पहले जो भी खाते-पीते थे, आधा पेट में जाता था और आधा मूंछों में ही टंगा रहता था. भूंखे रहने से लाख गुना बेहतर है कि मूंछों का ही कत्ल कर दिया जाय. खैर पहले जमाने में मूँछों का छिलाना बाप की मौत के बाद ही होता था. लेकिन आज लडकों को बाप की ज्यादा जरूरत नहीं रह गयी है. अगर बाप के पास कुछ दाम है तो उसका काम है. लेकिन बाप से कोई विशेष काम नहीं रहता. कोई भी वाद हो या वादी उसे लोग आसानी से कबूल नहीं करते. शुरू में अमूंछवादियों को भी काफी कुछ सहना पड़ा. जब शर्मा जी का लड़का पहली बार मूंछ छिलाकर आया. तो वे लड़ाई-झगड़े पर भी उतारू हो गये. वे पहले से ही मानते थे कि उनका लड़का नालायक है. शर्मा जी के अनुसार उस दिन उसने इसी का एक बड़ा सबूत पेश कर दिया था. शर्मा जी बोले कि गीध के मनाने से जानवर नहीं मरते. तुम क्या समझते हो कि तुम्हारे ऐसा करने से मैं जल्दी मर जाऊंगा? ऐसा हरगिज नहीं होगा. उन्हें इस बात की शंका थी कि लड़का उनके जल्दी मरने के लिए ऐसा कर रहा है. लड़का बोला कि आप तो लकीर के फकीर ही रहेंगे. आपको पता नहीं है कि आज नेता से अभिनेता तक, लेखक से लेखपाल तक, ज्ञानी, विज्ञानी से लेकर अज्ञानी तक, डॉक्टर से लेकर मास्टर तक , गरीब-अमीर, मूर्ख-विद्वान और संत-महंत तक सभी बिना मूंछ के हो गये हैं. तो अगर मैंने भी छिलवा दिया तो कौन सा पाप कर डाला? आगे बोला कि इसका बहुत बड़ा साइड इफेक्ट होता है. युवाओं को तो इससे बहुत बड़ा खतरा है. यह साबित भी हो चुका है. तितलियां कभी भी काटों व झाड़-झंखाड़ की ओर भूल कर भी नहीं देखतीं. एक दिन उसे समझाने की गरज से बोले कि क्या मैं तुम्हारा बाप नहीं हूं? लड़का आधुनिक ज्ञानी था. शंका युग भी चल ही रहा है. वह बोला मुझे क्या पता? शर्मा जी दो दिन तक न बोले, न खाना खाए. बाद में वह रोज दिन में दो बार यानी सुबह और शाम, उन्हीं के सामने छीलने लगा. मूंछें गयीं और कुछ पुरुष लम्बी-लम्बी चोटी भी रखने लगे. जब ये रंगीन कपड़े पहनकर निकल पड़ते हैं, तो पीछे चोटी ऊपर से बिना मूंछ देख कुछ मनचले सीटी बजा बैठते हैं. पता चलने पर गाली देते हैं और पछताते हैं. खैर जो शुरुआत में रात-विरात होता था. वही आज दिन में होने लगा . धीरे-धीरे ही सही, लेकिन लोग अंततः हिम्मत जुटा ही लिए. बूढ़े छीलकर दर्पण देखते हैं, तो पूरा-पूरा जवान भले ही न दिखें. लेकिन आत्मसंतुष्टि तो मिलती ही है.

बरसात का बादल तो दीवाना है क्या जाने!

लंबे इंतजार के बाद बारिश आई तो तथाकथित सभ्रांत लोग सोशल मीडिया पर बारिश का रोना शुरू कर दिए कि ओह! कब बंद होगी बारिश! अरे लंबे इंतजार के बाद बरसात हो रही, बरसने दीजिए. मौसम का आनंद लीजिए. तर होने दीजिए माटी के संग तन-मन को. अंकुरन और सृजन की प्रक्रिया यहीं से शुरू होगी, माटी में भी और मन में भी. हमने बात की कुछ बारिश के दीवानों से जो भले उम्र में चालीस-पचास दशक में हैं पर मन वहीं अटका है कागज की कश्ती, घोघो रानी और छई छपाक में. उमड़ते-घुमड़ते बादलों और बारिश की बूंदों को वे उसी शिद्दत से आज भी जीते हैं-

चकाचकैया, बाग के मकइया और घोघो रानी के वे दिन

रमा खलखो

तब हमारे प्रभात तारा स्कूल से एचईसी जहां हमारा क्वाटर था, के लिए पांच बसें जाती थीं, पर बारिश के दिनों में जान कर छुट्टी के बाद बस को हम मिस कर देते थे. इसके बाद स्कूल झोला को पिट्ठू बनाकर पीठ पर लाद कर और छाते में जूते टिका कर खुले पांव में छप-छपाक करते एचईसी के बच्चों के संग चकाचकैया, बाग के मकइया. गाते हुए घोघो रानी को माचिस के खाली डिब्बे में सहजते घर आना. घोघो रानी जानते हैं ना आप? अरे वही लाल रंग का नन्हा सा मखमली कीड़ा जिसे अपने पास रखना और क्लास में बच्चों के सामने झोले से निकाल कर दिखाना क्या अमीरी हुआ करती थी हमारी.

बारिश के साथ याद आता है बरसाती अमरुद को चुरा कर खाना. जी हां, बरसाती अमरूद जिसे खाते हुए आप आज नाक-भौं सिकोड़ते होंगे कि अरे उसमें कीड़े हो सकते हैं. पर हम इसे काट कर नमक-मिर्च मिला कर दोस्तों के साथ जब खाते तो तब यकीनन मजा उससे अधिक होता था जो आज बच्चे साथ पिज्जा-बर्गर की पार्टी करते हुए पाते होंगे. अमरुद के पेड़ तो तब एचईसी क्वाटर में हमारे घर के पिछवारे में भी थे, पर अपने पेड़ का अमरूद खाने में भला क्या मजा. बारिश के मौसम में कर्कट की भीगी छत पर नंगे पांव चढ़ना जब पल-पल पर फिसलने का डर बना होता था, पर हम तो थे ही खतरों के खिलाड़ी, जिनका पेड़ होता था उस परिवार के सदस्यों से छिपा कर उनके ही घर में घुस कर चोरी छिपे अमरूद तोड़ते, गमझे, झोले में जमा करते और फिर मजे से खाते.

मां-पिताजी जब खेतों में रोपनी के लिए जाते थे तो हम भी डिब्बा लेकर साथ जाते और रोपनी करते, डिब्बे में केकड़ा जमा करते. कभी खुखड़ी, रुगड़ा चुनते आह वे भी क्या दिन थे. पर कहते हैं ना कि बचपन की शरारत और भोजन, दोनों बुढ़ापे तक असर दिखाती है, सो आज भी बारिश के साथ मन मचलता है. कंक्रीट के जंगल में रहते हुए भी छई-छपाक की मस्ती के मौके निकाल ही लेती हूं. बारिश आती है तो उम्र के 52वें-53वें साल में भी वही अल्हड़ मस्ती के भाव बादलों के संग मन-आंगन में छा जाते हैं.

वो कागज की कश्ती, वो सोंधी सी यादें

कोई मुझसे पूछे कि क्यों होता है बारिश का इंतजार तो मैं एक नहीं, सैकड़ों कारण गिनवा सकती हूं. अव्वल तो मुझे बारिश की बूंदों को देखना, बारिश की आवाज सुनना और उसमें भीगना... तीनों ही बहुत पसंद है. बारिश मेरा पसंदीदा मौसम है.

रश्मि शर्मा

बचपन में भीगने पर डांट पड़ती थी तो स्कूल जाते समय छाता जरूर लगाती, मगर क्या मजाल कि घर लौटने समय कभी छतरी खोल लूं. कैसे भींगी-इस सवाल के रोज नए जवाब तैयार होते थे. भीगने का आनंद वही समझ सकता है, जो बारिश की बूंदों का लुत्फ उठाना जानता हो.

और पीछे जाऊं तो वो दौर देखा है मैंने जब भरपूर बारिश होती थी. बरसात का तेवर ऐसा कि दोपहर तक धूप निकलती और शाम होने से पहले बारिश. यह रोज का ही नियम था. बचपन में कागज की नाव बनाकर पानी की धार में छोड़ना, उसके पीछे भीगते हुए दूर तक भागना याद आता है.

जब बारिश थम जाती तो हम बच्चे पूरे मैदान का मुआयना करते और मखमली घोघो रानी पकड़कर माचिस की डिबिया में रखते. शाम को बरामदे में दादी के साथ मिलकर बोरसी में आग सुलगाते. दादा जी काम से लौटते तो पहले हाथ तापते क्योंकि उन दिनों बरसात में तापमान भी बहुत कम हो जाता था.

बिजली की चमक और गर्जन की तेज आवाज से डरकर हम दादा जी के पास दुबक जाते. बोरसी की आग में दादी मकई पकाती और उसकी सोंधी खुशबू और नींबू, नमक,मिर्च के साथ स्वाद लेते हुए खाते और दादा जी के किस्से सुनते रहते. कई लोगों के लिए बारिश परेशानी का कारण होता है, मगर मुझे बचपन से ही इसमें आनंद आता है. काले मेघ जब आसमान को घेरते हैं तो एक मयूर की तरह मेरा मन भी नाच उठता है. बूंदों का पत्तियों पर ठहरना, कांपना और गिरना...मैं मंत्रमुग्ध होकर देखती हूं. बारिश के मौसम में पेड़-पौधे एकदम चटख हरे रंग के दिखने लगते हैं तो अपना झारखंड और खूबसूरत लगने लगता है. देर रात जब बारिश होती रहे तो चुपचाप उसकी आवाज सुनना आपको एक अलग दुनिया में ले जाता है. जब पहाड़ बादल की बाहों में होते हैं, तब देखिए वो दृश्य...क्या मजाल कि आपकी पलकें झपक जाए. फुहारों में भीगकर खराब से खराब मूड भी अच्छा हो जाता है, शर्त यही है कि सब भूलकर केवल बारिश का मजा लें.

आकाश में बादल देख कर झूमता मन मयूर

सावन हमेशा ही मेरा मनभावन रहा है. बचपन से ही बारिश में भीगना, कूदना, छपाक करना प्रिय शगल रहे हैं. सावन है तो बदरा छाएंगे, बदरा हैं तो पपीहे की पिहू और मोर याद आना स्वाभाविक है. पपीहे की इसलिए कि उसे बरसात में स्वाति नक्षत्र का पानी ही भाता है. कहते हैं ऐसा. मोर बादलों को देखकर नाचता है. बस, कुछ ऐसा ही मेरा मन भी है, आकाश बादलों से घिरा और मन मयूर नाचा. अक्सर हम बारिश में लॉन्ग ड्राइव पर जाते हैं. बारिश में हम ही नहीं बल्कि यह प्रकृति भी धुली-धुली-सी इठलाती नजर आती है.

वीना श्रीवास्तव

मेरी ठुड्डी के नीचे एक गहरा निशान है जो बचपन में बारिश में छपाक करने, कूदने, नहाने का प्रमाण है. बारिश में कूद-कूदकर भीगती और पक्की फर्श पर स्लिप हो जाती थी. फिर अस्पताल में टांके लगते. वो दर्द काफी समय रहता लेकिन अगली बारिश तक उड़नछू हो चुका होता. चार बार टांके लगे.

बारिशों में कॉलेज जाते समय मम्मी छाता देती और मैं बहाने से छोड़ देती यानी भूल जाती थी. बारिश में हम भीगते हुए रिक्शे से नहीं, पैदल घर आते थे. मम्मी को बाद में पता चला कि यह छाता जानबूझ कर भूलती है. एक बार मैं छाता छोड़के कॉलेज चली गई. एक सहेली जो पास में ही रहती थी, उसको उसके पापा छोड़ने वाले थे. मम्मी उसे छाता देने गईं तो वो बोली जब वो भूल गई तो मैं क्यों लेकर जाऊं? मम्मी ने कहा कि वह भीग जाएगी तो बोली भीग जाएगी तो क्या हुआ, हमें अच्छा लगता है और वो मुझ पर गुस्सा होगी क्यों छाता लेकर आई. इस तरह हमारी पोल खुल गई.

इंदौर का बड़ा प्यारा वाकया है. हम कालिंदी कुंज में शिफ्ट ही हुए थे. बारिश हो रही थी. आदत के मुताबिक मैं और राजेंद्र छत पर चले गए भीगने. कुछ देर बाद नजर पड़ी, तीन-चार घर छोड़कर सामने एक बेटी मोबाइल से हमारे फोटो खींच रही थी. हमें देखा तो तुरंत चली गई. अजीब भी लगा. हम नीचे आए. फिर चेंज करके उसके घर गए. हमने दरवाजा खटखटाया तो उसकी मां निकली बोली बेटी से गलती हो गई. उसको फोटो नहीं खींचने चाहिए थे. उसी ने बताया कि वही आंटी-अंकल आए हैं. वो डरी हुई थी. आके बोली 'सॉरी, आंटी हम आगे से फोटो नहीं खींचेंगे. हमें फोटो नहीं खींचने चाहिए थे'. उसकी मां ने कहा बेटी से गलती हो गई है. किसी की प्राइवेसी में दखल नहीं देना चाहिए. आगे से ऐसा नहीं होगा. हम दोनों मुस्करा रहे थे. हमने कहा माफ तभी करेंगे जब हमें फोटो दोगी. हम भी तो देखें फोटो कैसी आई हैं. कैसी फोटोग्राफी है तुम्हारी? वो खुश हो गयी, बोली घर आके आपके कम्प्यूटर में ट्रांसफर कर दूंगी. उसके बाद से उनसे बहुत अच्छी दोस्ती हो गई.

एहो धानी रोपनियां तोहरा से ना होहिएऽऽ

मेरी यादों के जेहन में तो सावन मतलब थोड़ी ही सही, पर कीचड़ भरे खेतों में धान रोपने से है. मुझे आज भी याद है 35 साल पुरानी वह बातें, जब विमेंस कॉलेज जाने के दौरान, मैं और मेरी सहेलियां रिक्शे से उतरकर कीचड़ भरे खेतों में जा पहुंचती थीं जहां औरतें धान रोप रही होती थीं. हम सहेलियों को देख खेत पर आने से हमें मना भी करती थी कि आप लोगों से रोपा नहीं होगा. पर हमारी भी जिद् थी, हम लोग अपने कपड़े को थोड़ा ऊपर बांध कीचड़ भरे खेतों में उतर पड़ते थे. कभी-कभी तो पैरों में केंचुए का रेंगना महसूस होता था, पर हम सखियां हो-हल्ला कर कुछ न कुछ रोपा कर ही लेती थीं. जहां लोकल ग्रामीण औरतें लोकगीत में हमारे लिए गातीं थीं कि...एहो धानी रोपनियां तोहरा से ना होहिएऽऽ/तू सब हउए इंग्लिश मीडियम जनी/ रोपनीय तोहरा से ना होहिए... खेत के बगल में ही एक छोटा सा कुंआ था. वहां से बाल्टी से पानी खींचकर हाथ पैर धोकर फिर अपने एम एस सी क्लासेस के लिए निकल पड़ते थे. तब कॉलेज जाने के रास्ते में खेत दिखा करते थे, अब जैसे फ्लैट्स नहीं थे.

बिंदु प्रसाद रिद्धिमा

क्या मस्ती भरे दिन थे वे? बहुत याद आते हैं, वो सावन में सहेलियों के साथ धान रोपने के दिन, अब भी सावन में, मैं अपने घर के ठीक बगल में हमारी एक छोटी सी खेत पर, मैं हर साल ज़रूर खेत की पूजा करती हूं और धान लगाने जाती हूं. इसलिए सावन का मुझे हमेशा इंतजार रहता है और ताउम्र रहेगा.

जब पानी बहा ले गया मेरी चप्पल

सावन की फुहारें जहां बरसात के भीगे-भीगे समां के कारण मन और भावनाओं को नशीला बना देता है वहीं इन दिनों धर्म का पवित्र वातावरण पूजा-पाठ के लिए प्रेरित करता है. दो प्रवृत्तियां लेकिन मौसम एक. एक ओर सावन भोलेनाथ को प्रसन्न करने का महीना है तो दूसरी ओर मौसम की ठंडक दो दिलों में प्यार घोलने का काम करती है. एक ओर भाई-बहन का स्नेह आलोड़ित होता है रक्षाबंधन के रूप में तो दूसरी ओर देशभक्ति का रस बरसता है 15 अगस्त के रूप में.

डॉ राजश्री जयंती

मेरे बचपन की यादों में सावन का एक विशेष स्थान है. बारिश में छपछप करते हुए स्कूल से घर वापस आना, कागज़ की नाव बना कर उके पीछे पीछे चलते जाना, ओले पड़ने पर छत पर जा कर उनको बटोरना फ़िर उसे खा लेना. सबसे ज़्यादा आनंद आता था बारिश में नहाने में. जैसे जैसे बड़े होते गए ये सब छूटता गया. बचपन की बारिश और उसका आनंद सब हवा हो गए. हां एक घटना याद आ रही है. जुलाई महीने में मैं और मेरी सखियां, सखा सब घर की ओर जा रहे थे. रास्ते में झमाझम बारिश. सब ख़ूब भीगे. बहते पानी में मैं छपाछप कर रही थी. मेरी एक चप्पल बह गई. उससे पकड़ने के चक्कर में सब दूर तक भागे लेकिन चप्पल नहीं मिली. घर में डांट मिलने का डर अलग सता रहा था. खैर घर पहुंची ख़ूब डांट सुनी.

आज भी जब कभी फुर्सत होती है छत पर भीगने जाती हूं. मन मयूर नाचने लगता है. मजा.आता है. रेनी डे आउट भी करती हूं. लेकिन अब कभी कभी लगता है. बारिश और मेरे बचपने के बीच उम्र का फासला आकर खड़ा हो गया. लगता है मेरे बचपन और बारिश के बीच बहुत कुछ आ गया. धर्म की पवित्रता और रिश्तों की सुंदरता के साथ सावन को आने दो, झूम कर आने दो.

बारिश में प्रेयसी का हाथ थाम कर भीगना

बचपन में स्कूल से लौटते वक्त जब बारिश शुरू होती, हम बिना छाते के भीगते घर लौटते. हम बरसाती नालों में छोटी-छोटी कागज़ की नावें बनाकर छोड़ते और देखते कि किसकी नाव सबसे दूर तक जाएगी. घर आकर मां के हाथों के बने गरम पकौड़े और चाय का स्वाद आज भी याद है. उस समय की बेफिक्री, वह मासूमियत और वह खुशी - शायद ही कभी वापस आ पाए.

दिलीप ठाकुर 'अमर'

फिर आया कॉलेज का दौर. मेरी प्रेयसी सफेद कुर्ते में, भीगे बालों को संवारती किसी परी से कम नहीं लगती थी. जैसे ही मुझे देखती, उसकी आंखों में एक चमक आ जाती और चेहरे पर मुस्कान और लज्जा की रौशनी फैल जाती. हमने बिना एक-दूसरे से कुछ कहे, बारिश में हाथ थामे घूमते. हम बिना किसी छाते के भीगते रहते, मानो यह पल कभी खत्म न हो. एक-दूसरे के साथ बिताए गए वो पल कितने खास थे, यह कहना मुश्किल है. अब वह इस जहां में नहीं. उस जहां से बारिश की कुछ ठंडी फुहारें मानो भेजती हो, खासकर सावन में. रूह भीगती है अब तो.

जीवन के पांच दशकों के इस सफर में, बहुत कुछ बदला है, लेकिन कुछ चीजें वहीं की वहीं रही हैं. उनमें से एक है बारिश के पहले दिन का आनंद लेना और हारमोनियम पर राग मियां मल्हार का तराना छेड़ना. आज भी, जैसे ही बारिश शुरू होती है, मैं अपने बरामदे में जाता हूं और खुलकर भीगता हूं. शाम होते होते बारिश की झर-झर की आवाज और भी मधुर हो जाती है. ऐसे में मैं हारमोनियम के साथ राग मियां मल्हार का तराना छेड़ देता हूं.

राग मियां मल्हार, जिसे मानसून का राग भी कहा जाता है, बारिश के मौसम का सबसे उपयुक्त राग है. जब मैं इस राग को गाता हूँ, तो हारमोनियम की तान और बारिश की रिमझिम, दोनों मिलकर एक ऐसा माहौल बनाते हैं जो दिल को सुकून और खुशी से भर देते हैं और दिल गा उठता है.

"अजहूं ना आये बालमा, सावन बीता जाय..."

एक शेर याद आता है

"बारिश हो नगमात की मुझपर, जब इसकी आवाज़ सुनूं

जी करता है इस बारिश में जनम -जनम तक भीगूं मैं."

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

मनु भारत में करोड़ों युवाओं को प्रेरित करेंगी : मंत्री

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कांग्रेस नेता दीपेंद्र हुड्डा के साथ मनु भाकर. खेल मंत्री मांडविया ने मनु भाकर को 30 लाख का पुरस्कार प्रदान किया.

भाषा। नयी दिल्ली

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने बृहस्पतिवार को कहा कि पेरिस ओलंपिक में पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर की दो कांस्य पदक जीतने की उपलब्धि युवाओं की एक पूरी पीढ़ी को इस खेल को अपनाने और गौरव हासिल करने के लिए प्रेरित करेगी. 22 वर्षीय मनु एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली स्वतंत्र भारत की पहली खिलाड़ी बनीं. उन्होंने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य पदक जीता और फिर सरबजोत सिंह के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में भी कांस्य पदक हासिल किया. मनु ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज भी बनीं. मांडविया ने एक्स पर लिखा, पेरिस ओलंपिक 2024 में दो कांस्य पदक जीत कर स्वदेश लौटीं देश की बेटी मनु भाकर से मिलकर उन्हें इस ऐतिहासिक जीत के लिए बधाई व शुभकामनाएं दीं. उन्होंने लिखा, मनु भाकर की यह सफलता भारतीय खेल जगत के करोड़ों युवाओं को प्रेरित करेगी. पूरे देश को उन पर गर्व है. खेल मंत्री ने मनु, उनके पिता राम किशन और निजी कोच जसपाल राणा के साथ बातचीत की तस्वीरें भी साझा कीं. मनु ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने के बाद बुधवार को भारत लौटीं जहां उनका जोरदार स्वागत हुआ.

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता कुसाले का स्वागत

भाषा। पुणे

पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले निशानेबाज स्वप्निल कुसाले गुरुवार को महाराष्ट्र के पुणे शहर पहुंचे, जहां उनका भव्य स्वागत किया गया. कुसाले ने पिछले हफ्ते 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में पहला ओलंपिक कांस्य पदक जीता था. सुबह पुणे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पारंपरिक ढोल-ताशा की थाप के बीच लोगों ने कुसाले का स्वागत किया. पश्चिमी महाराष्ट्र के कोल्हापुर के कुसाले ने इसके बाद शहर के बीचों-बीच स्थित प्रसिद्ध श्रीमंत दगडूशेठ हलवाई गणपति मंदिर में पूजा-अर्चना की. शहर के बालेवाड़ी स्थित श्री शिव छत्रपति खेल परिसर में शूटिंग रेंज में उन्हें सम्मानित किया जाएगा. कुसाले के कांस्य पदक जीतने के बाद महाराष्ट्र सरकार ने उन्हें एक करोड़ रुपये का

प्रसिद्ध गणेश मंदिर में दर्शन किए

पुरस्कार देने की घोषणा की. मध्य रेलवे ने भी कुसाले को पदोन्नत कर विशेष कार्य अधिकारी नियुक्त किया है. वह 2015 में मध्य रेलवे के पुणे डिवीजन में 'कमर्शियल कम टिकट क्लर्क' के पद पर शामिल हुए थे.

कुसाले ने इससे पहले 2023 में चीन में एशियाई खेलों में, 2022 में बाकू में हुए विश्व कप और 2021 में नयी दिल्ली में स्वर्ण पदक जीते थे.

पेरिस ओलंपिक 2024 पदक तालिका

देश	गोल्ड	सिल्वर	कांस्य	कुल
1. अमेरिका	27	35	33	95
2. चीन	26	24	17	67
3. ऑस्ट्रेलिया	18	13	11	42
4. फ्रांस	13	17	21	51
5. ब्रिटेन	12	17	20	49
6. द. कोरिया	12	08	7	27
7. जापान	12	7	13	32
8. इटली	10	11	9	30
9. नीदरलैंड	10	5	6	21
10. जर्मनी	8	5	5	18
69. भारत	0	0	4	4

धीमी-टर्निंग पिचों के लिए अलग खिलाड़ियों का चयन हो सकता है : रोहित

कोलंबो । भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि भारत जस की तस रणनीति अपनाकर भविष्य में धीमी और टर्निंग पिचों के लिए अलग खिलाड़ियों का चयन कर सकता है. श्रीलंका ने परिस्थितियों का पूरा लाभ उठाकर तीसरे और अंतिम एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में भारत को 110 रन से हराकर शृंखला जीती. यह पिछले 27 वर्षों में पहला अवसर है जबकि वह वनडे शृंखला में भारत को हराने में सफल रहा.

अंतिम पर लग सकता है तीन साल का प्रतिबंध: सूत्र

पेरिस। अपने मान्यता कार्ड से अपनी बहन को खेल गांव में प्रवेश दिलाने की कोशिश करके भारतीय ओलंपिक दल को शर्मसार करने वाली पहलवान अंतिम पंघाल को भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा तीन साल के लिए प्रतिबंधित किए जाने की संभावना है. एक सूत्र ने गुरुवार को पीटीआई को यह जानकारी दी. अंतिम बुधवार को महिलाओं की कुश्ती के 53 किग्रा भार वर्ग में अपना पहला मुकाबला हारने के बाद ओलंपिक से बाहर हो गई थीं. भारतीय दल के एक सूत्र ने बताया, आईओए के अधिकारियों ने इस मुद्दे पर चर्चा की. कोच सहित सभी पर तीन साल का प्रतिबंध लगाने पर विचार किया जा रहा है.

प्रवीण पर भ्रष्टाचार रोधी संहिता के उल्लंघन का आरोप

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने श्रीलंका के स्पिनर प्रवीण जयविक्रमा पर आईसीसी भ्रष्टाचार रोधी संहिता के उल्लंघन के तीन आरोप लगाए हैं, जिसमें मैच फिक्सिंग से जुड़ी पेशकश की रिपोर्ट नहीं करना और सबूतों को नष्ट करना शामिल है. इस 25 वर्षीय बाएं हाथ के स्पिनर ने कथित तौर पर 2021 में अंतरराष्ट्रीय मैचों के साथ-साथ लंका प्रीमियर लीग के मैच फिक्स करने के लिए की गई पेशकश की रिपोर्ट आईसीसी की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई को नहीं की थी.

ओलंपिक हॉकी : 52 साल बाद भारत ने लगातार दो ओलंपिक में पदक जीता, पीएम ने दी बधाई

स्पेन को 2-1 से हरा कर लगातार दूसरी बार भारत ने जीता ओलंपिक का ब्रॉन्ज

भाषा। पेरिस

हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने स्पेन को 2-1 से हराकर पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक अपने नाम किया. 52 साल बाद भारतीय टीम ने लगातार दो ओलंपिक में पदक अपने नाम किया है. इससे पहले टोक्यो ओलंपिक में भी टीम कांसा लाने में सफल रही थी.

भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने दो गोल किए और भारत को स्पेन के खिलाफ बढ़त दिलाई जो अंत में निर्णायक साबित हुई. भारत ने टोक्यो ओलंपिक में भी कांस्य पदक जीता था और अब लगातार दूसरी बार टीम पोडियम फिनिश करने में सफल रही है. भारत के अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश का यह आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला था और टीम ने इस दिग्गज खिलाड़ी को शानदार विदाई दी है. भारत की दीवार कहे जाने वाले श्रीजेश टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा हैं. भारत ने इस तरह ओलंपिक में हॉकी स्पर्धा में अपना 13वां पदक जीता.

भारत और स्पेन के बीच पहला क्वार्टर गोल रहित बराबरी पर रहा था. इसके बाद दूसरे क्वार्टर में स्पेन ने गोल कर बढ़त हासिल कर ली थी. हालांकि, दूसरा क्वार्टर खत्म होने से कुछ समय पहले ही हरमनप्रीत सिंह गोल कर भारत को बराबरी दिलाई.

हाफ टाइम तक 1-1 थी टीमें

दोनों टीमों के बीच हॉफ टाइम तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर चल रहा था. इसके बाद तीसरे क्वार्टर में हरमनप्रीत सिंह ने भारत को बढ़त दिलाई. चौथे क्वार्टर में दोनों टीमों ने गोल करने की काफी कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुए. हरमनप्रीत ने जहां भारत को बढ़त दिलाई, वहीं श्रीजेश ने गोल पोस्ट पर शानदार बचाव कर स्पेन को बराबरी करने से रोके रखा. 1968 और 1972 के बाद यह पहली बार है जब भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने लगातार दो ओलंपिक में पदक अपने नाम किया है. इस शानदार प्रदर्शन के बाद पीएम मोदी ने हॉकी टीम को बधाई दी और कहा- आपका शानदार प्रदर्शन.

श्रीजेश ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी से लिया संन्यास, कहा- मेरा करियर असाधारण रहा

▪ कंधे पर घुमाया खिलाड़ियों ने

पेरिस । भारतीय हॉकी टीम के दिग्गज गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने अपना अंतिम मैच खेलने से पहले कहा कि उनका अंतरराष्ट्रीय करियर असाधारण से कम नहीं रहा और उन्होंने उन पर विश्वास करने के लिए देशवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया. केरल का यहां 36 वर्षीय खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक में स्पेन के खिलाफ अपने 18 साल के लंबे करियर का अंतिम मैच खेलेगा. श्रीजेश ने एक्स पर लिखा, अब जबकि मैं आखरी बार पोस्ट के बीच खड़ा होने जा रहा हूं तब मेरा दिल कृतज्ञता और गर्व से फूलकर कुप्पा हो रहा है. सपनों में खोए रहने वाले एक युवा लड़के से भारत के सम्मान की रक्षा करने वाले व्यक्ति तक की यह यात्रा असाधारण से कम नहीं है. आज मैं भारत के लिए अपना आखिरी मैच खेल रहा हूं. मेरा हर बचाव, प्रत्येक डाइव, दर्शकों का शोर हमेशा मेरे दिल में गूंजते रहेंगे. आभार भारत, मुझ पर विश्वास करने के लिए, मेरे साथ खड़े होने के लिए. यह अंत नहीं है, यह संजोई गई यादों की शुरुआत है. हमेशा के लिए सपनों का संरक्षक. श्रीजेश ने अपने चौथे ओलंपिक खेलों से पहले ही संन्यास की घोषणा कर दी थी. उन्होंने तीन साल पहले टोक्यो ओलंपिक में भारत को कांस्य पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी. पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाज साथी खिलाड़ियों ने श्रीजेश को कंधे पर उठाकर स्टेडियम में घुमाया.

दूसरे ओलंपिक पदक से चूकीं मीराबाई, चौथे स्थान पर रहीं

▪ महज एक किलोग्राम के अंतर के कारण से तीसरे स्थान से चूकीं

भाषा। पेरिस

टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाली भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू एक समय दूसरा ओलंपिक पदक जीतने के करीब पहुंच गई थीं, लेकिन अंतिम प्रयास में असफल होने के कारण वह बुधवार को यहां महिलाओं के 49 किलोग्राम वर्ग में चौथे स्थान पर रहते हुए पदक से चूक गईं. मीराबाई ने स्नैच में 88 और क्लीन व जर्क में 111 से कुल 199 किग्रा का वजन उठाया. इससे वह महज एक किलोग्राम से पदक से चूक गईं. मीराबाई ने बाद में पत्रकारों से कहा, मैं अपने प्रदर्शन से खुश हूं क्योंकि मुझे चोट से उबरने के बाद तैयारी के लिए बहुत कम समय मिला था. मैं अभ्यास में 85 किग्रा वजन उठा रही थी और मैंने इस प्रतियोगिता में भी ऐसा किया. मैं क्लीन व जर्क में भी अच्छे प्रदर्शन के प्रति आश्वस्त थी. सब कुछ अच्छा चल रहा था और कोच ने जो कुछ कहा, मैंने उसका पालन किया. आज भाग्य मेरे साथ नहीं था, जो मैं पदक नहीं जीत पाई, लेकिन मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया.

अंशु मलिक हारीं, अब रेपेचेज की उम्मीद

पेरिस। भारतीय महिला पहलवान अंशु मलिक गुरुवार को यहां पेरिस ओलंपिक की 57 किग्रा फ्रीस्टाइल स्पर्धा के प्रीक्वार्टर फाइनल में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पांचवीं वरीय हेलेन लुसी मैरोयूलिस से 2-7 से हार गईं. अपने दूसरे ओलंपिक में हिस्सा ले रहीं अंशु को रेपेचेज में खेलने के लिए मैरोयूलिस के फाइनल तक पहुंचने की उम्मीद करनी होगी. पहले राउंड में अमेरिका की मैरोयूलिस ने शुरू से दबदबा बनाते हुए बढ़त हासिल की. इसमें अंशु काफी 'डिफेंसिव' लग रही थीं. दूसरे राउंड में भी मैरोयूलिस ने यही प्रदर्शन जारी रखते हुए पांच अंक जुटाये जबकि वापसी की कोशिश में जुटीं अंशु केवल दो अंक ही हासिल कर सकीं.

ऐसी घटना की उम्मीद नहीं की थी : हिल्डेब्रांट

भाषा। पेरिस

विनेश फोगाट को अधिक वजन के कारण 50 किग्रा में अयोग्य ठहराए जाने के बाद उस भार वर्ग का स्वर्ण पदक जीतने वाली अमेरिकी महिला पहलवान सारा एन हिल्डेब्रांट ने कहा कि वह खिताबी मुकाबले के दिन सुबह अफरातफरी के लिए तैयार थीं, लेकिन उन्होंने भारतीय खिलाड़ी के इर्द-गिर्द हुई घटना की उम्मीद नहीं की थी. विनेश को अयोग्य ठहराया गया और ओलंपिक फाइनल में क्यूबा की युस्नेलिस गुजमैन लोपेज ने उनकी जगह ली. 29 वर्षीय विनेश ने सेमीफाइनल में लोपेज को हराया था और स्वर्ण के लिए उन्हें हिल्डेब्रांट का

सामना करना था, लेकिन बुधवार की सुबह वजन करने की प्रक्रिया के दौरान उनका वजन 100 ग्राम अधिक पाया गया.

फाइनल में लोपेज को हराकर स्वर्ण पदक जीतने वाली हिल्डेब्रांट ने कहा, मैं अफरातफरी के लिए तैयार थी लेकिन इस तरह की घटना की उम्मीद नहीं की थी. टोक्यो खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली 30 वर्षीय हिल्डेब्रांट ने कहा कि उन्होंने वजन मापने के समय विनेश को नहीं देखा और कुछ समय के लिए उन्हें लगा कि भारतीय खिलाड़ी मुकाबले से हट गई है. हिल्डेब्रांट ने फाइनल के बाद याद करते हुए कहा, (विनेश) वजन मापने के समय नहीं थी इसलिए मेरे दिमाग में चल रहा था, हे भगवान, यह एक संभावना हो सकती है. फिर, हमें खबर मिली कि उसने वजन नहीं मापा और हमें लगा कि वह मुकाबले से हट गई है.

पेरिस ओलंपिक में गोल्फ मुकाबले में भारत की दीक्षा डागर.

ज्योति याराजी महिला 100 मी बाधा दौड़ से बाहर

भाषा। पेरिस

राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी भारत की 100 मीटर बाधा दौड़ खिलाड़ी ज्योति याराजी गुरुवार को यहां रेपेचेज हीट एक में चौथे स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाने से चूक गईं और पेरिस ओलंपिक खेलों से बाहर हो गईं. हीट एक में ज्योति ने 13.17 सेकेंड का समय लिया और वह अपनी हीट में सात धावकों के बीच चौथे स्थान पर रहीं. उन्होंने रेपेचेज दौर में हिस्सा लेने वाली 21 धावकों में 16वां स्थान हासिल किया. ज्योति की हीट से दक्षिण अफ्रीका की मारियोन फोरी (12.79 सेकेंड) और नीदरलैंड की मायकी जिन-ए-लिम

(12.87 सेकेंड) ने पहले दो स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई. रेपेचेज की प्रत्येक तीन हीट से शीर्ष दो धावकों ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया. पहली बार ओलंपिक खेल रही ज्योति इन खेलों की 100 मीटर बाधा दौड़ में भाग लेने वाली पहली भारतीय भी हैं. 24 साल की ज्योति का राष्ट्रीय रिकॉर्ड 12.78 सेकेंड का है और अगर वह अपने इस प्रदर्शन को दोहराती तो सेमीफाइनल में जगह बना लेती.

सुर्खियों में विनेश फोगाट के संन्यास लेने पर बजरंग पुनिया ने कहा

आप हारी नहीं, विजेता हो, आपको हराया गया...

भाषा। नयी दिल्ली

पहलवान विनेश फोगाट के पेरिस ओलंपिक में अयोग्य ठहराए जाने के बाद कुश्ती से संन्यास लेने के फैसले पर पूरे खेल समुदाय ने उनका समर्थन किया. इस 29 वर्षीय खिलाड़ी को बुधवार को महिलाओं के 50 किग्रा वर्ग के फाइनल से पहले 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण अयोग्य ठहराया गया था. उन्होंने एक्स पर संन्यास की घोषणा की. टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता पहलवान बजरंग पूनिया ने कहा कि विनेश हारी नहीं बल्कि उनको हराया गया है. बजरंग ने पोस्ट किया, विनेश आप हारी नहीं (आपको) हराया गया है. हमारे लिए सदैव आप विजेता ही रहोगी. आप

पेरिस में गुरुवार को विनेश से मिलते अभिनव बिंद्रा.

भारत की बेटी के साथ साथ भारत का अभिमान भी हो. रियो 2016 में कांस्य पदक जीत कर ओलंपिक खेलों में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान साक्षी मलिक ने कहा कि विनेश के साथ जो कुछ हुआ वह हमारे देश की हर बेटी की हार है. साक्षी ने कहा, विनेश तुम हारने वाली नहीं हो. यह हमारे देश की हर बेटी की हार है जिसके लिए आपने लड़ाई लड़ी. यह पूरे देश की हार है. देश आपके साथ है. एक एथलीट के तौर पर मैं आपके संघर्ष और जुनून को सलाम करती हूं.

विनेश ने फैसला जल्दबाजी में लिया होगा : महावीर

द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता कोच महावीर फोगाट ने कहा कि उन्होंने यह फैसला जल्दबाजी में लिया होगा और इस पहलवान के करीबी लोग उन्हें 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों को लक्ष्य बनाने के लिए प्रेरित करेंगे. महावीर फोगाट ने पीटीआई वीडियो से कहा, यह सच है, लोग हिम्मत हार जाते हैं. जब वह आएंगी तो हम (मैं, बजरंग, गीता) सब बैठेंगे और बात करेंगे. हम फैसला लेंगे और बता देंगे. आवेश में आकर लोग ऐसे फैसले ले लेते हैं लेकिन हम इस पर फैसला करेंगे. हम उसे 2028 ओलंपिक में खेलने के लिए प्रोत्साहित करेंगे. मैं इनाम की घोषणा करने के लिए हरियाणा सरकार को धन्यवाद देता हूं. जब तक मैं सक्रिय हूं, खिलाड़ियों की मदद करता रहूंगा. पूर्व खेल मंत्री और एथेंस ओलंपिक के रजत पदक विजेता निशानेबाज राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने इस घटना को दुखद और दिल तोड़ने वाला बताया. उन्होंने कहा, एक खिलाड़ी के जीवन में वर्षों का संघर्ष, उतार-चढ़ाव होता है, फिर कौशल दिखाने और जीतने के लिए वह महत्वपूर्ण दिन आता है.

लक्ष्य निश्चित पदक के हकदार थे: एक्सेलसन

भाषा। नयी दिल्ली

पेरिस खेलों में अपने खिताब की रक्षा करने वाले दो बार के विश्व चैंपियन विक्टर एक्सेलसन ने कहा है कि युवा भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ओलंपिक में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए निश्चित रूप से पदक के हकदार थे. 22 साल के लक्ष्य इस साल ओलंपिक में सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय पुरुष बैडमिंटन खिलाड़ी बने लेकिन डेनमार्क के सुपरस्टार एक्सेलसन से अंतिम चार के मुकाबले में हार गए. लक्ष्य को आगे भी निराशा का सामना करना पड़ा क्योंकि वह कांस्य पदक के प्ले ऑफ में मलेशिया के ली जी जिया से हार गए और अंततः चौथे स्थान पर रहे. एक्स पर लक्ष्य के अपने प्रशंसकों से मिले समर्थन के लिए आभार व्यक्त करने वाली पोस्ट पर जवाब देते हुए एक्सेलसन ने लिखा, आगे बढ़ते रहो

भाई. आप वास्तव में खुद पर गर्व कर सकते हो. काश सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले सभी खिलाड़ी पदक जीते पाते क्योंकि आप निश्चित रूप से इसके हकदार हो.

खेलों में शानदार प्रदर्शन के लिए आप सभी को बधाई. अपने सेमीफाइनल मैच में लक्ष्य को 22-20, 21-14 से हराने के बाद एक्सेलसन ने अगले ओलंपिक में भारतीय खिलाड़ी को स्वर्ण पदक के प्रबल दावेदारों में से एक बताया था. एक्सेलसन ने कहा था, लक्ष्य एक शानदार खिलाड़ी है. उसने इस ओलंपिक में दिखाया है कि वह एक बहुत ही मजबूत प्रतिस्पर्धी है और मुझे यकीन है कि अब से चार साल बाद, वह स्वर्ण जीतने के प्रबल दावेदारों में से एक होगा. (वह) एक अद्भुत प्रतिभा और एक शानदार व्यक्ति है और मैं उसे शुभकामनाएं देता हूं.

भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो रेट यथावत रखा, चेक क्लीयरेंस पर आरबीआई का बड़ा फैसला

अब कुछ ही घंटे में बैंक खाते में आ जाएंगे पैसे

एजेंसी।मुंबई

चेक का निपटान (क्लियरिंग) अब कुछ ही घंटों में हो जाएगा. भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चेक समशोधन में लगनेवाले समय को कुछ घंटे करने और उससे जुड़े जोखिम कम करने के मकसद से कदम उठाने की घोषणा की है. वर्तमान में चेक जमा करने से लेकर राशि आने तक दो दिन का समय लग जाता है. लेकिन नई व्यवस्था में चेक जमा करने के कुछ ही घंटों में वह क्लियर हो जाएगा. आरबीआई के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने गुरुवार को चालू वित्त वर्ष की तीसरी मौद्रिक नीति समीक्षा की घोषणा करते हुए कहा, चेक समाशोधन को दुरुस्त करने, निपटान जोखिम कम करने और ग्राहकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के मकसद से चेक ट्रांजेक्शन सिस्टम (सीटीएस) की वर्तमान प्रक्रिया में बदलाव का प्रस्ताव है. उन्होंने कहा कि इसके तहत मौजूदा सीटीएस व्यवस्था के तहत बैच में प्रसंस्करण की जगह कारोबारी समय में निरंतर आधार पर समाशोधन की व्यवस्था की जाएगी.

नई व्यवस्था में कैसे होगा काम : आरबीआई के अनुसार, नई व्यवस्था में चेक को स्कैन किया जाएगा, उसे प्रस्तुत किया जाएगा और कुछ घंटों में समाशोधन किया जाएगा. इससे चेक का समाशोधन कुछ घंटे में हो जाएगा, जबकि अभी दो दिन तक का समय (टी प्लस 1) लगता है. दास ने कहा कि इस संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जल्दी ही जारी किए जाएंगे. इसके अलावा, आरबीआई ने बैंकों की तरफ से अपने ग्राहकों के बारे में क्रेडिट सूचना कंपनियों को दी जानेवाली रिपोर्ट हर पखवाड़े देने का प्रस्ताव किया है. वर्तमान में महीने में एक बार यह रिपोर्ट दी जाती है.

नौवीं बार रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं : आरबीआई ने आर्थिक गतिविधियों में जारी तेजी का हवाला देते हुए एवं महंगाई पर कड़ी नजर रखते हुए लगातार नौवीं बार नीतिगत दरों को यथावत रखने का फैसला किया है, जिससे ब्याज दरों में कमी की उम्मीद लगाये आम लोगों को निराशा हाथ लगी है. मई 2022 से 250 आधार अंकों तक लगातार छह बार दर वृद्धि के बाद पिछले वर्ष अप्रैल में दर वृद्धि चक्र को रोक दिया गया था और यह अभी भी इसी स्तर पर है. आरबीआई ने उम्मीद के मुताबिक चालू वित्त वर्ष की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में लगातार नौवीं बार नीतिगत दर रेपो में कोई बदलाव नहीं किया और इसे 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा. आरबीआई ने कहा कि खाने के सामान की ऊंची महंगाई को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और इसके अन्य क्षेत्रों पर प्रभाव को रोकने के लिए सतर्क रहने की जरूरत है.

आपके यूपीआई से दूसरे व्यक्ति भी कर सकेंगे पैसे ट्रांसफर : यूपीआई ट्रांजेक्शन को लेकर आरबीआई ने कई अहम ऐलान भी किए हैं. इसके तहत रिजर्व बैंक ने यूपीआई ट्रांजैक्शन की लिमिट बढ़ाई है, तो यूजर्स के लिए एक नए फीचर डेलीगेटेड पेमेंट्स को शुरू करने का ऐलान किया है. इसके तहत एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति को अपने बैंक अकाउंट से यूपीआई के जरिए पेमेंट करने के लिए अथॉराइज कर सकेगा. इसमें दूसरे व्यक्ति के लिए यूपीआई से जुड़ा अलग बैंक अकाउंट रखने की जरूरत नहीं होगी. हालांकि, इस प्रक्रिया में प्राइमरी यूजर की मंजूरी जरूरी है. रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि इससे देशभर में डिजिटल भुगतान की पहुंच और उपयोग में बढ़ोतरी होने की उम्मीद है. इस संबंध में विस्तृत निर्देश जल्द ही जारी किए जाएंगे.

टैक्स पेमेंट लिमिट में इजाफा : इसके साथ ही रिजर्व बैंक ने यूपीआई के जरिए टैक्स पेमेंट की लिमिट बढ़ाने की घोषणा की. वर्तमान में, नियमित और उच्च मूल्य के लिए टैक्स भुगतान की सीमा एक लाख रुपए है. इसे बढ़ाकर 5 लाख रुपए कर दिया गया है. दास ने कहा-चूंकि डायरेक्ट और इनडायरेक्ट टैक्स भुगतान सामान्य, नियमित और उच्च मूल्य के हैं. आरबीआई के अनुसार, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) का उपयोगकर्ता आधार 42.4 करोड़ हो गया है. हालांकि, उपयोगकर्ता आधार के और विस्तार की संभावना है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष कोई पुराना मुकदमा या शत्रु परेशानी का कारण बन सकता है. ऋण लेने से बचें. दौड़धूप अधिक रहेगी. बुरी खबर मिल सकती है. वाणी पर नियंत्रण रखें. दुष्ट जन हानि पहुंचा सकते हैं. समाज में आपके कार्यों की आलोचना होगी.

वृषभ दोस्त के चयन में सही निर्णय लें. प्रेम में धोखा मिल सकता है. कार्य की प्रशंसा होगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. ऐश्वर्य के साधन मिलेंगे. विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी. व्यापार अच्छा चलेगा.

मिथुन अपने सगे संबंधियों से मुलाकात होगी. उत्साह-वर्धक सूचना मिलेगी. स्वाभिमान बना रहेगा. नौकरी में मनचाही पदोन्नति मिलने के योग बनेंगे. स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें. रुका धन मिलेगा. व्यापार में नए अनुबंध होंगे.

कर्क बड़ा कार्य होने और धन के आगमन से मन प्रसन्न होगा. अप्रत्याशित लाभ हो सकता है. जोखिम न उठाएं. प्रसन्नता रहेगी. धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी. आर्थिक स्थिति में सुधार की संभावना है.

सिंह शारीरिक कष्ट संभव है. दूसरों पर अतिविश्वास न करें. वस्तुएं संभालकर रखें. आपकी मिलनसारिता व धैर्यवान प्रवृत्ति आपके जीवन में आनंद का संचार करेगी. स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी. व्यापार अच्छा चलेगा.

कन्या मानसिक सुख शांति मिलेगी. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. प्रसन्नता रहेगी. सार्वजनिक कार्यों में समय व्यतीत होगा. संतान की ओर से शुभ समाचार मिलेंगे. स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. रोजगार के क्षेत्र में उन्नति होगी.

तुला खर्च पर नियंत्रण आवश्यक है. समय अनुकूल है किसी खास कार्य का प्रयास करें. प्रसन्नता रहेगी. उत्तम मनोबल आपकी सभी समस्याओं को हल कर देगा. प्रतिष्ठित जनों से मेलजोल बढ़ेगा. व्यापार में नए प्रस्ताव मिलेंगे.

वृश्चिक पूजा-पाठ में मन लगेगा. व्यवसाय ठीक चलेगा. निवेश शुभ रहेगा. प्रसन्नता रहेगी. अपनी वस्तुएं संभालकर रखें. जीवनसाथी से मतभेद. व्यवहार-कुशलता से समस्या का समाधान हो सकेगा. वाहन सावधानी से चलाएं. नया वस्तु का आगमन होगा

धनु सरकारी कार्य में विलंब हो सकता है. कुसंगति से हानि होगी. आय कम होगी. नए संबंध लाभदायी सिद्ध होंगे. व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता का विशेष योग है. व्यापारिक निर्णय जल्दबाजी में न लें. पीली वस्तु का दान करें.

मकर प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी. व्यवसाय ठीक चलेगा. चिंता रहेगी. प्रमाद न करें. परेशानियों का मुकाबला करके भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे. शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होगी. अधूरे पड़े काम पूरे होने के योग हैं.

कुंभ शत्रु परास्त होंगे. बेरोजगारी दूर होगी. यात्रा, नौकरी व निवेश लाभदायक रहेंगे. व्यापार में कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें. आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी. संतान की शिक्षा संबंधी समस्या रह सकती है.

मीन जीवनसाथी से विवाद हो सकता है. व्यापार में लाभ की स्थिति बनी है. मेहनत की आवश्यकता है. प्रसन्नता बनी रहेगी. आय में अधिक व्यय से मनोबल कमजोर पड़ सकता है. कार्य, व्यवसाय के क्षेत्र में विभिन्न बाधाओं से मन अशांत रहेगा.

पद्मश्री डॉ रामदयाल मुंडा चैलेंज फुटबॉल प्रतियोगिता 23 अगस्त से

रांची । डॉ रामदयाल मुंडा क्रीड़ा केंद्र व रुमबुल के संयुक्त तत्वावधान में दसवीं पद्मश्री डॉ रामदयाल मुंडा चैलेंज फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 23 अगस्त से 30 अगस्त तक किया जा रहा है. इस प्रतियोगिता में कुल 16 टीमों को इंट्री दी जाएगी.

सरकार बना रही है झारखंड प्रॉक्यूरमेंट ऑफ गुड्स एंड सर्विस मैनुअल

बदल जाएगी अब तक चली आ रही ठेका प्रथा, नहीं होगी गड़बड़ी

- अफसर अपने लाभ के लिए नहीं कर सकेंगे पावर का दुरूपयोग
- भ्रष्ट आचरण को रोकने के लिए होगा तंत्र विकसित

रवि भारती।रांची

झारखंड में चली आ रही ठेका प्रथा में आमूल-चूल बदलाव होगा. कोई भी अफसर अपने लाभ के लिए अपने पावर का दुरुपयोग नहीं कर सकेंगे. भ्रष्ट आचरण को रोकने के लिए एक मजबूत तंत्र विकसित किया जाएगा. इसके लिए राज्य सरकार झारखंड प्रॉक्यूरमेंट ऑफ गुड्स एंड सर्विस मैनुअल 2024 बना रही है। इस नियम के दायरे में राज्य सरकार के सभी कार्य विभाग पथ निर्माण, ग्रामीण कार्य, नगर विकास, पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन, पेयजल, जलसंसाधन, ऊर्जा विभाग रहेंगे. तैयार ड्राफ्ट में स्पष्ट कहा गया है कि अनुचित खर्च या निष्क्रिय सूची से बचने के लिए गुणवत्ता खरीद की विषय वस्तु की मात्रा और सीमा स्पष्ट रूप से बताई जाएगी. खरीद करने वाली यूनिट में खरीद की विषय वस्तु की अनावश्यक मात्रा या विशेषताएं शामिल नहीं होंगी. खरीद इकाई यह सुनिश्चित करेगी.

ये होंगे नए नियम

- प्रथम दृष्टया में खर्च अवसर की मांग से अधिक नहीं होगा
- कोई भी पदाधिकारी अपने लाभ के लिए खर्च स्वीकृत करने में अपने पावर का इस्तेमाल नहीं करेगा
- सार्वजनिक धन का व्यय किसी विशेष व्यक्ति या लोगों के एक वर्ग के लाभ के लिए नहीं किया जाएगा . जब तक कि व्यय किसी मान्यता प्राप्त नीति के अनुसरण में न हो या राशि के लिए दावा अदालत में लागू न किया जा सके
- खर्च करते समय पदाधिकारी ऐसी कोई जिम्मेदारी नहीं लेगा जिससे हितों का टकराव पैदा हो

क्या होगा फायदा :

- दक्षता, मितव्ययिता और पारदर्शिता होगी सुनिश्चित
- बोली दाताओं को उचित और न्यायसंगत सुविधा होगी उपलब्ध
- प्रतिस्पर्धा को मिलेगा बढ़ावा दे
- रुकेगा भ्रष्ट आचरण

इन वस्तुओं व कच्चे माल की होगी खरीद

- वस्तुओं में सभी लेख, सामग्री, वस्तु, खाद्यान्न, बिजली के सामान, इलेक्ट्रॉनिक सामान, पशुधन, दवाएं, फर्नीचर, किताबें, फिक्स्चर, कच्चे माल, उपभोग्य वस्तुएं, स्पेयर पार्ट्स, उपकरण, मशीनरी शामिल हैं
- उपकरण, औद्योगिक संयंत्र, वाहन, हवाई जहाज, जहाज, रेलवे रोलिंग स्टॉक असेंबली, उप-असेंबली, सहायक उपकरण, मशीनों का समूह जिसमें एक एकीकृत उत्पादन प्रक्रिया या सामान की अन्य श्रेणियां या सॉफ्टवेयर, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, लाइसेंस, पेटेंट या अन्य संपदा जैसे अमूर्त उत्पाद शामिल हैं
- इसमें शराब, नियमित उपयोग के लिए आवश्यक पेट्रोलियम उत्पाद, पुस्तकालय के लिए आवधिक पत्रिकाएं आदि जैसे उत्पाद शुल्क योग्य सामान शामिल नहीं हैं
- सामान की खरीद में कुछ कार्य या सेवाएं शामिल हो सकती हैं, जो परिवहन, बीमा, स्थापना, कमिशनिंग जैसे माल की आपूर्ति के लिए आकस्मिक या परिणामी हैं . प्रशिक्षण, संचालन, रखरखाव आदि

डिबारमेंट के नियम में भी किए गए हैं बदलाव : इस नए कानून में डिबार करने के भी नियम में बदलाव किए गए हैं. ड्राफ्ट में कहा गया है कि यदि किसी बोलीदाता को अदालत द्वारा दोषी ठहराया जाता है तो उसे प्रतिबंधित या काली सूची में डाल दिया जाएगा. अदालत द्वारा दोषसिद्धि के कारण प्रतिबंधित बोलीदाता दोषसिद्धि की अवधि और उसके बाद के तीन वर्षों के लिए राज्य की किसी भी खरीद इकाई की किसी भी खरीद प्रक्रिया में भाग लेने के लिए पात्र नहीं होगा. रोक की अवधि दोषसिद्धि की तारीख से शुरू होगी. दोषसिद्धि के मामले में डिबारमेंट स्वचालित रहेगा. डिबारमेंट का कोई आदेश पारित करने की आवश्यकता नहीं होगी, जहां वाद-विवाद को एकल खरीद इकाई तक सीमित करने का प्रस्ताव है, उस इकाई द्वारा उचित आदेश जारी किए जाएंगे, जिससे निर्दिष्ट अवधि के लिए वंचित फर्म के साथ अपने सभी व्यवसाय को रोक दिया जाएगा.

सार्वजनिक खरीद की आवश्यकता का होगा आकलन : वस्तुओं और सेवाओं की खरीद की आवश्यकता का निर्धारण करते समय, खरीद इकाई यह सुनिश्चित करेगी कि इसकी अनिवार्यता पर आकलन करेगी कि क्या खरीद सार्वजनिक आवश्यकता के लिए आवश्यक है. यह सुनिश्चित करना खरीद इकाई की जिम्मेदारी होगी कि कोई ऐसी खरीद न की जाए जो सार्वजनिक जरूरतों के लिए जरूरी न हो. जेम पोर्टल के जरिये प्रोक्यूरमेंट इत्यादि कराने और पारदर्शिता बरतने संबंधी विस्तृत प्रकिया निर्धारित की गयी है. पांच लाख से ऊपर की सामग्रियों की खरीद के लिए ओपेन बिड प्रोसेस अपनाने का निर्णय लिया है, साथ ही सामग्रियों के रखरखाव व सर्विस पर भी विशेष ध्यान रखा गया है.

आदिवासी हो समाज युवा महासभा की प्रदेश व जिला कमेटी का गठन

संवाददाता।किरीबुरु

महासभा कला एवं संस्कृति भवन, हरिगुटू, चाईबासा में आदिवासी हो समाज युवा महासभा राष्ट्रीय कमिटी के पदाधिकारियों की उपस्थिति में कई कमेटी का गठन किया गया. इसमें आदिवासी हो समाज युवा महासभा झारखंड प्रदेश कमिटी, पश्चिमी सिंहभूम जिला कमिटी, सदर चाईबासा और जगन्नाथपुर अनुमंडल कमिटी का पुनर्गठन किया गया. आदिवासी हो समाज महासभा की नियमावली के तहत निम्न चार-चार पदाधिकारियों को सर्वसम्मति से चयन किया गया. आदिवासी हो समाज युवा महासभा झारखंड प्रदेश कमिटी के अध्यक्ष गोविन्द बिरुवा, उपाध्यक्ष नरसिंह बिरुली, सचिव गलय चातोम्बा, कोषाध्यक्ष शंकर सिधु को बनाया गया. जिला समिति, पश्चिमी सिंहभूम का अध्यक्ष शेरसिंह उर्फ गंगाराम बिरूवा, उपाध्यक्ष हरीश कुंकल, सचिव ओएबन हेम्ब्रम, कोषाध्यक्ष सत्यव्रत उर्फ छोटू बिरुवा को बनाया गया. अनुमंडल कमिटी जगन्नाथपुर का अध्यक्ष बलराम लागुरी, उपाध्यक्ष पुत्कर लागुरी, सचिव लक्ष्मण तिरिया, कोषाध्यक्ष बलि लागुरी को बनाया गया.

अनुमंडल कमिटी सदर चाईबासा का अध्यक्ष रामेश्वर बिरुवा, उपाध्यक्ष चाहत

देवगम, सचिव अशीष तिरिया, कोषाध्यक्ष एलिस बोदरा को बनाया गया. नव चयनित सभी पदाधिकारियों को माला पहनाकर स्वागत किया गया. बैठक में 14 सितम्बर को राष्ट्रीय स्तर पर तय किये गये हो भाषा आंदोलन की तैयारी के संबंध में चर्चा की गयी.

बैठक में ये थे उपस्थित : इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष इपिल सामड, उपाध्यक्ष सुरा बिरूली, महासचिव गब्बरसिंह हेम्ब्रम, कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र पुरती, संयुक्त सचिव रवि बिरूली, संगठन सचिव गोपी लागुरी, राष्ट्रीय सदस्य श्याम बिरूवा, पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां निर्वतमान जिलाध्यक्ष गोमेया सुंडी, विष्णु बानरा, कोल झारखंड बोदरा, गणेश गागराई, संजय हांसदा, लेबा गागराई, सुमन पुरती, फूलमति सिरका, दांसर बोदरा, अयन सूंडी, टाटाराम सामड, प्रमिला बिरूवा, कस्तुरी पिंगुवा, दूदूगर पिंगुवा, योगेश्वर पिंगुवा, संजय लागुरी, उरांव समाज से लालू कुजूर, राज कुमार लकड़ा, बंधुराम सोय आदि लोग उपस्थित थे.

एनटीएचए बना नवल टाटा हॉकी झारखंड जूनियर स्टेट हॉकी चैंपियनशिप का विजेता

- रांची बना उपविजेता, सिमडेगा की टीम तीसरे स्थान पर रही

खेल संवाददाता।रांची

नवल टाटा हॉकी झारखंड जूनियर स्टेट हॉकी चैंपियनशिप 2024 (पुरुष) का एनटीएचए जमशेदपुर ने खिताब जीता. गुरुवार कोनवल टाटा हॉकी अकादमी जमशेदपुर के एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में एनटीएचए ने शूटआउट में रांची को मात देकर चैंपियनशिप अपने नाम किया. रांची और जमशेदपुर के बीच रोमांचक फाइनल मुकाबला हुआ. निर्धारित समय तक दोनों टीम ने 3-3 गोल दागे. जिसके बाद विजेता का फैसला शूटआउट से किया गया. जिसमें एनटीएचए ने रांची को मात दी. फाइनल मैच में एनटीएचए के खिलाड़ी नवीन केरकेट्टा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया.

हार्डलाइनर्स के लिए सिमडेगा और खूंटी के बीच मुकाबला खेला गया. जिसमें सिमडेगा ने खूंटी को 3-1 से पराजित कर तीसरा स्थान प्राप्त किया. खूंटी टीम के खिलाड़ी सुंदर पूर्ति प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. फाइनल मैच में मुख्य अतिथि, टाटा मोटर्स के एचआर प्रमुख मोहन घंटा और टाउन एडमिन और स्पोर्ट्स रजत सिंह सहित हॉकी झारखंड संयुक्त सचिव माइकल लाल, एनटीएचए के परियोजना निदेशक गुरमीत सिंह राव उपस्थित थे. मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की.

बिहार

गांधी और दीघा घाट पर गंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर

बागमती, कोसी व गंडक भी उफान पर

संवाददाता ।पटना

नगर के गांधी घाट पर गंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है. दीघा घाट पर भी जलस्तर में इजाफा हुआ है. गांधी घाट पर बुधवार सुबह नदी का जलस्तर 48.35 मीटर था, वह गुरुवार सुबह 48.70 मीटर पर पहुंच गया है. गंगा खतरे के निशान से 10 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है. दीघा घाट पर भी गंगा नदी 49.54 मीटर से बढ़कर 49.92 मीटर पर पहुंच गई है. इस तरह से यहां 38 सेंटीमीटर पानी बढ़ा है. फतुहा और हाथीदह में भी नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी हो रही है. यहां भी यह भी गंगा खतरे के निशान के पास पहुंच गई है.

नेपाल समेत उत्तर बिहार में हो रही वर्षा से कई नदियों में फिर से उफान आ गया है. सीतामढ़ी-शिवहर में कोसी, झीम और रातो नदी के

जलस्तर में वृद्धि देखी जा रही है. शिवहर में बागमती खतरे के निशान से 73 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है. कोसी और सीमांचल की नदियों के जलस्तर में वृद्धि हो रही है.

खगड़िया में गंगा और बूढ़ी गंडक रफ्तार में है. दोनों नदियां तेजी से खतरे के निशान की ओर बढ़ रही हैं. पिछले 24 घंटे में गंगा के जलस्तर में 43 और बूढ़ी गंडक के जलस्तर में 53 सेंटीमीटर की वृद्धि हुई है. वहीं कोसी के जलस्तर में 10 सेंटीमीटर की वृद्धि हुई है. कोसी खतरे के निशान से 37 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है. बागमती के जलस्तर में बीते 24 घंटे के दौरान 15 सेंटीमीटर की वृद्धि दर्ज की गई है. बागमती खतरे के निशान से 49 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है.

सुपौल स्थित बराज पर शाम चार बजे कोसी का डिस्चार्ज 2,14,220 क्यूसेक रिकार्ड किया गया. बराज के 27 फाटकों को उठाते हुए इसे डाउन स्ट्रीम में पास आउट कराया जा रहा है. हालांकि मुख्य अभियंता ने तटबंध के सभी बिंदुओं को सुरक्षित बताया है. मधुबनी और दरभंगा में कोसी और कमला में भी चढ़ाव है. वाल्मीकिनगर गंडक बराज से बुधवार की शाम 1.42 लाख क्यूसेक पानी गंडक नदी में छोड़ा गया है. पिपरा-पिपरासी तटबंध के विभिन्न कटान स्थलों पर नदी का दबाव बना हुआ है.

सिवान जिला के कांवरिया की करंट लगने से हुई मौत

सीवान । रोहतास जिले के प्रसिद्ध गुप्ता धाम स्थित गुप्तेश्वर महादेव का दर्शन करने जा रहे सिवान जिला के एक कांवरिया की मौत गुरुवार को थाना क्षेत्र के उगहनी गांव में विद्युत तार की चपेट में आने से हो गई. मृतक संजीत साह 35 वर्ष सिवान जिला के महाराजगंज थाना क्षेत्र के पटेढी गांव निवासी जग नारायण साह के पुत्र थे. साथ में आए कांवरियों ने बताया कि पिकअप से सिवान जिला से 22 कांवरियों की टीम भगवान शिव का दर्शन पूजन करने निकली थी. देवघर बाबा धाम से दर्शन करने के बाद मां ताराचंडी का दर्शन कर सभी गुप्ता धाम जाने के लिए चेनारी थाना क्षेत्र के उगहनी गांव में पहुंचे. गांव की गली में विद्युत तार गिरा हुआ था. टीम में शामिल संजीत का पैर विद्युत तार के संपर्क में आ गया. जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए.

पत्नी को पीट-पीट कर शराबी पति ने मौत के घाट उतारा

- पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर जेल भेजा

संवाददाता ।बेतिया

बेतिया में एक शराबी पति ने पत्नी को पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया है. वहीं घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है. घटना जिले के शिकारपुर थाना क्षेत्र के ब्लॉक बारवा गांव की है. मृतका की पहचान बारवा गांव निवासी धनंजय कुमार साह की 30 वर्षीय पत्नी ममता देवी के रुप में की गई है. मृतका के परिजनों ने उसके पति और सास पर हत्या का आरोप लगाया है. इधर, घटना के संबंध में बताया जाता है कि गुरुवार की सुबह शराब पीने को लेकर पति पत्नी के बीच झगड़ा हुआ था. इस पर शराबी पति ने पत्नी की जमकर पिटाई की, उसके बाद गला दबाकर उसकी हत्या कर दी. वहीं मृतका के परिजनों ने बताया कि 4 वर्ष पूर्व हिंदू रीति रिवाज से ब्लॉक बारवा निवासी रामदेव साह के पुत्र धनंजय कुमार साह से शादी हुई थी. उनके दांपत्य जीवन से दो बच्चे है. शादी के कुछ दिनों के बाद से ही पति प्रतिदिन शराब पीकर आता था और विरोध करने पर मृतका के साथ मारपीट करता था. इधर, सूचना पर एसडीपीओ जय प्रकाश सिंह, प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष डॉक्टर सपना रानी, पुलिस निरीक्षक अवनीश कुमार सदरबल घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच पड़ताल की. एसडीपीओ ने बताया कि घटना की जांच के लिए एसएफएल टीम को बुलाया गया है.

पेज एक का शेष

यह देश की सुरक्षा...

कोर्ट ने मौखिक कहा कि जब संथाल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठिए के आने की बात हो रही है, ऐसे संवेदनशील मुद्दे पर अब तक जवाब क्यों नहीं आया है. कोर्ट को बताया गया की संथाल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठिए फर्जी ढंग से आधार कार्ड और वोटर कार्ड बना ले रहे हैं और वहां की भोली-भाली आदिवासी लड़कियों से शादी कर उनकी जमीन पर कब्जा कर ले रहे हैं. इस पर कोर्ट ने राज्य सरकार से मौखिक कहा कि सरकार को संथाल परगना जैसे इलाकों में औचक निरीक्षण कर लोगों के आधार कार्ड एवं वोटर कार्ड का सत्यापन करना चाहिए ताकि घुसपैठियों की पहचान हो सके. कोर्ट ने मौखिक कहा कि झारखंड में घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें तुरंत निकालना जरूरी है, अन्यथा बाद में घुसपैठिए झारखंड आते रहेंगे. राज्य सरकार को झारखंड के सीमावर्ती इलाकों में पुलिस फोर्स को मजबूत कर घुसपैठियों को रोकना होगा. कोर्ट ने मौखिक कहा की राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार दोनों को देश एवं राज्य में घुसपैठ पर मिल कर काम करना होगा. कोर्ट ने मामले के अगली सुनवाई 22 अगस्त निर्धारित की है. दरअसल, बांग्लादेशी घुसपैठियों पर कार्रवाई के संबंध में हाईकोर्ट ने पूर्व की सुनवाई में संथाल परगना के 6 जिलों के डीसी को शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया था. साथ ही कहा था कि संबंधित जिलों के एसपी डाटा उपलब्ध कराने में उपायुक्तों को फीडबैक देंगे. वहीं मुख्य सचिव सबको मॉनिटरिंग करेंगे. संथाल में घुसपैठियों से वहां जनसंख्या की स्थिति में कुप्रभाव को लेकर दानियल दानिश की जनहित याचिका की सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में हुई.

पर उपदेश कुशल बहुतेरे

संसदीय बोर्ड के सदस्यों की जाति क्या है, महासचिवों में किस जाति की प्रधानता है और पार्टी तथा परिवार से जुड़ी संस्थाओं के उच्च पदों पर किस जाति के लोग विराजमान हैं ? फिर अपनी जाति भी तो बतानी पड़ेगी और वह भी बाकायदा प्रमाण के साथ. हमारे देश में जाति तय करने की एक ही परंपरा है और वह पितृकुल पर आधारित है. हम आप अपना धर्म तो बदल सकते हैं, इसके लिए, तौर-तरीके तय हैं लेकिन जाति बदलने का कोई प्रावधान नहीं है. यानी जाति बदलने की छूट किसी को नहीं है. जाति बदलने का कोई वैधानिक उपाय हो जाए तो सभी अपनी जरूरत के हिसाब से जाति बदल लेंगे. झारखंड के कुर्मी आदिवासी बनने के लिए आंदोलन क्यों करेंगे ? फिर यह छूट उन्हें कैसे मिल गई या मिलेगी जो दूसरों की जाति पूछते घूम रहे हैं या उसकी काबिलियत की शिनाख्त उसकी जाति के आधार पर कर रहे हैं ? आप प्रधानमंत्री की जाति पूछ सकते हैं और यह आरोप भी लगा सकते हैं कि उनके पिछड़ा होने में लोचा है तो आप अपने ही मुखारविंद से अपनी कैफियत क्यों नहीं बता देते और भरी संसद में आपको कथित रूप से गाली देनेवालों का मुंह सदा के लिए बंद क्यों नहीं करा देते ? आप जाति पूछकर एक पत्रकार को अपनी सभा में पिटवाते हैं. आपको एक सहयोगी खानदानी नेता एक पत्रकार की जाति पूछकर उसे शर्म करने का सुझाव देते हैं तो कुछ बातें साफ भी हो जानी चाहिए. पर उपदेश कुशल बहुतेरे नहीं चलेगा. अगर आप लोग इस मुद्दे पर केवल गलाबाजी करेंगे और समूची राजनीति को जाति के कीचड़ में धंसाएंगे तो आप भी धसेंगे. आखिर किसी ने ईश्वर के यहां प्रार्थना पत्र तो दिया नहीं था कि वह उसे ऐसी जाति में पटक दें जो गाली सुने, लतियाई जाए और गरियाई जाए. इसलिए निंदा उनकी होनी चाहिए जो जाति के आधार पर किसी की अवमानना करते हैं, भेद करते हैं. हमें समता और समतामूलक समाज की ओर अग्रसर होना चाहिए. यदि हिंदू-मुसलमान के खून रंग लाल होता है, तो क्या दलित, आदिवासी, पिछड़ा और सवर्ण के रक्त विविधवर्णी होते हैं ? निखालिश जाति और परिवार के नाम पर बनी और चल रही पार्टियां भी आये दिन जातीय गणना का शिगूफा छोड़ती रहती हैं, लेकिन जब उन्हें सामाजिक न्याय का रथ खींचने का मौका मिलता है, तो वे उस पर अपनी बिरादरी और घर परिवार के लोगों को ही बैठाते हैं. सही है कि प्रायः सभी राजनीतिक दल टिकट बंटवारे के समय जातीय समीकरण को ही ध्यान रखते हैं. इस वजह से कर्मठ, सक्षम और प्रतिभाशाली कार्यकर्ताओं की उपेक्षा हो जाती हैं. लेकिन इसका मतलब यह कतई नहीं है कि हम जाति के आधार पर भारतीय समाज को आपस में लड़ाने का कुचक्र रचते रहें. सिर्फ जाति की राजनीति करने वाला कोई भी नेता अखिल भारतीय ख्याति न तो प्राप्त कर सका है, न प्राप्त कर पाएगा. इसलिए जातीय गणना कराइए, पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों को आगे बढ़ाने के लिए कार्यक्रम बनाइए, उनके लिए आवाज उठाइए, लेकिन किसी की योग्यता का मूल्यांकन सिर्फ जाति के आधार पर मत करिए. दूसरी बात यह है कि हम डिजिटल युग में जी रहे हैं. सबकी कथनी-करनी, उसका पाखंड और दोहरा चरित्र क्षणभर में सार्वजनिक हो जाता है. तब, "जा दिसि बहे बयार पीठ वाही दिसि कीजै" को अंगीकार करने वाले नेताओं को मुंह छिपाने के लिए बहानेबाजी का झीना परदा भी नहीं मिलता है. किसी का मूल्यांकन उसके गुण-दोष के आधार पर कीजिए, जाति, धर्म, क्षेत्र और रंग के आधार पर नहीं. स्वयं कुछ स्तुत्य उदाहरण पेश करें फिर आलोचना का अस्त्र-शस्त्र चलाएं तो वह अचूक होगा, अन्यथा नहीं.

आदिवासियों की सामाजिक...

जिन पर गौर किया जाना जरूरी है. ये हमारी पारंपरिक समाज व्यवस्था की सुरक्षा, संसाधनों पर नियंत्रण, स्वशासन व भाषा और पहचान के साथ आर्थिक विकास के लिए आवश्यक है. दुर्भाग्य से देश की सरकार आदिवासियों के विकास की बातें तो करती हैं, लेकिन संविधान प्रदत्त अधिकारों के अनुपालन पर गंभीरता से पहल नहीं करती. आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों को धरातल पर उतारने की कोशिश गंभीरता से नहीं हुई झारखंड के संदर्भ में अगर हम बात करें, तो संविधान प्रदत्त अधिकारों के तहत कई पहलु ऐसे हैं, जिसे पूरा करने की जिम्मेवारी राज्य सरकार की है. परंतु राज्य गठन के बाद पिछले 23 वर्षों में आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों को धरातल पर उतारने की कोशिश गंभीरता से नहीं की गयी. अनुसूचित क्षेत्र में पंचायतों का विस्तार कानून (पेसा) के तहत हमारी सामाजिक-सांस्कृतिक अस्मिता और आदिवासी स्वशासन का संकल्प संविधान में दुहराया गया है. इसके तहत राज्य सरकारों को नियमावली बनाकर पारंपरिक ग्राम सभा को स्वशासन का अधिकार और अपने संसाधनों के आधार पर आर्थिक विकास के लिए स्वनिर्णय लेने का अधिकार प्रदान करने का संवैधानिक दायित्व है. परंतु राज्य गठन के 23 वर्षों के बाद भी पेसा कानून की नियमावली राज्य में नहीं बनी और अनुसूचित क्षेत्र की 383 पंचायतों की 16000 ग्राम सभा को आदिवासी पारंपरिक स्वशासन के तहत आत्मनिर्णय के अधिकारों से वंचित होना पड़ा. इसका परिणाम भी हमारे सामने है कि गांवों में विकास की गति नगण्य है और गांवों से बड़े पैमाने पर पलायन हो रहा है. जमीन आदिवासीयों की जीविका और सामाजिक अस्तित्व की सुरक्षा का मुख्य आधार है, परंतु आदिवासी जमीन का अवैध हस्तांतरण हमारी चिंता का विषय है.

भूमंडलीकरण आदिवासी समाज के लिए एक खतरनाक प्रकिया है : भूमंडलीकरण आदिवासी समाज के लिए खतरनाक प्रकिया है, जो हमारी सामाजिक, सांस्कृतिक अस्तित्व और हमारे संसाधनों के विकास को बुरी तरह से प्रभावित करती है. दुर्भाग्य से राष्ट्रीय नीतियां भूमंडलीकरण की खुली अर्थ नीति पर ही केंद्रित है और झारखंड सरकार भी उन्ही नीतियों का पक्षधर बन कर समाज के अधिकारों की उपेक्षा करने पर मजबूर हैं. अनुसूचित क्षेत्रों में आदिवासियों के प्रशासनिक व्यवस्था की बात करें तो संविधान की पांचवी अनुसूची यानी अनुच्छेद 244 (1) आदिवासियों के शासन और प्रशासन की बात करता है, जिसका उत्तरदायित्व राज्य के राज्यपाल में निहित है. हम कह सकते हैं कि झारखंड में आदिवासी समाज की सामाजिक सांस्कृतिक पहचान का सवाल अधूरा है और आदिवासी समाज की आर्थिक प्रगति को गति नहीं मिल रही है. **जय आदिवासी**

वक्फ संशोधन बिल संसद में पेश...

उन्होंने कांग्रेस समेत विपक्ष से अपील की कि वे बिल का समर्थन करें, इससे उन्हें करोड़ों लोगों की दुआ मिलेगी. चंद लोगों ने पूरे वक्फ बोर्ड पर कब्जा करके रखा है. मुस्लिमों को जो इंसाफ नहीं मिला, उसे सही करने के लिए बिल लाया गया.

बिल के विरोध में किसने-क्या कहा: -कांग्रेस के केसी वेणुगोपाल ने कहा, हम हिंदू हैं लेकिन साथ ही हम दूसरे धर्मों का भी सम्मान करते हैं. यह बिल झारखंड, महाराष्ट्र, हरियाणा चुनावों के लिए खास है. आप यह नहीं समझते कि पिछली बार जनता ने आपको सबक सिखाया था. एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा- वक्फ प्रॉपर्टी पब्लिक प्रॉपर्टी नहीं है. वक्फ प्रॉपर्टी का मतलब मस्जिद और दरगाह की जगह है. सरकार कह रही है कि हम महिलाओं को मैंबर बनाएंगे. क्या वे बिलकिस बानो को मैंबर बनाएंगे. यह सरकार मुसलमानों की दुश्मन है. सपा सांसद अखिलेश यादव ने कहा- बिल सोची समझी राजनीति के तहत पेश हो रहा है. वक्फ में गैर मुस्लिमों को शामिल करने का औचित्य नहीं है. अगर आप डीएम को ताकत दे देंगे तो गड़बड़ी होगी.

बिल के समर्थन में किसने-क्या कहा: जदयू सांसद और केंद्रीय पंचायती राज मंत्री ललन सिंह ने कहा- इस बिल को मुसलमान विरोधी बताने की कोशिश की जा रही है. यह बिल मुस्लिम विरोधी नहीं है. तेदेपा के सांसद जीएम हरीश बालयोगी ने कहा- यह बिल मुस्लिमों और महिलाओं के हित में है. शिवसेना के श्रीकांत शिंदे ने कहा, देश में एक ही कानून चलेगा. आपको अलग कानून की जरूरत क्यों है. यह संशोधन दूरगामी सुधार लाएगा, ऐसा मुझे भरोसा है.

जेपीसी होती क्या है ? : संसद को एक ऐसी एजेंसी की जरूरत होती है जिसपर पूरे सदन को भरोसा है. इसके लिए संसद की समितियां होती हैं. इन समितियों में संसद के सदस्य होते हैं. किसी बिल या फिर किसी सरकारी गतिविधियों में वित्तीय अनिमितताओं के मामलों की जांच के लिए जेपीसी का गठन किया जाता है. ये समितियां दो प्रकार की होती हैं. स्थाई समितियां और अस्थाई समितियां. स्थाई समितियों का कार्यकाल एक साल होता है और इनका काम लगातार जारी होता है. वित्तीय समितियां, विभागों से संबंधित समितियां और कुछ दूसरी तरह की समितियां स्थायी समितियां होती हैं. वहीं, अस्थाई या तदर्थ समितियों का गठन कुछ खास मामलों के लिए किया जाता है. जब इनका काम खत्म हो जाता है, तो इन समितियों का अस्तित्व भी खत्म हो जाता है. जेपीसी का गठन तब होता है, जब एक सदन उसका प्रस्ताव पास कर दे और दूसरा सदन उसका समर्थन कर दे.

ब्रीफ खबरें

समारोह में हमले की साजिश हुई नाकाम

वियना। अमेरिकी गायिका टेलर स्विफ्ट के इस हफ्ते होने वाले तीन संगीत समारोह को हमले की साजिश का पता चलने के बाद रद्द कर दिया गया है तथा इस्लामिक स्टेट समूह से संबंधित दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है. ऑस्ट्रिया के गृह मंत्रालय में जन सुरक्षा निदेशक फ्रांज रुफ ने बताया कि 19 वर्षीय मुख्य संदिग्ध के घर से रासायनिक पदार्थ और तकनीकी उपकरण मिले हैं. कहा कि जांचकर्ता संदिग्ध के घर से जब्त किए गए सबूतों का मूल्यांकन कर रहे हैं.

भुवनेश्वर में विवाद में दो महिलाओं की हत्या

भुवनेश्वर। भुवनेश्वर के एक 'अपार्टमेंट' में बुधवार की रात वाहन खड़ा करने को लेकर हुए विवाद में दो महिलाओं की हत्या कर दी गई. वारदात एयरफील्ड पुलिस थाना क्षेत्र अंतर्गत कल्याणी प्लाजा में हुई. पुलिस ने बताया कि पीड़ितों की पहचान रश्मि रंजन सेठी (28) और उनकी मित्र जुलू सेठी (35) के रूप में हुई है. उपायुक्त (डीसीपी) प्रतीक सिंह के अनुसार, वाहन की ''पार्किंग'' को लेकर हुआ विवाद इतना अधिक बढ़ गया कि चाकू से दोनों पर वार किया गया.

जम्मू-कश्मीर पहुंची चुनाव आयोग की टीम

श्रीनगर। निर्वाचन आयोग की टीम के बृहस्पतिवार को यहां पहुंचने के बाद उससे मिले राजनीतिक दलों के सभी प्रतिनिधियों ने जम्मू-कश्मीर में तत्काल विधानसभा चुनाव कराने की मांग की. मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार के नेतृत्व में टीम सुबह यहां पहुंची और शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एसकेआईसीसी) में नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी, भाजपा, कांग्रेस सहित पंजीकृत राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की.

राजस्थान के भाजपा विधायक का निधन

जयपुर। राजस्थान के उदयपुर की सलूम्बर विधानसभा सीट से भाजपा के विधायक अमृत लाल मीणा का बुधवार रात हृदयाघात से निधन हो गया. वह 65 वर्ष के थे. राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने मीणा के निधन पर शोक व्यक्त किया है.

सिद्धरमैया, शिवकुमार को कोर्ट का समन जारी

बेंगलुरु। बेंगलुरु की एक अदालत ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को समन जारी कर उन्हें 29 अगस्त को व्यक्तिगत रूप से पेश होने को कहा है. यह मामला दो साल से अधिक समय पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा 'नेशनल हेराल्ड' मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से बार-बार पूछताछ किए जाने के खिलाफ प्रदर्शन में उनकी भागीदारी से संबंधित है. ईडी द्वारा राहुल गांधी को 'अनावश्यक परेशान' किए जाने के खिलाफ जून 2022 में प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया था. सिद्धरमैया व शिवकुमार समेत कांग्रेस नेताओं ने प्रतिबंधात्मक आदेशों की अवहेलना कर प्रदर्शन किया था.

'डोरोथी सीट' ब्रिटिश सैन्य अधिकारी कर्नल केलेट ने अपनी दिवंगत पत्नी डोरोथी की याद में बनाई थी, यहां से दिखता है शहर का सुंदर नजारा

नैनीताल : बारिश से हुए भूस्खलन में लोकप्रिय पर्यटन स्थल 'डोरोथी सीट' ढहा

एजेंसी। नैनीताल

'टिफिन टॉप' के नाम से प्रसिद्ध नैनीताल का लोकप्रिय पर्यटन स्थल 'डोरोथी सीट' मंगलवार देर रात भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में ढह गया. उपजिलाधिकारी प्रमोद कुमार ने बृहस्पतिवार को बताया कि देर रात करीब 11 बजे शहर तेज आवाज से गूंज उठा और 'टिफिन टॉप' से बड़े-बड़े पत्थर नीचे गिरने लगे. उन्होंने बताया कि चूंकि क्षेत्र में उस समय कोई नहीं था, इसलिए भूस्खलन से कोई जनहानि नहीं हुई. समुद्र तल से 2290 मीटर की उंचाई पर स्थित 'डोरोथी सीट' में हर साल लाखों

पर्यटक और स्थानीय लोग घूमने के लिए जाते हैं. 'टिफिन टॉप' के मार्ग में पड़ने वाली पहाड़ी पर भी गहरी दरारें आ गयीं जिससे उसके उपर पर बनी संरचना-एक गोल प्लेटफार्म और उस पर बनी एक 'बेंच' भी गिर गयी. 'डोरोथी सीट' से शहर का बहुत सुंदर नजारा दिखाई देता है और मौसम साफ होने पर हिमालय की पहाड़ियां दिखाई देती हैं. 'डोरोथी सीट' ब्रिटिश सैन्य अधिकारी कर्नल केलेट ने अपनी दिवंगत पत्नी डोरोथी की याद में बनाई थी जिन्हें इस जगह पर बैठकर चित्रकारी करना पसंद था. जहाज से इंग्लैंड जाते समय डोरोथी की सेप्टिसीमिया रोग से मृत्यु हो गयी थी. 'टिफिन टॉप' नैनीताल से केवल तीन किलोमीटर की दूरी पर है. घटना की सूचना मिलते ही मध्यरात्रि 12 बजे उपजिलाधिकारी को जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी और राज्य आपदा प्रतिवादन बल की एक टीम के साथ मौके पर भेजा गया. क्षेत्र में चाय की दुकान चलाने वाले दिनेश सुंथा ने बताया कि मंगलवार रात उनका भतीजा आशुतोष दुकान के अंदर ही सो रहा था और उसी ने बताया कि रात में डोरोथी सीट स्थल गिर गया.

राजस्थान में भारी बारिश का दौर जारी धौलपुर में 200 मिलीमीटर बरसात हुई

जयपुर। राजस्थान के अनेक इलाकों में भारी बारिश का दौर जारी है और बीते चौबीस घंटे में धौलपुर में सबसे अधिक 200 मिलीमीटर बारिश हुई. जयपुर मौसम केंद्र के अनुसार बृहस्पतिवार सुबह साढ़े आठ बजे तक के 24 घंटों के दौरान पश्चिमी राजस्थान में कुछ स्थानों पर तथा पूर्वी राजस्थान में अनेक स्थानों पर मेघ गर्जन के साथ वर्षा हुई. इसी दौरान दौसा, अलवर, झुंझुनू, सवाई माधोपुर में भारी वर्षा तथा धौलपुर, करौली एवं भरतपुर जिले में अति भारी वर्षा दर्ज की गई. सबसे अधिक बारिश धौलपुर में हुई, जो 200 मिलीमीटर है. इसी तरह भरतपुर के नदबई में 15 सेंटीमीटर, धौलपुर के बाड़ी में 15 सेमी., करौली में 14 सेमी., दौसा के महुआ में नौ सेमी., अलवर के कटूमर में नौ सेमी., झुंझुनू के पिलानी में आठ सेमी. बारिश हुई.

हिमाचल प्रदेश में 10 व 11 अगस्त के लिए भारी बारिश का 'ऑरेंज' अलर्ट

शिमला। मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश के कुछ स्थानों पर सप्ताहांत में गरज-चमक और आंधी के साथ भारी से बहुत भारी बारिश का पूर्वानुमान जताते हुए 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया. राज्य में मॉनसून की सक्रियता के बीच अगले 24 घंटे में सिरमौर, चंबा, शिमला, कुल्लू और मंडी जिलों के अलग-अलग हिस्सों में हल्के से मध्यम स्तर के बाढ़ के खतरे की भी चेतावनी दी है. बुधवार शाम साढ़े पांच बजे के बाद से शिलारू में सबसे अधिक 86.4 मिली बारिश दर्ज की गई, इसके बाद बग्गी में 76.6 मिमी, सुंदरनगर में 64.2 मिमी, मंडी में 60.2 मिमी, गोहर में 57.4 मिमी, जोगिंदरनगर में 53 मिमी, पंडोह में 50 मिमी, पालमपुर में 48.8 मिमी, धर्मशाला में 38 मिमी, कुफरी में 24 मिमी बारिश हुई.

मोहम्मद यूनुस ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली, कहा

नागरिकों की सुरक्षा करेगी सरकार

एजेंसी। ढाका

नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली. यूनुस (84) को राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने राष्ट्रपति भवन 'बंगभवन' में आयोजित एक समारोह में पद की शपथ दिलाई. वर्ष 2006 में नोबेल पुरस्कार पाने वाले यूनुस को मंगलवार को राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन द्वारा संसद भंग किए जाने के बाद अंतरिम सरकार का प्रमुख नियुक्त किया गया था. इससे पहले आरक्षण प्रणाली के खिलाफ व्यापक प्रदर्शनों के बीच शेख हसीना सोमवार को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर देश छोड़कर चली गई थीं.

छोटे-छोटे ऋण के मामले में अपने शानदार कार्यों के लिए 2006 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किए जाने वाले यूनुस (84) ओलंपिक खेलों के लिए पेरिस गए यूनुस दुबई से होते हुए स्वदेश लौटे. यूनुस को लेकर अमीरात की उड़ान (ईके-582) स्थानीय समयानुसार दोपहर 2:10 बजे हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरी. सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमां, वरिष्ठ अधिकारियों, छात्र नेताओं और सिविल सोसाइटी के सदस्यों ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया. हवाई अड्डे पर संवाददाता सम्मेलन में यूनुस ने उन युवाओं के प्रति आभार व्यक्त किया जिन्होंने हसीना के खिलाफ आंदोलन को सफल बनाया. उन्होंने कहा, 'हमें दूसरी बार आजादी मिली है. हमें इस आजादी की रक्षा करनी है.' यूनुस ने कहा, 'देश अब आपके हाथों में है. अब आपको अपनी आकांक्षाओं के अनुसार इसका पुनर्निर्माण करना है. आपको देश के निर्माण के लिए अपनी रचनात्मकता का उपयोग करना होगा. आपने देश के लिए आजादी हासिल की है.' उन्होंने कहा, 'हम जो सरकार बनाएंगे वह नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी.' यूनुस ने नागरिकों से विरोध प्रदर्शन के दौरान पैदा हुई अराजकता से देश को बचाने को कहा. उन्होंने कहा, 'बांग्लादेश एक बहुत खूबसूरत देश हो सकता है और हम इसे ऐसा बना सकते हैं.' उन्होंने अबू सईद को भी श्रद्धांजलि दी, जो भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के दौरान पुलिस गोलीबारी में मारे गए शुरुआती लोगों में से एक थे.

ढाका में मीडिया से मोहम्मद यूनुस ने कहा-'हमें दूसरी बार आजादी मिली है. हमें इस आजादी की रक्षा करनी है.' **प्रेट्र**

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ तत्काल हिंसा रोकने का आह्वान

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। दो प्रमुख भारतीय-अमेरिकी सांसदों ने शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता से बेदखल होने के बाद बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ जारी हिंसा को तत्काल रोके जाने का आह्वान किया है. सांसदों ने अंतरिम सरकार के मनोनीत प्रधानमंत्री नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस से भी आग्रह किया है कि वह देश की बागडोर संभालने पर कानून का शासन बनाए रखें.

दो प्रभावशाली सांसदों की यह टिप्पणी बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ अपराध में वृद्धि और हिंदू मंदिरों को नष्ट किए जाने के बीच कई हिंदू-अमेरिकी समूहों द्वारा विदेश विभाग के अधिकारियों से मुलाकात करने के एक दिन बाद आई है. उन्होंने यह भी कहा कि हिंदुओं और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की निंदा करने में अमेरिकी संसद और प्रशासन की विफलता अस्वीकार्य है. बांग्लादेश में अनेक हिंदू मंदिरों, घरों और व्यवसायों में तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाएं हुई हैं. हसीना के इस्तीफा देकर सोमवार को भारत पहुंचने के बाद से हिंसा में हसीना की अवामी लीग पार्टी से जुड़े कम से कम दो हिंदू नेता मारे गए हैं. सांसद रो खन्ना ने बृहस्पतिवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'बांग्लादेशी छात्रों को प्रधानमंत्री हसीना के खिलाफ सिर्फ मानवाधिकार की चिंता थी. यह अच्छा है कि वह चली गईं. लेकिन अब हिंदुओं को निशाना बनाकर की जा रही हिंसा गलत है. यूनुस को कानून का शासन बनाए रखना चाहिए और मंदिरों या किसी भी राजनीतिक दल या आस्था के लोगों को हिंसा से बचाना चाहिए.' सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने कहा, 'मैं सभी सरकारी अधिकारियों, नए प्रशासन और पुलिस प्रमुख तथा बांग्लादेश के लोगों से देश भर में फैली हिंसा को खत्म करने के लिए हरसंभव प्रयास करने का आग्रह करता हूं.'

हसीना के बेटे ने कहा-आईएसआई फैला रही देश में अशांति

लोकतंत्र बहाल होने पर हसीना स्वदेश लौटेंगी

कोलकाता। प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर बांग्लादेश से भारत पहुंचीं शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय ने बृहस्पतिवार को कहा कि बांग्लादेश में लोकतंत्र बहाल होते ही उनकी मां अपने देश लौटेंगी. उन्होंने कहा कि उनके देश में अशांति फैलाने में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ है. 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक विशेष साक्षात्कार में जॉय ने कहा कि हालांकि 76 वर्षीय हसीना निश्चित रूप से बांग्लादेश लौटेंगी, लेकिन अभी यह तय नहीं है कि वह सेवानिवृत्त नेता के रूप में लौटेंगी या सक्रिय नेता के रूप में. उन्होंने यह भी कहा कि शेख मुजीब (शेख मुजीबुर रहमान) परिवार के सदस्य न तो अपने लोगों को छोड़ेंगे और न ही संकटग्रस्त अवामी लीग को बेसहारा छोड़ेंगे. जॉय ने अपनी मां की सुरक्षा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया तथा भारत से अंतरराष्ट्रीय राय बनाने में मदद करने और बांग्लादेश में लोकतंत्र की बहाली के लिए दबाव बनाने की अपील की. उन्होंने कहा, 'हां, यह सच है कि मैंने कहा था कि

वह बांग्लादेश नहीं लौटेंगी. लेकिन देश भर में हमारे नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं पर लगातार हमलों के बाद पिछले दो दिन में बहुत कुछ बदल गया है. अपने लोगों को सुरक्षित रखने के लिए अब हमें जो भी करना होगा वह करने जा रहे हैं. हम उन्हें अकेला नहीं छोड़ेंगे.' जॉय ने फोन पर पीटीआई-भाषा से कहा, 'बांग्लादेश में अवामी लीग सबसे बड़ी और सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी है, इसलिए हम अपने लोगों से दूर नहीं जा सकते. लोकतंत्र बहाल होने के बाद वह (हसीना) निश्चित तौर पर बांग्लादेश लौटेंगी.' अवामी लीग को 'भारत की सदाबहार सहयोगी' करार देते हुए उन्होंने कहा कि नयी दिल्ली को अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाकर बांग्लादेश में अवामी लीग के नेताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए. बांग्लादेश में बनने वाली अंतरिम सरकार से जॉय ने कानून एवं व्यवस्था बहाल करने का भी आग्रह किया और कहा कि 'देश अराजकता के गर्त में जा रहा है तथा क्षेत्र में दूसरा अफगानिस्तान बन रहा है.'

उम्मीद है अंतरिम सरकार समान अवसर तैयार करेगी : उन्होंने कहा कि उन्हें यह भी उम्मीद है कि जब भी लोकतंत्र बहाल होगा और नया चुनाव होगा तो अंतरिम सरकार समान अवसर तैयार करेगी. जॉय ने कहा, 'आप अवामी लीग को बाहर नहीं कर सकते हैं और बांग्लादेश में कभी भी प्रतिनिधि लोकतंत्र नहीं रख सकते हैं. उनके (मोहम्मद यूनुस) व्यक्तिगत विचार जो भी हों, उन्होंने कहा है कि वह एकता सरकार चाहते हैं तथा आगे बढ़ना चाहते हैं और अतीत की गलतियों की पुनरावृत्ति नहीं होने देना चाहते हैं. मुझे आशा है कि वह अपनी बात पर कायम रहेंगे.' जॉय ने कहा कि लोकतंत्र बहाल हो जाने पर अवामी लीग या बीएनपी सत्ता में आएगी, और 'मुजीब परिवार तथा शेख हसीना साथ में रहेंगे.' उन्होंने कहा, 'वह पिछले दो दिन से हमारी पार्टी के सभी नेताओं के संपर्क में हैं.'

अराजकता के बीच बांग्लादेश में लोग जाग कर गुजार रहे रातें

एजेंसी। ढाका

बांग्लादेश में में व्याप्त अराजक माहौल के बीच अपराधियों द्वारा लूटपाट किए जाने और डकैती डाले जाने के डर से लोग पूरी रात जागकर बिता रहे हैं और अपनी सपंत्तियों की सुरक्षा के लिए खुद ही सड़कों पर पहरा दे रहे हैं. पिछले दो दिनों से अपराधियों के गिरोह निवासियों के घरों में लूटपाट और डकैती डाल रहे हैं. डकैती और लूटपाट के डर के कारण कई निवासियों ने बुधवार पूरी रात जगकर बिताई. ढाका के एक छोर से दूसरे छोर तक, खासकर उत्तरा से मोहम्मदपुर तक लोग अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं.

बांग्लादेश की समाचार वेबसाइट 'बीडीन्यूज 24.कॉम' की एक खबर में बताया गया कि उत्तरा और मोहम्मदपुर समेत कई इलाकों में निवासी अपनी संपत्तियों की सुरक्षा के लिए समूहों में पहरा दे रहे हैं. ढाका विश्वविद्यालय में अंशकालिक शिक्षक और मोहम्मदपुर के बोसिला की रहने वाली नाजवी इस्लाम ने बताया कि लुटेरों ने मंगलवार रात इलाके में आतंक मचाया. मस्जिदों से लगातार लोगों को सर्तक रहने का एलान किया जा रहा है. लोगों ने समूहों में बुधवार रात सड़कों पर पहरा दिया और उनके हाथों में लाठी-डंडे व बल्लियां थीं. मदरसे के सैकड़ों छात्रों ने भी इलाके की रखवाली की. छात्र छोटे-छोटे समूहों में बंट गए और उन्होंने सरकारी इमारतों, सार्वजनिक संपत्तियों की रखवाली की.

धन की आपूर्ति बाधित

वहीं 'डेली स्टार' में प्रकाशित खबर में नबोदय आवासीय क्षेत्र के एक निवासी के हवाले से बताया गया कि 'कल रात कुछ लोग हथियार लेकर पड़ोसी के घर घुस गए उन्होंने जबरन मेन गेट खोला और नकदी और जेवरात लूट लिए.' डेली स्टार ने बैंक कर्मचारियों के हवाले से बताया कि सुरक्षा न होने के कारण बैंकों में धन की आपूर्ति बाधित हो गई है, जिससे अधिकांश एटीएम में नकदी नहीं है और यहां तक कि कई बैंक शाखाओं में भी नकदी खत्म हो गई है. इस बीच, देश के राजनीतिक दलों ने अंतरिम मंत्रिमंडल के स्वरूप पर चर्चा की. बांग्लादेश में प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने अंतरिम सरकार में 15 नेताओं के नामों की कथित तौर पर सूची तैयार की है.

शेख हसीना सरकार गिरने के बाद से 232 लोगों की हुई मौत

एजेंसी ढाका

बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद हुई हिंसक घटनाओं में देशभर में कम से कम 232 लोगों की मौत हुई है. इसी के साथ जुलाई के मध्य में शुरू हुए आरक्षण विरोधी प्रदर्शन के बाद से मरने वालों का आंकड़ा 560 हो गया है.

मीडिया में बृहस्पतिवार को आई खबरों में यह जानकारी दी गई है. हसीना ने अपने शासन के खिलाफ कई हफ्ते तक चले छात्रों के उग्र विरोध प्रदर्शन के बाद सोमवार को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और देश छोड़कर भाग गईं. 'प्रोथोम अलो' अखबार के मुताबिक, हसीना के सत्ता से हटने के बाद बुधवार शाम तक कुल 232 लोगों की मौत हो चुकी थी. इससे पहले, 16 जुलाई से चार अगस्त तक सरकारी नौकरियों में आरक्षण व्यवस्था को लेकर हुए आंदोलन के दौरान हुई झड़पों में लगभग 328 लोग मारे गए थे. कुल मिलाकर, पिछले 23 दिनों में तकरीबन 560 लोग मारे गए. 232 में से ज्यादातर लोगों की मौत मंगलवार को हुई. कुछ लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया. गाजीपुर में मंगलवार को काशीमपुर की उच्च सुरक्षा वाली जेल से करीब 209 कैदी भाग गए. जेल के सुरक्षाकर्मियों ने कैदियों को भागने से रोकने के लिए गोलियां चलाईं. जेल सूत्रों ने बताया कि इस घटना में तीन उग्रवादियों समेत छह लोगों की मौत हो गई.

कार्यस्थलों पर लौटने लगे पुलिस कर्मचारी

बांग्लादेश में नवनियुक्त प्रमुख के आह्वान पर पुलिसकर्मी कार्यस्थलों पर धीरे-धीरे लौटने लगे हैं. विद्यार्थियों के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शन के कारण सोमवार को शेख हसीना सरकार के पतन के बाद कई पुलिस थानों पर हमला किया गया और उनमें आग लगा दी गई. इसके चलते कई अधिकारियों ने और अधिक हमलों के खतरे को देखते हुए अपने थाने छोड़ दिये. छात्र आंदोलन के दौरान हुई हिंसा में पुलिसकर्मियों सहित 400 से अधिक लोग मारे गए. नवनियुक्त पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) मोहम्मद मैनुल इस्लाम ने बुधवार को अधिकारियों को अगले 24 घंटे के भीतर अपनी-अपनी इकाइयों से जुड़ने का आदेश दिया था.

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के साथ काम करने के लिए तैयार हैं : अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका ने कहा है कि वह बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के साथ काम करने के लिए तैयार है. नोबेल पुरस्कार से सम्मानित मोहम्मद यूनुस की अगुवाई में बांग्लादेश में एक अंतरिम सरकार बृहस्पतिवार को शपथ ले सकती है. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने बुधवार को अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों से कहा, 'हम बांग्लादेश के घटनाक्रम पर नजर रख रहे हैं और हमने साफ तौर पर अंतरिम सरकार के नेता के रूप में मोहम्मद यूनुस की नियुक्ति देखी है.' उन्होंने बांग्लादेश में तेजी से बदलते घटनाक्रम के बारे में पूछे गए सवालों पर कहा, 'हमें लगता है कि अंतरिम सरकार बांग्लादेश में दीर्घकालिक शांति और राजनीतिक स्थिरता कायम करने में अहम भूमिका निभाएगी.' इस बीच, विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि अंतरिम सरकार के संबंध में सभी फैसलों में लोकतांत्रिक सिद्धांतों, कानून के शासन और बांग्लादेश के लोगों की इच्छा का सम्मान होना चाहिए. प्रवक्ता ने एक सवाल पर कहा, 'हम समझते हैं कि नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने पर सहमत हो गए हैं. हम अंतरिम सरकार के साथ काम करने के लिए तैयार हैं क्योंकि वह बांग्लादेश के लोगों के लिए लोकतांत्रिक भविष्य की योजना बना रही है.' यूनुस ने बुधवार को सभी से 'नयी जीत' का सर्वोत्तम उपयोग करने के लिए 'शांति कायम करने' और 'हर प्रकार की हिंसा से बचने' की अपील की.

दौरा राष्ट्रपति तीन देशों की यात्रा के दूसरे चरण में न्यूजीलैंड पहुंचीं, द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा

मुर्मू ने गवर्नर जनरल, उप प्रधानमंत्री से मुलाकात की

एजेंसी। वेलिंगटन

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को न्यूजीलैंड की गवर्नर जनरल डेम सिंडी कीरो और उप प्रधानमंत्री विंस्टन पीटर्स से मुलाकात कर मैत्रीपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की. मुर्मू तीन देशों की यात्रा के दूसरे चरण के तहत बुधवार को न्यूजीलैंड पहुंचीं. यहां पहुंचने पर उन्हें शाही सलामी गारद दिया गया.

राष्ट्रपति कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने न्यूजीलैंड की गवर्नर जनरल डेम सिंडी कीरो से मुलाकात की. दोनों नेताओं ने भारत और न्यूजीलैंड के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों की सराहना की

और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की.' बाद में पीटर्स ने भी राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात की. पीटर्स न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री भी हैं. मुर्मू के कार्यालय ने कहा, 'दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति को रेखांकित किया और कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया.' उन्होंने वेलिंगटन में न्यूजीलैंड अंतरराष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन को भी संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति के बारे में बात की. मुर्मू ने कहा, 'शिक्षा हमेशा मेरे दिल के करीब रही है. मैंने शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति को प्रत्यक्ष रूप से देखा और अनुभव किया है.'

अंतरराष्ट्रीय छात्रों का दूसरा सबसे बड़ा समूह

राष्ट्रपति ने कहा कि आज, भारत में एक युवा आकांक्षी जनसांख्यिकी है, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के लिए तैयार है. भारतीय माता-पिता अपने बच्चों के लिए सर्वोत्तम संभव शिक्षा की आकांक्षा रखते हैं और यह वास्तव में स्वागत योग्य है कि कई भारतीय छात्र न्यूजीलैंड के विभिन्न संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं. 8,000 भारतीय छात्र पूरे न्यूजीलैंड में विभिन्न पाठ्यक्रमों में पढ़ाई कर रहे हैं, जिससे वह यहां अंतरराष्ट्रीय छात्रों का दूसरा सबसे बड़ा समूह बन गया है. कहा कि न्यूजीलैंड अनुसंधान और नवाचार, समावेशिता और उत्कृष्टता पर विशेष ध्यान देने के साथ अपनी उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा के लिए प्रसिद्ध है. कहा कि न्यूजीलैंड शिक्षा सम्मेलन शिक्षा में जारी सहयोग को मजबूत करने और सहयोग के नए क्षेत्रों की खोज करने का शानदार अवसर प्रदान करता है.

जापान में भूकंप के तगड़े झटके

- सुनामी की चेतावनी, गंभीर क्षति की तत्काल सूचना नहीं
- स्थानीय निवासियों से समुद्र तट से दूर रहने का आग्रह

एजेंसी। टोक्यो

जापान के दक्षिणी तट पर बृहस्पतिवार को भूकंप के तगड़े झटके महसूस किये गये जिसके बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई. स्थानीय निवासियों से समुद्र तट से दूर रहने का आग्रह किया गया, लेकिन किसी के घायल होने या गंभीर क्षति की तत्काल कोई सूचना नहीं मिली है. जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 7.1 मापी गई.

एजेंसी ने बताया कि इसका केंद्र जापान के दक्षिणी मुख्य द्वीप क्यूशू के पूर्वी तट पर लगभग 30 किलोमीटर (18.6 मील) की गहराई में था.

भूकंप के सबसे जबरदस्त झटके क्यूशू द्वीप के मियाजाकी प्रांत के निचिनान शहर और आसपास के इलाकों में महसूस किये गये. एजेंसी ने कहा कि भूकंप आने के लगभग आधे घंटे बाद क्यूशू के दक्षिणी तट के कुछ हिस्सों और निकटवर्ती शिकोकू द्वीप पर 50 सेंटीमीटर (1.6 फुट) ऊंची सुनामी की लहरें देखी गईं. मुख्य कैबिनेट सचिव योशिमासा हयाशी ने कहा कि अधिकारी भूकंप में हुई क्षति का आकलन कर रहे हैं, हालांकि इस संबंध में तत्काल कोई सूचना नहीं मिली है. जापान के एनएचके टेलीविजन ने कहा कि भूकंप के केंद्र के निकट मियाजाकी हवाई अड्डे पर खिड़कियों के टूटने की खबरें हैं. परमाणु विनियमन प्राधिकरण ने कहा कि क्यूशू और शिकोकू पर स्थित सभी 12 परमाणु रिएक्टर सुरक्षित हैं, जिनमें से तीन वर्तमान में संचालित हैं. मार्च 2011 में आये भीषण भूकंप और सुनामी के बाद से फुकुशिमा परमाणु आपदा के बाद से परमाणु ऊर्जा संयंत्रों वाले क्षेत्रों में भूकंप एक बड़ी चिंता का विषय रहा है.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)